THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 157 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.10 2082 मंगलवार, 2 सितंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कश्मीर के पुंछ में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

श्रीनगर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास सोमवार को भारतीय सेना ने आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने एक्स पर बताया कि सुबह करीब 5:30 बजे बालाकोट के जनरल एरिया में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी गई थी। जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए तुरंत फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद आतंकियों ने भी ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद आतंकवादियों ने भागने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। आतंकियों की तलाश की जा रही है।

आतंकवाद के खिलाफ 'दोहरा मापदंड' स्वीकार नहीं : पीएम

✻ एससीओ के संयुक्त घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र ✻ सभी देशों ने कायराना हरकत की निंदा की

तियानजिन (चीन), 1 सितंबर (एजेंसियां)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की सोमवार को कड़ी निंदा की और भारत के इस रुख से सहमति जताई कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी तरह का 'दोहरा मापदंड' स्वीकार नहीं किया जा सकता।

एससीओ के संयुक्त घोषणापत्र में आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा की गई। यह घोषणापत्र चीन के तटीय शहर तियानजिन में दो दिन तक चले वार्षिक शिखर सम्मेलन के अंत में जारी किया गया। इस सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुति और कई अन्य वैश्विक नेताओं ने हिस्सा लिया। एससीओ के सदस्य देशों ने इस्राइल की ओर से गाजा पर किए हमलों की भी निंदा की, क्योंकि इन हमलों में बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की मौत हुई है और गाजा पट्टी में गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है। संयुक्त घोषणापत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के उपायों का जिक्र किया गया और आतंकवाद से निपटने को एक बड़ी चुनौती बताया गया। घोषणापत्र में कहा गया, सदस्य देशों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। एससीओ के सदस्य देशों ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में खुझदार और जाफर एक्सप्रेस पर हुए आतंकी हमलों की भी निंदा की। घोषणापत्र में आगे कहा गया, उन्होंने (सदस्य देशों ने) मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की। साथ ही यह भी कहा कि ऐसे हमलों के अपराधियों, योजनाकारों और समर्थकों को सजा मिलनी चाहिए। एससीओ ने आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ के खिलाफ अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर जोर दिया कि इन तत्वों का निजी स्वार्थों के लिए इस्तेमाल करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

घोषणापत्र में कहा गया कि सदस्य देश मानते हैं कि आतंकवाद और चरमपंथ के खतरों से निपटने में संप्रभु देशों और उनकी सक्षम एजेंसियों की भूमिका सबसे अहम है। सदस्य देश हर प्रकार के आतंकवाद की निंदा करते हैं और इस बात पर बल देते हैं कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरा मापदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए। वे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से आह्वान करते हैं कि आतंकवाद, विशेषकर सीमापार आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर कार्रवाई की जाए।

संपर्क के हर प्रयास में संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान होना चाहिए, पीएम मोदी की दो टूक

तियानजिन, 1 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग परिषद (एससीओ) के सदस्यों के सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद पर जमकर हमला बोला। उन्होंने देशों की संप्रभुता की अहमियत पर बात की। उन्होंने कहा, पिछले 24 वर्षों में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने एशिया क्षेत्र में सहयोग और आपसी जुड़ाव को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत ने एक सक्रिय सदस्य के रूप में हमेशा सकारात्मक भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री ने संपर्क (कनेक्टिविटी) के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि संपर्क के हर प्रयास में संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि संप्रभुता को दरकिनार करने वाली संपर्क व्यवस्था विश्वास और अर्थ खो देती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एससीओ सदस्य वैश्विक संस्थाओं में सुधार के लिए आपसी सहयोग बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा, हम सर्वसम्मति से संयुक्त राष्ट्र में सुधार का आह्वान कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, भारत का हमेशा से मानना रहा है कि मजबूत संपर्क न केवल व्यापार को बढ़ावा देता है, बल्कि विकास और विश्वास के द्वार भी खोलता है। इसी को ध्यान में रखते हुए हम चाबहार बंदरगाह और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन कॉरिडोर जैसी पहलों पर काम कर रहे हैं। इससे हमें अफगानिस्तान और मध्य एशिया के साथ संपर्क बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, आज भारत सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र पर आगे बढ़ रहा है। हमने हर चुनौती को अवसर में बदलने की कोशिश की है।

भारत-रूस की दोस्ती देख डोनाल्ड ट्रंप बोले अमेरिका है सबसे बड़ा ग्राहक

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। एससीओ समिट के लिए चीन दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात हुई। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अमेरिका का भारत के साथ एकतरफा व्यापारिक संबंध है क्योंकि अमेरिका की वजह से भारत को ज्यादा फायदा होता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ग्राहक है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टुथ सोशल पर लिखा, बहुत कम लोग यह समझते हैं कि हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं, लेकिन वे हमारे साथ बहुत ज़्यादा व्यापार करते हैं। दूसरे शब्दों में, वे हमें भारी मात्रा में सामान बेचते हैं, जो उनका सबसे बड़ा 'ग्राहक' है, लेकिन हम उन्हें बहुत कम बेचते हैं। अब तक यह पूरी तरह से एकतरफा रिश्ता रहा है, और यह कई दशकों से चला आ रहा है।

उग्रवादी संगठनों के चार सदस्य गिरफ्तार

भारी मात्रा में आधुनिक हथियार बरामद

इंफाल, 1 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर पुलिस ने उग्रवादी संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार उग्रवादी कथित तौर पर हथियारों की तस्करी में संलिप्त थे। पुलिस ने उग्रवादियों के पास से भारी मात्रा में आधुनिक हथियार भी बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दो उग्रवादी मैतेई समूह आरामबाई टेंगोल (एटी) के सदस्य हैं और उनके पास से 11 अत्याधुनिक हथियार भी जब्त किए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि आरामबाई टेंगोल के सदस्यों को शनिवार को इंफाल पश्चिम जिले में पकड़ा गया। उन पर कथित तौर पर हथियारों की तस्करी और गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के आरोप हैं। उग्रवादियों के पास से सात एचके33 राइफलें, दो एम4ए1 कार्बाइन, दो .45 पिस्तौल, विभिन्न प्रकार की 40 खाली मैगजीन और .45 कैलिबर के 100 कारतूस जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान लैशराम तोंडोम्बा सिंह (27) और तोरंगबाम अमरजीत मैतेई (20) के रूप में हुई है, जो दोनों थौबल जिले के लामडिंग ममांग लेइकाई के निवासी हैं। दोनों उग्रवादियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें नौ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। कुकी समूहों ने अरम्बाई टेंगोल पर राज्य में जातीय हिंसा में व्यापक रूप से शामिल होने का आरोप लगाया है।

अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही

> 800 लोगों की मौत, 2500 से ज्यादा लोग घायल

काबुल, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्वी अफगानिस्तान में आए एक शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गई। अब तक 2,500 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। रविवार देर रात 6.0 तीव्रता का भूकंप नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के पास कुनार प्रांत के कई कस्बों में आया, जिससे भारी नुकसान हुआ।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, रात 11:47 बजे आए भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में था। इसकी गहराई महज 8 किलोमीटर थी। कम तीव्रता वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इसके बाद भी इलाके में कई झटके आए। सोशल मीडिया वीडियो फुटेज में बचावकर्मी घायल लोगों को ढही हुई इमारतों से स्ट्रेचर पर उठाकर हेलीकॉप्टरों में ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि कई लोग अपने हाथों से मलबा हटाने की कोशिश कर रहे हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मृतकों की संख्या बढ़कर 800 हो गई है। 2,500 लोग घायल हुए हैं।

इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति आवास से निकले धनखड़

> अभय चौटाला के फॉर्महाउस में रहेंगे > विपक्ष ने हाउस अरेस्ट का आरोप लगाया था

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अब दक्षिणी दिल्ली के छतरपुर इलाके में स्थित अभय चौटाला के फॉर्महाउस में रहेंगे। सोमवार शाम 6 बजे उन्होंने इस्तीफे के 42 दिन बाद उपराष्ट्रपति आवास छोड़ा। इंडियन नेशनल लोकदल के प्रमुख अभय चौटाला ने बताया कि हमारे परिवार के घनखड़ जी से पुराने रिश्ते रहे हैं। हमने उनसे हमारे घर में रहने की अपील की, जो उन्होंने मान ली।

धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को पद से इस्तीफा दे दिया था। तब से वे सार्वजनिक कहीं नजर नहीं आए। इस दौरान विपक्ष ने हाउस अरेस्ट जैसे कई आरोप लगाए। हालांकि सरकार ने इनसे इनकार किया। धनखड़ अब तक संसद भवन के पास उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रह रहे थे। उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था।

टाइप-8 बंगला मिलने तक फॉर्महाउस में रहेंगे : धनखड़ अभय चौटाला के फार्महाउस में तब तक रहेंगे, जब तक उन्हें टाइप-8 सरकारी बंगला आवंटित नहीं कर दिया जाता, जिसके वे पूर्व उपराष्ट्रपति होने के नाते हकदार हैं। धनखड़ के करीबी सूत्रों ने बताया कि वे अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं, टेबल टेनिस खेल रहे हैं और योग का अभ्यास कर रहे हैं। नए उपराष्ट्रपति का चुनाव 9 सितंबर को होना है। इसमें एनडीए के महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन का मुकाबला विपक्ष के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी से है।

धनखड़ और चौटाला परिवार के बीच करीब 40 साल पुराना रिश्ता : धनखड़ और चौटाला परिवार के बीच करीब 40 साल पुराना रिश्ता है। 1989 में हरियाणा के बड़े जाट नेता और तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी देवीलाल ने राजस्थान के युवा वकील धनखड़ को फ्यूचर का लीडर कहा था। धनखड़ देवीलाल को अपना राजनीतिक गुरु मानते हैं। उसी दौर में दिल्ली के बोट क्लब पर देवीलाल के जन्मदिन पर विपक्षी रैली में धनखड़ ने 500 गाड़ियां राजस्थान से जुटाई थीं। इसके बाद 1989 लोकसभा चुनाव में देवीलाल ने धनखड़ को झुंझुनूं सीट से टिकट दिया। खुद प्रचार भी किया। चुनाव जीतने पर जब देवीलाल उपप्रधानमंत्री बने तो धनखड़ को भी सरकार में मंत्री पद मिला। हालांकि जब वीपी सिंह ने देवीलाल को मंत्रिमंडल से बाहर किया तो धनखड़ अकेले मंत्री थे जिन्होंने विरोध में इस्तीफा दिया।

असम में थाडौ जनजाति के नेता की हत्या

गुवाहाटी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। असम में थाडौ जनजाति के एक शीर्ष नेता की कथित तौर पर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने बताया कि जिन नेता की हत्या की गई है, वे मणिपुर में शांति वार्ता का हिस्सा रहे थे। बताया जा रहा है कि हत्या के बाद शव को नदी में फेंक दिया गया और अभी तक शव बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने इस मामले में पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि थाडौ जनजाति के नेता नेहकाम जोहाओ असम के कार्बी आंगलोंग जिले के मांजा इलाके में कुकी बस्ती में रहते थे। जोमहाओ की कथित तौर पर शनिवार रात धारदार हथियारों से हमला कर हत्या कर दी गई और हत्या के बाद शव को जमुना नदी में फेंक दिया गया। पुलिस ने बताया कि शव की तलाश रविवार से जारी है, लेकिन अभी तक शव बरामद नहीं हो सका है। पुलिस ने इस मामले में पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और कई अन्य लोगों को भी पूछताछ के लिए बुलाया है।

कोर्ट ने अल्पसंख्यक स्कूलों को आरटीई से छूट देने वाले फैसले पर जताया संदेह

सीजेआई के पास भेजा मामला

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 2014 के प्रमाटी एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट मामले के उस फैसले पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जिसमें कहा गया था कि अल्पसंख्यक स्कूलों को बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा देने वाले कानून (आरटीई एक्ट, 2009) से छूट है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि उन्हें इस फैसले की सही होने पर संदेह है और उन्होंने यह मुद्दा मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई के पास भेज दिया है। आरटीई एक्ट के तहत छह से 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है। कानून में प्रावधान है कि निजी स्कूलों को 25 प्रतिशत सीटें कमजोर वर्गों और वंचित तबकों के बच्चों के लिए सुरक्षित रखनी होंगी।

वोट चोरी के 'एटम बम' के बाद 'हाइड्रोजन बम' आने वाला है

पीएम मोदी लोगों को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे : राहुल गांधी

पटना, 1 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर राहुल गांधी बेहद आक्रमक अंदाज में नजर आए। पटना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने महादेवपुरा में 'वोट चोरी' के रूप में परमाणु बम के बाद, हम जल्द ही हाइड्रोजन बम लाएंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि हमने देश के सामने 'वोट चोरी' का सबूत पेश किया, वोट चोरी का मतलब है लोगों के अधिकारों, लोकतंत्र और भविष्य की चोरी। उन्होंने कहा कि जब हम वोट चोरी का हाइड्रोजन बम लाएंगे तो पीएम मोदी लोगों को अपना चेहरा दिखाने लायक नहीं रहेंगे। उन्होंने यह भी कि जिन लोगों ने महात्मा गांधी की हत्या की, वो अब लोकतंत्र और संविधान को खत्म करना चाहते हैं। हम उन्हें ऐसा नहीं करने देंगे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वोट चोरी का मतलब अधिकार, आरक्षण, रोजगार, शिक्षा और युवाओं के भविष्य की चोरी है। राहुल गांधी ने दावा किया कि वोट चोरी के बाद लोगों के राशन कार्ड और जमीन छीन ली जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को दावा किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद डबल इंजन सरकार नहीं होगी और महागठबंधन की सरकार बनेगी जो गरीबों, महिलाओं, दलितों और पिछड़ों की सरकार होगी। उन्होंने 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन के मौके पर आयोजित सभा में जनता का आह्वान किया कि वह इस चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को सत्ता से बाहर करे। खड़गे ने कहा कि यात्रा में बाधा डालने के लिए पूरी कोशिश की गई, लेकिन राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने यात्रा पूरी की। उन्होंने कथित वोट चोरी का जिक्र किया और जनता का आह्वान किया, बिहार के लोग सतर्क रहें क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह आपको डुबा देंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, डबल इंजन की सरकार अब बिहार में नहीं होगी। जो नई सरकार आएगी वह गरीबों, महिलाओं, दलितों और

अमित शाह ने जम्मू के तवी ब्रिज और बिक्रम चौक का किया दौरा

> बाढ़ के नुकसान का जायजा लिया

जम्मू, 1 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को अन्य स्थानों पर हुए नुकसान का हवाई सर्वेक्षण करने से पहले बाढ़ के प्रभाव का आकलन करने के लिए जम्मू शहर में तवी पुल और बिक्रम चौक का दौरा किया।

तवी पुल और बिक्रम चौक पर बाढ़ के प्रभाव का आकलन करने के दौरान अमित शाह के साथ जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, विपक्ष के नेता सुनील शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। हाल ही में आई बाढ़ के दौरान तवी पुल को भारी नुकसान पहुंचा। गृह मंत्री शाह ने संबंधित अधिकारियों से बातचीत की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बिक्रम चौक और अन्य आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति के प्रभाव का भी आकलन किया। अमित शाह रविवार शाम जम्मू पहुंचे, जहां उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और सीएम उमर अब्दुल्ला ने जम्मू हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन डेका, बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी, एनएचएआई, आईएमडी और कई अन्य सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी भी रविवार को जम्मू पहुंचे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड में हाल की बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीमें गठित करने की घोषणा की है। गृह मंत्री शाह पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बाड़ और सीमा चौकियों को हुए नुकसान की भी समीक्षा करेंगे।

बिहार एसआईआर पर भ्रम भरोसे का मुद्दा राजनीतिक दल खुद को सक्रिय करें

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भारत के चुनाव आयोग के इस कथन पर संज्ञान लिया कि बिहार ड्राफ्ट रोल में मतदाता पंजीकरण के लिए दावे और आपत्तियों पर 1 सितंबर की समय सीमा के बाद भी विचार किया जाएगा। कोर्ट ने आयोग के कथन पर संज्ञान लेते हुए 1 सितंबर की समय सीमा बढ़ाने का कोई आदेश पारित नहीं किया।

> सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

कोर्ट ने बिहार विधिक सेवा प्राधिकरण को सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को निर्देश जारी करने का आदेश दिया कि वे मतदाताओं या राजनीतिक दलों को दावे, आपत्तियां, सुधार ऑनलाइन जमा करने में सहायता के लिए अर्ध-विधिक स्वयंसेवकों की नियुक्ति करें या उन्हें अधिसूचित करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसके बाद प्रत्येक स्वयंसेवक को जिला एवं सत्र न्यायाधीश (डीएसएलए के अध्यक्ष) को एक गोपनीय रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। स्वयंसेवकों से प्राप्त जानकारी राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों के स्तर पर एकत्र की जा सकती है।

1 सितंबर के बाद भी दायर किए जा सकते हैं सुधार : इससे पहले निर्वाचन आयोग ने सुप्रचीम कोर्ट को बताया कि बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत तैयार मतदाता सूची के मसौदे में दावे, आपत्तियां और सुधार 1 सितंबर के बाद भी दायर किए जा सकते हैं, लेकिन मतदाता सूची के अंतिम रूप देने के बाद ही इन पर विचार किया जाएगा। जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग (ईसी) के इस कथन पर गौर किया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि तक दावे और आपत्तियां दायर की जा सकती हैं।

अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों को तैनात करे : शीर्ष अदालत ने बिहार एसआईआर को लेकर फैले भ्रम को काफी हद तक विश्वास का मामला बताते हुए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह 1 अगस्त को प्रकाशित मसौदा सूची पर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने में व्यक्तिगत मतदाताओं और राजनीतिक दलों की सहायता के लिए अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों को तैनात करे। कोर्ट ने राजनीतिक दलों से भी खुद को 'सक्रिय' करने को कहा। निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा, समय सीमा में किसी भी तरह का विस्तार पूरी प्रक्रिया और अंतिम मतदाता सूची को अंतिम रूप देने में बाधा उत्पन्न करेगा।

यूपी के संभल मस्जिद विवाद में यथास्थिति

सुप्रीम कोर्ट ने दो हफ्ते के लिए बढ़ाई समयसीमा

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के संभल मस्जिद विवाद में यथास्थिति बनाए रखने के अपने आदेश को दो हफ्ते के लिए बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक राधे की पीठ ने कहा कि इस मामले में जामी मस्जिद संभल की प्रबंधन समिति की ओर से दो अपीलें दायर की गई थीं, जिनका प्रतिनिधित्व इसके सचिव (पहली याचिका) और उपाध्यक्ष (दूसरी याचिका) कर रहे थे। इसके बाद शीर्ष अदालत ने अपनी रजिस्ट्री को मामले की जांच करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। मुकदमे में हिंदू पक्षकारों की ओर से पेश हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने यथास्थिति बढ़ाने का विरोध किया। हालांकि, मस्जिद प्रबंधन का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक अवधि बढ़ाने की मांग की।

सुप्रीम कोर्ट कैसा पहुंचा मामला : शीर्ष अदालत इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश के खिलाफ मस्जिद समिति की ओर से दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने शाही जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर विवाद में संभल की एक अदालत की ओर से दिए गए सर्वेक्षण के खिलाफ मस्जिद समिति की याचिका को खारिज कर दिया था और सर्वेक्षण के लिए सिविल अदालत के निर्देश को बरकरार रखा था। हाईकोर्ट ने कहा था कि कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करने का आदेश और मुकदमा विचारणीय है। मस्जिद समिति ने पिछले साल 19 नवंबर को सिविल जज की ओर से मुगलकालीन मस्जिद के सर्वेक्षण का निर्देश देने वाले आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था, जो उसी दिन हुआ था।

रेड अलर्ट के बीच आसमान से बरसी आफत

भूस्खलन से चार लोगों की मौत, 11 जिलों में स्कूल बंद

शिमला, 1 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में रेड अलर्ट के बीच जोरदार बारिश ने तबाही मचाई है। जगह-जगह भूस्खलन से व्यापक नुकसान हुआ है। शिमला की जुन्गा तहसील में पटवार सर्कल डबलू के उप मोहाल जोत में एक घर भूस्खलन की चपेट में आ गया। हादसे में पिता और पुत्री की मौत हो गई है।

मृतक की पहचान वीरेंद्र कुमार (35), पुत्र जय सिंह निवासी पटवार सर्कल डबलू के उप मोहाल जोत के रूप में हुई है। हादसे में उसकी 10 वर्षीय बेटी की भी मौत हो गई है। इसके साथ ही मवेशियों की भी मौत हो गई। घटना में मृतक की पत्नी बाल-बाल बच गई, क्योंकि वह उस समय घर के बाहर थीं।

जुब्बल-कोटखाई में दो लोगों की मौत

उधर, कोटखाई में भारी बारिश की वजह से सुबह खनेटी के चोल गांव में एक मकान भूस्खलन के कारण ढह गया। भूस्खलन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग महिला कलावती पत्नी बालम सिंह की मलबे में दबने से मौत हो गई। वहीं जुब्बल के भौली गांव में आशा देवी पत्नी स्वर्गीय अमर सिंह का मकान भूस्खलन से ढह गया। मलबे में दबने से एक बच्ची कनिष्का की मौत हो गई। प्रभावित परिवार को 30 हजार की फौरी राहत प्रदान की गई है। तहसीलदार जुब्बल और हलका पटवारी मौके पर मौजूद हैं, प्रभावित परिवार को निकटवर्ती सामुदायिक केंद्र में स्थानांतरित किया गया है।

शिमला में जगह-जगह भूस्खलन, पेड़ गिरे

शिमला में खलीनी-झंझीड़ी सड़क टूट गई है। सड़क का काफी हिस्सा बह गया है। रामनगर में भूस्खलन से खलीनी-टुटीकंडी बाईपास बाधित हो गया। शिव शक्ति बिहार मजीठा हाउस में सड़क ढहने से नीचे मौजूद मकान को खतरा हो गया है। कृष्णानगर वार्ड के लालपानी क्षेत्र में बाईपास पुल के पास सड़क पर पेड़ गिर गया। मैहली-शोघी सड़क पर पासपोर्ट कार्यालय क्षेत्र गीता निवास रूप कॉलोनी के नीचे भूस्खलन हुआ है। समरहिल, लोअर विकासनगर में भी भूस्खलन हुआ है। मज्याठ-नालागढ़ सड़क पर भी मलबा गिरा है। वहीं गाद आने से शहर की जल स्रोतों से पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। सुबह चौधरी निवास लोअर पंथाघाटी के पास भूस्खलन हुआ, जिसमें दो कारें दब गईं। भूस्खलन से एक बड़ा पेड़ अस्थिर हो गया है और किसी भी समय इमारत पर गिरने का खतरा है। छोटा शिमला-संजौली मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास भूस्खलन हुआ है। चमियाणा अस्पताल जाने वाली सड़क पर भी भूस्खलन हुआ है। पगोग सड़क पर भारी बारिश से पेड़ गिर गया। इससे यातायात बाधित हो गया। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य में 7 सितंबर तक बारिश का दौर जारी रहेगा। आज ऊना, बिलासपुर, कांगड़ा, शिमला, सोलन व सिरमौर जिले के लिए रेड अलर्ट है। जबकि हमीरपुर, चंबा, कुल्लू, मंडी, किन्नौर व लाहौल-स्पीति के लिए ऑरेंज अलर्ट है। 2 सितंबर के लिए कांगड़ा, मंडी व सिरमौर में रेड अलर्ट, जबकि बाकि जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। खराब मौसम को देखते हुए शिमला, सोलन, सिरमौर, बिलासपुर, कुल्लू, चंबा, कांगड़ा, मंडी, ऊना और हमीरपुर, लाहौल-स्पीति में प्रशासन ने शैक्षणिक संस्थान बंद रखने के आदेश जारी कर दिए हैं।

793 सड़कें और 2,174 बिजली ट्रांसफार्मर बंद

राज्य में भूस्खलन, बाढ़ से सोमवार सुबह 10:00 बजे तक तीन नेशनल हाईवे सहित 793 सड़कें बंद रहीं। इसके अतिरिक्त 2,174 बिजली ट्रांसफार्मर व 365 जल आपूर्ति योजनाएं भी ठप हैं। भरमौर-पठानकोट हाईवे भरमौर से जांघी तक बंद है। चंबा जिले में 253 सड़कें, 269 ट्रांसफार्मर, 76 पेयजल योजनाए प्रभावित हैं। सड़कें बंद होने से लोग पैदल आवाजाही करने को मजबूर हैं। मंडी जिले में 265 व सिरमौर में 136 सड़कें बंद हैं।

मानसून में अब तक 320 लोगों की मौत

प्रदेश में जारी बारिश के बीच मानसून सीजन के दौरान अभी तक कुल 3,05,684.33 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। प्रदेश में इस मानसून सीजन में 20 जून से 31 अगस्त तक 320 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। 379 लोग घायल हुए हैं। 40 लोग अभी लापता हैं। इस दौरान 154 लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई है। बादल फटने, भूस्खलन, बाढ़ से अब तक 4,569 कच्चे-पक्के घरों, दुकानों को क्षति हुई है। 3,710 गोशालाएं भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। 1,885 पालतु पशुओं की मौत हुई है। ऊना जिले के ग्राम पंचायत परोइयां कलां में सोमवार को बारिश ने कहर बरपाया है।

सीबीआई से जुड़े 7,072 भ्रष्टाचार के केस अदालतों में पेंडिंग

> इनमें से 2,660 मामले 10 साल और 379 मामले 20 साल से ज्यादा पुराने

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की नई एनुअल रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि सीबीआई की जांच से जुड़े 7,072 भ्रष्टाचार के मामले देशभर की विभिन्न अदालतों में पेंडिंग हैं। चिंता का विषय यह है कि कुल पेंडिंग मामलों में से 2,660 मामले 10 साल से ज्यादा पुराने हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से 379 मामले 20 साल से भी अधिक समय से अटके हुए हैं, जबकि 2,281 मामले 10 से 20 साल के बीच से पेंडिंग हैं। 31 दिसंबर 2024 तक 1,506 मामले 3 साल से कम समय से, 791 मामले 3 से 5 साल के बीच और 2,115 मामले 5 से 10 साल के बीच लंबित थे। सीबीआई और आरोपियों की 13,100 अपीलें तथा संशोधन याचिकाएं हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। इनमें 606 अपीलें 20 साल से ज्यादा समय से और 1,227 अपीलें 15 से 20 वर्ष के बीच से पेंडिंग हैं।

2024 में दोषसिद्धि 69%, 2023 के मुकाबले 2% कम

2024 में कुल 644 मामलों का निपटारा हुआ। इनमें 392 मामलों में दोषसिद्धि, 154 में दोषमुक्ति, 21 में आरोपी बरी हुए और 77 मामलों का दूसरें कारणों से निपटारा किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में दोषसिद्धि दर 69.14% रही, जबकि 2023 में यह 71.47% थी।

'मुझे मारकर नशाखोरी रोक सकते हैं तो मेरी हत्या करवा दीजिए'

> सीएम मोहन यादव से बोले जीतू पटवारी

भोपाल, 1 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के वाहन पर रविवार को प्रदर्शनकारियों ने हमला किया। इसके बाद उन्होंने कहा कि राज्य में बढ़ती नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज उठाने की वजह से उन पर हमला किया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव पर निशाना साधते हुए जीतू पटवारी ने कहा, "अगर आप मुझे मारकर नशाखोरी रोक सकते हैं, तो मेरी हत्या करवा दीजिए।

लेकिन ये नशाखोरी रोक दीजिए।" प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, "जब मैं ये सवाल पूछता हूं, तो मोहन यादव को अच्छा नहीं लगता। जब मैंने कहा कि मोहन भैया, हमें ये नशाखोरी रोकनी है, आप हमारे मुख्यमंत्री हैं, वो मेरी आलोचना करते हैं, मुझे गालियां देते हैं और मुझे डराने की कोशिश करते हैं। क्या मुझे डरना चाहिए? आज तो हद हो गई जब एक बीजेपी मंडल अध्यक्ष ने मेरी गाड़ी पर पत्थर फेंका। उसने मुझे लाठियों से रोकने की कोशिश की। मोहन भैया, ये मध्य प्रदेश की तस्वीर नहीं है। अगर आप मुझे मारकर नशाखोरी रोक सकते हैं, तो मेरी हत्या करवा दीजिए। लेकिन ये नशाखोरी रोक दीजिए।"

कांग्रेस नेता ने मीडिया के सामने नाटक किया- बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि यह घटना धाकड़ समुदाय के सदस्यों की तरफ से आयोजित किए गए प्रदर्शन के दौरान हुई। वह पटवारी की अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल से नाराज थे। बीजेपी प्रवक्ता आशीष अग्रवाल ने बताया कि रतलाम में धाकड़ समुदाय के लोगों ने पटवारी की अभद्र भाषा के खिलाफ काले झंडे लहराकर विरोध प्रदर्शन किया। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि पटवारी ने शुरुआत में गाड़ी से उतरकर माफी मांगी, लेकिन बाद में मीडिया के सामने नाटक किया। अग्रवाल ने दावा किया, "जीतू पटवारी, बीजेपी शासन में आपको कोई खतरा नहीं है।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता के लिए असली खतरा 'उनकी अपनी पार्टी के भीतर छिपे सांपों से है।

प्रदर्शनकारियों ने दिखाए काले झंडे

प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस नेता के काफिले को काले झंडे दिखाए और उनकी गाड़ी पर पथराव किया। हालांकि, पटवारी बाल-बाल बच गए, लेकिन उनकी कार का पिछला शीशा इस हमले में टूट गया। धाकड़ समुदाय का गुस्सा पटवारी के हालिया विवादास्पद बयानों से उपजा है। उन्होंने गुस्सा शांत करने की कोशिश की और कुछ प्रदर्शनकारियों से बात करने की कोशिश की।

डिजिटल जनगणना की तैयारी

गृह मंत्रालय ने 14,619 करोड़ रुपये का मांगा बजट

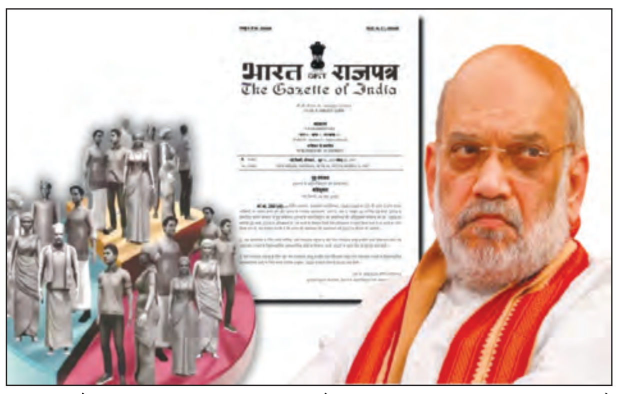

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में जनगणना दो चरणों में होगी। अब रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने जनगणना के लिए 14,618.95 करोड़ रुपये का बजट मांगा है। जातीय गिनती और जनगणना पहली बार डिजिटल तरीके से होगी।

आरजीआई केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आता है। बजट मांगने की जानकारी इंडियन एक्सप्रेस को मिली है। इस महीने की शुरुआत में आरजीआई ने ईएफसी की मंजूरी के लिए एक नोट जारी किया था। ईएफसी वित्त मंत्रालय के अधीन आता है। ईएफसी से मंजूरी मिलने के बाद गृह मंत्रालय केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए एक प्रस्ताव पेश करेगा। यह बजट दोनों चरणों की जनगणना के लिए मांगा गया है। पहले फेज में तो घरों की लिस्ट बनाना और घरों की जनगणना व उसके बाद दूसरा फेज जनसंख्या की गणना करना शामिल है।

डिजिटल तरीके से होगी जनगणना

जनगणना पहली बार डिजिटल तरीके से होगी। मोबाइल एप्लीकेश के जरिये आंकड़े इकट्ठा किए जाएंगे। सूत्रों ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि जनता को खुद की गणना करने का ऑप्शन भी दिया जाएगा और जातिगत आंकड़े भी इलेक्ट्रॉनिक तरीके से इकट्ठा किए जाएंगे। 30 अप्रैल को सीसीपीए ने जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने का फैसला लिया था। बताया जा रहा है कि आरजीआई इस पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग, वेबसाइट और सीएमएमएस भी विकसित करने पर काम रहे हैं।

कितने पर्यवेक्षक तैनात किए जाएंगे जनगणना के लिए 35 लाख से ज्यादा पर्यवेक्षक और गणनाकार तैनात किए जाएंगे। यह 2011 की जनगणना में तैनात किए गए कर्मचारियों की संख्या से 30 फीसदी ज्यादा हैं। केंद्र सरकार ने 16 जून को 2027 की जनगणना के लिए एक अधिसूचना जारी की थी। ऐसा पहली बार हुआ है, जब जनगणना कराने में छह साल की देरी हुई है।

साल 2021 में नहीं हो सकी जनगणना

दिसंबर 2019 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021 में 8,754.23 करोड़ रुपये की लागत से जनगणना कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। 2021 की जनगणना भी दो फेज में ही कराने की प्लानिंग थी। लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे नहीं कराया जा सका। साल 1872 से जनगणना लगातार होती रही है। 2027 की जनगणना कुल मिलाकर 16वीं जनगणना होगी और आजादी के बाद आठवीं जनगणना होगी। जनगणना की प्रक्रिया के दौरान गांव, कस्बों और वॉर्ड लेवल पर जनसंख्या आंकड़े इकट्ठा किए जाते हैं।

शिमला की लॉ यूनिवर्सिटी में जूनियर की पिटाई

> चट्टानों से फेंकने का किया प्रयास, झूठे केस में फंसाने की धमकी; 7 स्टूडेंट पर एफआईआर

शिमला, 1 सितंबर (एजेंसियां)। शिमला की लॉ यूनिवर्सिटी धामी में एक छात्र की पिटाई का मामला सामने आया है। यूपी के अविरल पांडे ने सीनियर स्टूडेंट पर मारपीट और हरासमेंट के आरोप लगाए। पीड़ित छात्र की शिकायत पर पुलिस ने शिमला के बालूगंज थाना में 7 से ज्यादा सीनियर छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में अविरल पांडे ने आरोप लगाया कि 29 अगस्त की रात करीब 1 बजे लॉ यूनिवर्सिटी के चौथे और पांचवें वर्ष के छात्र उसे पीटने के लिए इकट्ठा हुए, लेकिन वे उसे नहीं ढूंढ पाए। इसलिए उन्होंने अगले दिन पीटने का समय दिया। 30 अगस्त को दोपहर लगभग 1 बजे मारौग हॉस्टल के सामने दोबारा से चौथे और पांचवें वर्ष के लगभग 25 वरिष्ठ छात्रों का एक समूह उसके चारों ओर इकट्ठा हो गया। शिकायत में बताया कि उन्होंने अविरल पर आरोप लगाया कि उसने हीरल शर्मा नाम की एक लड़की से कुछ अनुचित कहा था, जो पूरी तरह से गलत है।

> चट्टानों से नीचे फेंकने का किया प्रयास

अविरल के मुताबिक तब सीनियर स्टूडेंट ने उस पर हमला कर दिया और उसे एक चट्टान से नीचे फेंकने का भी प्रयास किया। अपनी जान को खतरे में देखकर अविरल ने आत्मरक्षा के लिए एक चाकू निकाला, जो कि सीनियर छात्र रोहित चौहान से छीना था। इसके बावजूद उन्होंने उसे धमकाना जारी रखा। पीड़ित अविरल के मुताबिक, आरोपियों ने उसे चेतावनी दी कि यदि अपनी आवाज उठाई या इस घटना की रिपोर्ट की, तो वे उसे एससी-एसटी एक्ट के तहत झूठा फंसाकर करियर और जिंदगी बर्बाद कर देंगे।

फाइनेंसर को हनीट्रैप में फंसाया

गुरुग्राम, 1 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में 2 महिलाओं ने फाइनेंसर को हनीट्रैप में फंसा लिया। उन्होंने पहले मिस कॉल करके उससे दोस्ती की। फिर बातचीत करने लगे। इसके बाद घर जाकर एक महिला ने शारीरिक संबंध बना लिए। इसके बाद बुजुर्ग को रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपए की मांग की। हालांकि, बुजुर्ग ने समय रहते अपनी बेटी को सारी बात बताई और पालम विहार थाने में शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद हरियाणा महिला आयोग और एकम न्याय फाउंडेशन के सहयोग से पुलिस ने दोनों आरोपी महिलाओं और उनके सहयोगी वकील को गिरफ्तार कर लिया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने ट्रंप के 'डेड इकोनॉमी' वाले बयान पर किया पलटवार

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत विरोधी बयान 'डेड इकोनॉमी' का खंडन करते हुए देश के आर्थिक विकास पर प्रकाश डाला है, जिसे दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज माना गया है।

आर्टिकल में लिखा गया है, किसी भी महान सभ्यता की परीक्षा उसके कठिन क्षणों में होती है। अतीत में जब भी संदेह हुआ, भारत ने हरित क्रांति, आईटी क्रांति और शिक्षा एवं उद्यम के माध्यम से लाखों लोगों के आत्मसम्मान को ऊपर उठाने के साथ जवाब दिया।

1991 के संकट से उदारीकरण आया और कोविड-19 महामारी से डिजिटल उछाल आया। आर्टिकल में कहा गया है, आज का क्षण भी कुछ अलग नहीं है। भारत को 'डेड इकोनॉमी' कहने वाले संदेहियों के शोरगुल के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में तेज विकास, मजबूत बफर और व्यापक अवसर के साथ मजबूती की तथ्य-समृद्ध कहानी उभर रही है। यह विकसित भारत का क्षण है, ऊर्जा सुरक्षा और हरित ऊर्जा परिवर्तन प्राप्त करने की दिशा में भारत की अथक यात्रा का। केंद्रीय मंत्री पुरी ने लिखा कि यह एक ऐसी यात्रा है, जिसने भारत को नागरिकों की ईंधन आवश्यकताओं को पूरा करते हुए देखा है; दुनिया के कई हिस्सों में कठिन भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद ऊर्जा की उपलब्धता, अफोर्डिबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी की तीन चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए देखा है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है, जो तेजी से बढ़ने को लेकर पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन से भी आगे निकल गई है। वर्तमान गतिरोध के अनुसार, भारत इस दशक के अंत से पहले जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, भारत की गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है। अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक आर्थिक विकास में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट महत्वाकांक्षा रखी है कि जैसे-जैसे सुधार गहराते जाएंगे और नई क्षमताएं सामने आएंगी, भारत की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत तक बढ़ेगी।

खबरे जरा हटके

खेतों में छुपा होता है जो जीव, उसी के छोड़े तरल पदार्थ से साबुन बनाता है शख्स, नाम सुन होगी हैरानी!

खूबसूरती को लेकर लोगों की दीवानगी हमेशा से ही रही है. लोग अपनी त्वचा को जवां और खूबसूरत बनाने के लिए महंगे-से-महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं. कई बार तो सुंदर दिखने की चाह में वो ऐसी चीजों का भी उपयोग करते हैं, जिसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है. आज हम आपको एक ऐसे ही साबुन के बारे में बताने जा रहे हैं, जो घोंघे से बनता है. वो घोंघा जो हमारे यहां खेतों में और पानी में मिल जाता है. सुनने में थोड़ा अजीब लगता है, लेकिन यह बिल्कुल सच है. यह अजीबोगरीब साबुन धीरे-धीरे लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है. इस साबुन को बनाने वाले 28 वर्षीय शख्स का नाम डेमियन डेसरोचर है, जो फ्रांस के रहने वाले हैं. सोशल मीडिया पर इस विचित्र साबुन को बनाने वाले शख्स की कहानी वायरल हो रही है. आखिर कैसे बनता है ये साबुन? आइए जानते हैं. रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, डेमियन डेसरोचर ने अपने घर के पीछे एक बड़े बाड़े में हजारों घोंघे पाल रखा है और उनके चिपचिपे तरल पदार्थ से साबुन बनाते हैं. दिसम्बर 2020 में डेमियन ने इस अजीब साबुन को बनाना शुरू किया और फ्रांस के लोकल मार्केट में बेचने लगे. हैरानी की बात यह है कि लोग इस साबुन को खरीद भी रहे हैं. एक फोटोग्राफर ने जब डेमियन को घोंघे के चिपचिपे पदार्थ को निकालते हुए देखा तो वह हैरान रह गया. घोंघे के चिपचिपे पदार्थ को निकालने के तरीके के बारे में बताते हुए डेमियन कहते हैं, "यह सब अंगुलियों की कारीगरी पर निर्भर करता है. मैं सिर्फ अपनी अंगुली से घोंघे को छूता हूं, आप देख सकते हैं कि यह कोई हिंसक तरीका नहीं है, यह बहुत ही आसान है." डेमियन कहते हैं कि इस प्रक्रिया से घोंघे मरते नहीं हैं.

सफर पर गया किसान अचानक हो गया गायब, 30 साल बाद उन्हीं कपड़ों में लौटा तो मच गई खलबली!

रहस्यमयी वापसी

दुनिया भर में हजारों लोग हर साल गायब होते रहते हैं. दुनिया के कई देशों में तो गुमशुदा लोगों की संख्या तो लाखों में हैं जिनका कुछ अता पता नहीं है और यह भी अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे जिंदा भी हैं या नहीं. वहीं बहुत कम मामले ऐसे होते हैं कि कोई शख्स कई सालों तक गायब रहे और फिर अचानक जिंदा लौट आए. ऐसे ही एक मामले ने तब हलचल मचा दी जब रोमानिया का एक शख्स बिजनेस के काम से बाहर गया और लौटा भी तो एक दो नहीं 30 साल बाद. हैरानी की बात ये थी कि वह उन्हीं कपड़ों में लौटा था जो पहन कर वह 30 साल पहले घर से निकला था. वेज़िले गौरगो नाम का मवेशी पालने वाला किसान 1991 में घर से एक अपने व्यवसाय संबंधी सफर पर निकला था. उस समय उसकी उम्र 66 साल की थी. यह कोई बहुत खास या अनोखी यात्रा नहीं थी बल्कि वह तो रूटीन ट्रिप की ही तरह थी. यहां तक कि उसने तो रिटर्न टिकट भी पहले ही खरीद ली थी जो वह अपने साथ ले जा रहा था.

अजीब बात ये हुई कि गोरगो नहीं लौटा. परिवार वालों ने पुलिसमें शिकायत दर्ज कराई. उसके लिए तलाशी अभियान तक चलाया गया, लेकिन कुछ सालों में घरवालों तक ने यह मान लिया कि वेज़िले की मौत हो गई होगी. हर साल उसे याद किया जाता रहा. लेकिन 30 साल बाद अचानक वह सामने आ गया. उसका आना कई रहस्यमयी सवालों को पैदा कर गया. जिस कार से वह आया था या उसे छोड़ा गया था. वह बहुत ही तेजी से निकल गई और किसी को उसका रजिस्ट्रेशन नबंर तक समझने का मौका नहीं मिला. पर जिस हाल में वेज़िले लौटा था वह और भी ज्यादा चौंकाने वाला था. उसके पास उसका वही आईडी था जो 30 साल पहले लेकर वह घर से निकला था. यहां तक कि उसके पास वह ट्रेन टिकट भी थी जिस पर वह उसी दिन सफर करने वाला था.

वैज्ञानिकों को मिली सींग वाले पुरातन इंसान की खोपड़ी

सदियों से इंसान और उनके पूर्वजों की जानकारी जमा करते करते वैज्ञानिकों ने मानवों का इतिहास तैयार किया है. यह पूरा का पूरा तो सटीक और सब कुछ बताने वाला नहीं है, लेकिन जैसे जैसे पुराने जमाने के मानव कंकाल मिलते हैं. वैज्ञानिक अपनी जानकारी को और बेहतर करते जाते हैं. पर कई बार वाकई उन्हें कुछ ज्यादा ही चौंकाने वाला कुछ मिल जाता है. हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोपड़ी की खोज की है, जो न तो इंसान की लगती है और न ही निएंडरथल की, बल्कि इस एक सींग वाली खोपड़ी ने तो वैज्ञानिकों को सकते में डाल दिया है क्योंकि अब तक के शोधों के नतीजे इसे खारिज करने नहीं दे रहे हैं.

यूरोप के इतिहास में बड़ी खोज

यह खोज जर्नल ऑफ ह्यूमन इवोल्यूशन में प्रकाशित हुई है. इसमें शोधकर्ताओं ने लिखा है कि "इस जीवाश्म का यूरोपीय मानव विकास में एक महत्वपूर्ण स्थान है." विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोपड़ी 300,000 साल पहले यूरोप में निएंडरथल के साथ रहने वाले होमो हाइडलबर्गेंसिस समूह का हिस्सा हो सकती है. यह अजीबोगरीब, "एक सींग वाली" खोपड़ी पहले 1960 के दशक में ग्रीस के उत्तरी क्षेत्र में पेट्रालोना गुफा की दीवार से जुड़ी हुई मिली थी. तकनीकी प्रगति और कैल्साइट की मदद से शोधकर्ताओं ने इसकी मौजूदगी के दौर 170,000 से 700,000 साल के बीच से सिकोड़कर 600,000 से 300,000 साल की बीच का तय किया है. वैज्ञानिकों के मुताबिक होमो हाइडलबर्गेंसिस नाम का यह समूह अफ्रीका में विकसित हुआ और लगभग 500,000 साल पहले कुछ सदस्य यूरोप में चले गए थे. अध्ययन के लेखक क्रिस स्ट्रिंगर लंदन के नेचुरल हिस्ट्री म्यूजियम में पैलियोएन्थ्रोपोलॉजिस्ट हैं. उन्होंने अनुमान लगाया कि यह व्यक्ति पुरुष था. दांतों की टूट-फूट के आधार पर इसे एक युवा वयस्क माना गया. टीम ने एक नई विधि, यूरेनियम सीरीज डेटिंग, का उपयोग करके इसकी आयु को सटीकता से तय किया.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मंगलवार, 2 सितंबर, 2025

सुविचार
अपनी अमीरी के चर्चे कभी किसी से ना करे क्योंकि आपके सुख से सूखी होने वाले इस दुनिया में आपके माता-पिता के अतरिक्त कोई तीसरा नहीं होगा

सुदर्शन रेड्डी ने कहा चुनावी प्रक्रिया खतरे में

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इंडिया गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी ने भारत की चुनावी प्रक्रिया के सामने मौजूद खतरों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने सोमवार को एक होटल में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सांसदों से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान, न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि वह संविधान की रक्षा के लिए उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, कई लोगों ने राजनीति की चुनौतीपूर्ण दुनिया में शामिल होने के मेरे फैसले पर सवाल उठाए हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं किसी भी राजनीतिक दल से संबद्ध नहीं हूं और न ही ऐसा करने की योजना बना रहा हूं।

मेरा ध्यान नागरिक अधिकारों और सामाजिक न्याय पर रहेगा। मैंने 53 साल भारतीय संविधान को समर्पित किए हैं, जो अब खतरे में है। मेरा लक्ष्य इसकी रक्षा करना है। मैं संविधान के प्रति समर्पित हूं - न केवल सिद्धांत रूप में, बल्कि कर्म से भी।

आशा कार्यकर्ताओं ने निश्चित वेतन और लाभ की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर से हजारों मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कोटि स्थित स्वास्थ्य आयुक्त कार्यालय के सामने विशाल धरना दिया। अपनी लंबित मांगों को पूरा करने की मांग करते हुए प्रदर्शनकारियों ने तेलंगाना में राज्य और केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित स्वास्थ्य सेवा पहल को पटरी से उतारने की धमकी दी। पिछले एक साल से, तेलंगाना में आशा कार्यकर्ता 18,000 रुपये मासिक वेतन की मांग को लेकर कई बार विरोध प्रदर्शन कर रही हैं।

बच्चों का अपहरण करने वाले गिरोह का खुलासा, 6 बच्चें बरामद

चंदानगर पुलिस ने पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चंदानगर थाने की पुलिस ने एक बच्चों का अपहरण गिरोह को पकड़ा है। यह गिरोह हैदराबाद, साइबराबाद और संगारेड्डी जिलों में पिछले पांच वर्षों से बाल अपहरण की वारदातों को अंजाम दे रहा था। एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसका चार वर्षीय बेटा अखिल 26 अगस्त, 2025 को लिंगमपल्ली स्थित पोचम्मा मंदिर के पास स्थित अपनी झोपड़ी से लापता हो गया था, जब वह अस्पताल गई थी। स्थानीय स्तर पर खोजबीन के बावजूद, बच्चे का पता नहीं चल सका।

शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया और जांच के लिए विशेष दल गठित किए गए। जांच के दौरान, मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, जो तीन अन्य लोगों के साथ अपहरण में शामिल पाया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी रेलवे स्टेशनों और उसके आसपास तथा सुनसान जगहों पर पांच साल तक की उम्र के बच्चों की पहचान करता है। कुछ दिनों तक निगरानी रखने के बाद, वह लड़कों का अपहरण कर लेता है और उन्हें अपने साथियों मो. आसिफ और रिजवाना के माध्यम से उन माता-पिता को बेच देता है जिन्हें बच्चों की जरूरत होती है। गिरफ्तार आरोपियों में चिलुकुरी राजू (पठानचेरुवु, संगारेड्डी), मोहम्मद आसिफ (पठानचेरुवु, संगारेड्डी), रिजवाना (बीएएमएस), (सिद्दीपेट, मेदक) नरसिम्हा रेड्डी, (मूसापेट), बालाराजू (पठानचेरुवु, संगारेड्डी) शामिल है। चंदानगर पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी चिलुकुरी राजू, जेपी कॉलोनी, पठानचेरुवु का निवासी है और एक आयुर्वेदिक स्टोर चलाता है। चार साल पहले, उसने काचीगुडा रेलवे स्टेशन से एक बच्ची का अपहरण किया और उसे 42 हजार में बेच दिया। तब से,

वह अपने साथियों के साथ इसी तरह के अपराध करता रहा। मोहम्मद आसिफ, पठानचेरुवु निवासी, सब्ज़ी विक्रेता। है राजू के साथ मिलकर शिशुओं को रिज़वाना के माध्यम से निःसंतान माता-पिता तक पहुंचाता था। रिजवाना सिद्दीपेट निवासी है और एक नर्सिंग क्लिनिक चलाती हैं। आसिफ से शिशुओं की व्यवस्था करने का अनुरोध किया था। चौथा आरोपी नरसिम्हा रेड्डी राजू का मित्र, जिसने 26 अगस्त को लिंगमपल्ली से अखिल का अपहरण करने में सहायता की। पुलिस उपायुक्त, माधापुर जोन, साइबराबाद ने बताया कि शिशुओं की पहचान और सुरक्षा की प्रक्रिया में, आरोपी राजू काचीगुडा, लिंगमपल्ली के इलाकों में घूमा और मोहम्मद आसिफ और श्रीमती रिजवाना के साथ मिलकर बच्चों का अपहरण किया और उन्हें जरूरतमंद माता-पिता को पैसे लेकर बेच दिया। इस प्रक्रिया में यह भी पता चला कि पठानचेरुवु के एक अभिभावक ने मोहम्मद आसिफ के माध्यम से भुगतान लेकर अपने तीन दिन और एक दिन के दो शिशुओं को जरूरतमंद माता-पिता को बेच दिया था। बचाए गए छह बच्चों को सुरक्षित अभिरक्षा और आगे की प्रक्रिया के लिए जिला बाल संरक्षण अधिकारी को सौंप दिया जा रहा है।

बरामद अपहृत बच्चों में अखिल (5 वर्ष), अरुण (2 वर्ष), अम्मुलु (8 महीने) और लास्या 5 वर्ष (दोमों के माता-पिता की पहचान अभी नहीं हुई है), आदिविक (2 वर्ष), प्रिया (1 वर्ष) दोनों के माता-पिता की पहचान हो गई है। आरोपियों की निशानदेही पर 5 लाख रुपये नकद बरामद हुआ है।

रेवंत ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में एकजुटता का आह्वान किया

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा कि सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को अपने मतभेद भुलाकर इंडिया अलायंस के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करना चाहिए। इंडिया अलायंस के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी का परिचयात्मक कार्यक्रम सोमवार को हैदराबाद के एक होटल में हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, वरिष्ठ भाकपा नेता नारायण, माकपा के राज्य सचिव जॉन वेस्ली, तेलंगाना जन समिति के अध्यक्ष कोदंडाराम, कर्नाटक के राज्यसभा सदस्य नासिर हुसैन, सहित विभिन्न राज्य मंत्री, कांग्रेस सांसद और विधान पार्षद शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलुगु समुदाय के पास अब एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, पूर्व मुख्यमंत्रियों के चंद्रशेखर राव और जगन मोहन रेड्डी, साथ ही एआईएमआईएम अध्यक्ष अकबरुद्दीन ओवैसी सहित तेलुगु राज्यों के नेताओं से अपने राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर आगामी चुनाव में सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में एकजुट होने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि उपराष्ट्रपति का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एनडीए ने संविधान में बदलाव और आरक्षण को खत्म करने के इरादे से एक उम्मीदवार को नामित किया है, जबकि इंडिया अलायंस ने संविधान की रक्षा और लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी को नामित किया है। मुख्यमंत्री ने न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी के व्यापक पेशेवर अनुभव और विभिन्न भूमिकाओं में संविधान के सिद्धांतों को बनाए रखने के प्रति उनके समर्पण पर प्रकाश डाला। रेवंत रेड्डी ने कहा, न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी किसी भी राजनीतिक दल से संबद्ध नहीं हैं।

हरीश राव और संतोष के कारण केसीआर की छवि धूमिल हुई

अपने ही पार्टी के नेताओं और रिश्तेदारों पर कविता का आरोप

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने आज सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए इस बात पर दुख जताया कि उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को उनके करीबी लोगों के कुकृत्यों के लिए गलत तरीके से दोषी ठहराया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सिंचाई मंत्री टी. हरीश राव, पूर्व सांसद संतोष कुमार और मेघा इंजीनियरिंग कंपनी का प्रबंधन केसीआर की छवि धूमिल करने के लिए जिम्मेदार हैं। बीआरएस एमएलसी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, केसीआर ने लोगों के लिए अथक परिश्रम किया, लेकिन उनके आसपास के कुछ लोगों ने केवल अपनी निजी संपत्ति बढ़ाने के लिए काम किया। हरीश राव और संतोष कुमार ने कई बार मेरे खिलाफ साजिश रची, फिर भी मैं चुप रही। आज, केसीआर की बेटी होने के नाते, मुझे बहुत दुख हो रहा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हरीश राव और संतोष कुमार के साथ एक "निंदा करने वाला समझौता" कर लिया है, यह सुनिश्चित करके कि केसीआर पर निशाना साधते हुए उन पर कोई आलोचना न की जाए। कालेश्वरम मुद्दे पर, कविता ने सवाल उठाया कि एक छोटी सी गलती को बढ़ा-चढ़ाकर क्यों बताया जा रहा है। उन्होंने कहा, अगर कालेश्वरम परियोजना का एक छोटा सा हिस्सा भी डूब जाता है, तो वे ऐसा हंगामा खड़ा कर देते हैं मानो पूरी परियोजना ही विफल हो गई हो। यह मेरे पिता को बदनाम करने की एक जानबूझकर की गई कोशिश है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह पहली बार बोल रही हैं और उन्हें पूरी तरह पता है कि इससे आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी को नुकसान हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, भले ही इससे पार्टी को नुकसान हो, मैं सच बोलती रहूंगी। केसीआर हिमालय की तरह हैं- उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगना बहुत दुखदायी होता है। मेरे पिता को मेरी शादी के लिए भी आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा था। अगर ऐसे ईश्वर-तुल्य पिता के खिलाफ सीबीआई जांच का आदेश दिया जाए, तो क्या मुझे दुख नहीं होगा?

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-North-WAT-34-2025
दिनांक: 23.08.2025
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के रायपुर-विजयनगरम लाइन पर सहायक मण्डल अभियन्ता/रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P.WAY)/पार्वतीपुरम के अधीन लड्डा (IN) से पार्वतीपुरम (EX) स्टेशन के बीच सेक्शन में 30.09.2026 तक की अवधि के लिए P.WAY जोनल (Zonal) कार्य का निष्पादन।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 2,11,12,373.17, EMD : ₹ 2,55,600/-

(2) सूचना सं.: eT-North-WAT-35-2025
दिनांक: 23.08.2025
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के रायपुर-विजयनगरम लाइन पर सहायक मण्डल अभियन्ता/रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P.WAY)/बोब्बिली के अधीन बोब्बिली-सालुर सेक्शन के साथ पार्वतीपुरम (IN) से डोंकिनवलसा (IN) स्टेशन के बीच सेक्शन में 30.09.2026 तक की अवधि के लिए P.WAY जोनल (Zonal) कार्य का निष्पादन।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,96,79,378.57, EMD : ₹ 2,48,400/-

(3) सूचना सं.: eT-North-WAT-36-2025
दिनांक: 23.08.2025
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के कोरापुट-रायगड़ा लाइन पर सहायक मण्डल अभियन्ता/लक्ष्मीपुर के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P.WAY)/टिकिरि के अधिकार क्षेत्र में टिकिरि (IN) से सिंगापुर रोड (EX) स्टेशन के बीच सेक्शन में 30.09.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए P.WAY जोनल (Zonal) कार्य का निष्पादन।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,99,71,629.43, EMD : ₹ 2,49,900/-

(4) सूचना सं.: eT-North-WAT-37-2025
दिनांक: 23.08.2025
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के कोरापुट-रायगड़ा लाइन पर सहायक मण्डल अभियन्ता/लक्ष्मीपुर के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर (P.WAY)/लक्ष्मीपुर के अधिकार क्षेत्र में कोरापुट (EX) से टिकिरि (EX) स्टेशन के बीच सेक्शन में 30.09.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए P.WAY जोनल (Zonal) कार्य का निष्पादन।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,84,84,994.46, EMD : ₹ 2,42,400/-

(5) सूचना सं.: eT-North-WAT-38-2025
दिनांक: 23.08.2025
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के कोरापुट-रायगड़ा लाइन पर सहायक मण्डल अभियन्ता/लक्ष्मीपुर रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन यातायात अवरोध की स्थिति में KR लाइन में मौजूदा 8 संख्यक सुरंगों (टनल नं. 3, 4, 11, 14, 23, 25, 29 एवं 32) में बोल्डर गिरने और रिसाव (Seepage) को रोकने के लिए शमन उपायों (रॉक बोल्टिंग, शॉर्टक्रेटिंग एवं ग्राउटिंग) का कार्यान्वयन।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 16,28,01,212.77, EMD : ₹ 9,64,000/-

कार्य पूरा होने की अवधि : 30.09.2026 तक की अवधि के लिए (क्रम सं. 1 से 4 हेतु) एवं 18 (अठारह) महीने (क्रम सं. 5 हेतु)।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : 15.09.2025 को 1500 बजे (सभी निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-541/Q/25-26

केवल भाजपा ही पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा कर सकती है : रामचंदर राव

तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष भाजपा में शामिल

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने आज कहा कि राज्य के पिछड़े वर्ग (बीसी) और अति पिछड़े वर्ग (एमबीसी) का दृढ़ विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो उनके अधिकारों की रक्षा कर सकती है।

उन्होंने दावा किया कि युवाओं, बुद्धिजीवियों, पूर्व विधायकों और सांसदों का बढ़ता समर्थन इस विश्वास को दर्शाता है कि केवल भाजपा ही पिछड़े वर्गों के लिए न्याय सुनिश्चित कर सकती है। तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष वकुलभरणम कृष्णमोहन का भाजपा में स्वागत करते हुए, रामचंदर राव ने कहा कि भाजपा हमेशा पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के पक्ष में रही है, लेकिन मुसलमानों को धर्म के आधार पर 10 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का विरोध करेगी। सांसद आर. कृष्णैया, विधायक, विधान पार्षद और पार्टी के आधिकारिक प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी एनवी सुभाष उपस्थित थे। इस अवसर पर, भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य डॉ. के. लक्ष्मण ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए उस पर पिछड़े वर्गों को धोखा देने का आरोप लगाया।

रेलवे के महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में एक व्यापक सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें सुरक्षित रेल संचालन के प्रति दक्षिण मध्य रेलवे की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, प्रमुख विभागाध्यक्ष और सभी छह मंडलों, अर्थात् विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़, के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।

महाप्रबंधक ने संवेदनशील परिचालन क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों पर रणनीतिक ज़ोर दिया, जिनमें ट्रेन शंटिंग संचालन और पटरी से उतरने की रोकथाम के प्रोटोकॉल, पुलों और सुरंगों की संरचनात्मक अखंडता, सिग्नल दृश्यता और अलार्म सिस्टम ट्रैक ब्लैंकेटिंग और बैलस्टिंग, आपातकालीन उपकरण तैयार करना शामिल है।

जलभराव की आशंका वाले सड़क के नीचे के पुलों (आरयूबी) पर विशेष ध्यान दिया गया, साथ ही सुरक्षा अवरोधों को सुदृढ़ करने, सिग्नलिंग सिस्टम को उन्नत करने और मजबूत अलार्म तंत्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने के लिए, श्री श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण स्थानों पर चौबीसों घंटे निगरानी और लगातार निरीक्षण करने, संवेदनशील स्थलों पर मरम्मत कार्यों को तुरंत पूरा करने, सटीक और अद्यतन परिचालन रजिस्टर बनाए रखने, सभी सुरक्षा संबंधी गतिविधियों के लिए रेलवे बोर्ड के दिशानिर्देशों का कड़ाई से पालन करने, समूह बैठकों और सुरक्षा श्रेणी के कर्मियों के लिए व्यक्तिगत परामर्श सहित कर्मचारी संवेदीकरण कार्यक्रमों को लागू करने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक ने कहा कि सभी पर्यवेक्षकों को क्षेत्र स्तर की गतिविधियों की निरंतर निगरानी करनी चाहिए और किसी भी समस्या का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए और उसे जल्द से जल्द ठीक किया जाना चाहिए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, HAV RAMESH WADDAR, R/O: NAINAPUR, MADALAGERI, RON, GADAG, KARNATAKA - 582209 have changed my Daughter's name changed from ANJALI RAMESH WADDAR to ANJALI WADDAR vide Affidavit dt.11-08-2025.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

॥ जय बाबा री ॥ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ जय बाबा री ॥

श्री बाबा रामदेवजी नवयुवक मित्र मण्डल अलवाल के तत्वावधान मे

एक शाम श्री बाबा रामदेवजी के नाम
14 वाँ विशाल जागरण
: शुभस्थल : श्री बाबा रामदेवजी मन्दिर मच्छा बोलारम

: कार्यक्रम :
आज मंगलवार दि.2 सितम्बर 2025 भाद्रपद बाबा की बड़ी दशमी
सायं 6.15 बजे से महाप्रसादी ; सायं 8.15 बजे से जागरण
मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद द्वारा रक्तदान शिविर

: विशेष आगमन :

श्री सियारामजी महाराज जोधपुर

: मुख्य अतिथि : श्री एम.हनुमन्त राव, पूर्व विधायक मल्काजगिरी
: मुख्य अतिथि : श्री महेन्द्रसिंह ठाकुर, मंदिर अध्यक्ष
Youtube & Facebook LIVE
BRS Rajasthani Media
Rathod Sound, Hyd
: मंदिर पुजारी : कुलदीपजी तिवारी
: प्रमुख भजन गायक : राकेश प्रजापति, एंड पार्टी, पाली (राज.)
: भजन गायकार : रमेश प्रजापत
: भजन गायकार : विशाल श्रीमाली
श्री बाबा रामदेवजी मंदिर

: निवेदक : श्री बाबा रामदेवजी नवयुवक मित्र मण्डल अलवाल के समस्त सदस्यगण

महेन्द्रसिंह पितावत, रामदेव ज्वैलर्स वेंकटापूर	नेमीचन्द गोयल, महालक्ष्मी इलेक्ट्रोनिक्स अलवाल, ईश्वर इलेक्ट्रीकल अलवाल	पारसनाथ चौहान, श्री आईमाता प्रॉपटी डीलर तुमकुन्टा	सुनिल पंवार, अंबिका ज्वैलर्स वेंकटापुर	दिनेश मागर, बालाजी दिनेशकुमार ज्वैलर्स वेंकटापुर
लूणाराम पूरणमल कच्छावा, बालाजी सुरेशकुमार मिठाई अलवाल	किसनलाल देवासी, कृष्णा ज्वैलर्स अलवाल	रतनलाल सोलंकी, धनलक्ष्मी राखी भंडार सिकंदराबाद	प्रभुराम भाटी, बायांसा राखी भंडार सिकंदराबाद	नथमल रामसिंह भाटी, आर.एस.स्वीटस् अलवाल
सुखराम सांखला, बालाजी सुखराम किराणा अलवाल	हनुमान कपिल कच्छावा, दिल्ली मिठाई भंडार अलवाल	गणपतलाल गोयल, समाज सेवी अलवाल	मांगीलाल प्रकाश माली, बालाजी टूल्स अलवाल	गणेश जान्दू, न्यु महादेव प्रोविजन स्टोर अलवाल
शांतिलाल टॉक, बायासा राखी भंडार सिकंदराबाद	भंवरलाल प्रजापत, धनलक्ष्मी राखी अलवाल	मुनालाल कुमावत, तिरुपति प्लास्टिक सिकंदराबाद	अनिल रेडवाल, हरि ॐ साई ज्वैलर्स वेंकटापुर	सीए विकास माली, अलवाल
चेनाराम कुमावत, राधिका ट्रेडर्स बोलारम	हनुमानराम कुमावत, ए-वन बजार रिसाला बाजार	रतनलाल गाँधी, तुलसी ट्रेडर्स अलवाल	बाबुलाल नायक, अम्बिका इंटिरियर्स अलवाल	मुकेश पुनियां, लक्ष्मी डेकोर अलवाल
भुराराम टॉक, बालाजी दिनेश मिठाई भंडार अलवाल	सुरेश बांकरेचा, भाग्यलक्ष्मी ऑटो पार्टस् अलवाल	घनश्याम बबलू भाटी, बालाजी प्रेमचन्द किराणा अलवाल	शेषाराम मुलैवा, भवानी ज्वैलर्स अलवाल	दिनेश पंवार, श्री आईजी वर्ल्ड बोरवेल वर्क्स, दुल्लापल्ली
दिनेश कुमावत, नारायण ज्वैलर्स वेंकटापुर	श्याम सुन्दर कुमावत, धनलक्ष्मी ज्वैलर्स कानाजीगुडा	नेमाराम राठौड़, सुमन ज्वैलर्स वेंकटापुर	जीतमल हरेन्द्र कच्छावा, ड्राईफ्रूट एंड महावीर किराणा अलवाल	पीराराम, श्रवण कच्छावा, बालाजी नमकीन & स्नैक्स अलवाल
नवरतन सुरेन्द्र कच्छावा, योगेश फूट वेयर अलवाल	रामकुमार कच्छावा, बालाजी सुरेशकुमार किराणा अलवाल	सुनिल मुकेश, रिषभ ट्रेडर्स वेंकटापुर	तेजाराम सोलंकी, बालाजी सुरेश मिठाई डेयरी फार्म	सत्यनारायण रामनारायण कच्छावा, बालाजी सत्यनारायण मिठाई अलवाल
मनसुख, नेमीचन्द भाटी, कुल्फी फैक्टरी अलवाल	पूनाराम काग, भवानी ज्वैलर्स अलवाल	दिनेश कुमावत, नारायण ज्वैलर्स अलवाल	राधेश्याम जाट, भूमिका फर्नीशिंग कोमपल्ली	मोतीलाल बर्फा, मनीष ग्लास अलवाल
सज्जनलाल रामावत, गणेश किराणा अलवाल	अण्दाराम राकेश कुमावत, जगदम्बा प्लास्टिक बोलारम	बुधाराम काग, लक्ष्मी प्लाईवुड हार्डवेयर अलवाल	सुखाराम गेहलोत, बालाजी स्टील अलवाल	चम्पालाल कच्छावा, आगरा मिठाई भंडार अलवाल
मनीराम भाटी, गजानन्द ट्रेडर्स मलकपेट	अजय मुलेवा, जैन हार्डवेयर भुदेवीनगर	पन्नालाल भाटी, दिल्ली मिठाई भंडार अलवाल	धर्माराम सैंणचा, कृष्णा ज्वैलर्स वेंकटापुर	राजु दिनेश कुमावत, श्री जगदम्बा किराणा अलवाल
तिलोक नाथ, कृष्णा किराणा अलवाल	शिवनन्द, मुकेश, महालक्ष्मी, ईश्वर इलेक्ट्रीकल अलवाल	हुक्माराम मोटावत, कृष्णा फैशन वेंकटापुरम	मोहन सोलंकी, माताजी ट्रेडर्स रिसाला बाजार	दलपत परिहारियां, भवानी ज्वैलर्स बहादुरपल्ली
सुखराम भाटी, पवन भाटी अलवाल	कृपाराम ठाकुर, रिसाला बाजार	सोहनलाल चोयल, श्री गणेश हार्डवेयर अलवाल	छेलाराम चोयल, रमेश प्रोविजन स्टोर अलवाल	मुकेश सोलंकी, महालक्ष्मी इलेक्ट्रीकल हार्डवेयर बोलारम
नरपत सोड़ा, गजानन स्वीट अलवाल	प्रेमचन्द रामविलास देवकिशन, बालाजी फैमिली ढाबा अलवाल	गोपीचन्द कच्छावा, बालाजी सुरेश स्वीट सलेब्रेशन	गणपतलाल चौहान, विकास स्पेर एंड टूल्स रानीगंज	प्रकाश परिहार, तनुश्री किराणा स्टोर न्यु बोईनपल्ली
कुपाराम राठौड़, बालाजी प्लाईवुड अलवाल	बाबुलाल पंवार, महालक्ष्मी ज्वैलर्स अलवाल	प्रकाश धनराज गुर्जर, श्रीराम इलेक्ट्रीकल अलवाल	गोविन्दसिंह पितावत, भवानी ज्वैलर्स भूदेवीनगर	: निवेदन : भक्तों से निवेदन है सपरिवार पधारकर बाबा रामदेवजी की दशमी पर दर्शन, भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेवे

: सम्पर्क : 9989446571, 9440562127, 9848593735, 9849822031, 8790859563, 9394556454, 9948509611, 9440557726, 6304120439, 9000241821, 9291504507, 9352043896, 9490776663

P.Solankey

संभल में मूसलाधार बारिश : खुले नाले में गिरने से सिपाही और मासूम की मौत

संभल, 1 सितंबर (एजेंसियां)। संभल जिले में लगातार हो रही तेज बारिश में दो लोगों की जान चली गई। खुले नालों में गिरने से सिपाही और चार साल की मासूम बच्ची की जिंदगी छीन ली। दोनों हादसों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीकरी गेट कबीर वाली गली, रामकृष्ण धर्मशाला के पास गणेश पंडाल का पर्दा नाले पर डला था। इससे नाला नजर नहीं आ रहा था। देर रात सामने से आ रही गाड़ी को साइड देने के दौरान बाइक पर सवार सिपाही का पैर फिसल गया और वह नाले में गिर पड़ा।

तेज बहाव में वह बह गया। मौके पर मौजूद बच्चे ने बाइक स्टार्ट देख लोगों को जानकारी दी। करीब एक घंटे की तलाश के बाद सिपाही को नाले से बाहर निकाला गया। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इस हादसे से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

खुले नाले में गिरी अर्चना

सोमवार सुबह रायसत्ती थाना क्षेत्र के मोहल्ला लोधी सराय बढ़ई वाली बस्ती निवासी ई-रिक्शा चालक राधेश अपनी पत्नी दूली और बच्चों के साथ माता के थान पर जात लगाने आया था। इसी दौरान उसकी चार वर्षीय बेटी अर्चना खुले नाले में गिर गई। परिजनों और लोगों ने तलाश की तो बच्ची करीब 150 मीटर दूर नाले में दिखाई दी। उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अर्चना पांच भाई-बहनों में चौथे नंबर पर थी। हादसे के बाद घर में कोहराम मच गया।

नाले बंद कराने की मांग, लोगों में आक्रोश

नगर पालिका ईओ डॉ. मणि भूषण तिवारी ने कहा कि हादसे के बाद नाले की नपाई शुरू करा दी गई है। जल्द ही स्लैब डालकर नाले को बंद कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि परिजनों की ओर से लापरवाही की बात भी सामने आई है।

रायसत्ती थाना प्रभारी बोबिंद्र कुमार ने बताया कि बच्ची के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। लगातार हो रहे हादसों से लोगों में आक्रोश है। स्थानीय लोग नगर पालिका पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जल्द ठोस कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

मुरादाबाद मंडल में बारिश का कहर-सिपाही समेत चार की मौत, सड़क से लेकर जंगल जलमग्न

मुरादाबाद, 1 सितंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद मंडल में भारी बारिश ने तबाही मचा दी। मुरादाबाद में तालाब में नहाने गए दो किशोर डूब गए। चंदौसी में ड्यूटी पर जा रहा सिपाही उफनाए नाले में गिरकर बह गया और संभल में चार साल की बच्ची खुले नाले में समा गई। अमरोहा में 15 घंटे में 39 एमएम बारिश दर्ज की गई। रामपुर में रेलवे स्टेशन और रोडवेज तक में जलभराव हो गया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रविवार देर रात से सोमवार तक हुई तेज बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। मुरादाबाद, संभल, चंदौसी, अमरोहा और रामपुर में जलभराव और हादसों की तस्वीरें सामने आईं। मुरादाबाद में तालाब में डूबकर दो किशोरों की मौत और चंदौसी में उफनाए नाले में गिरकर सिपाही की जान चली गई। संभल में चार साल की मासूम बच्ची नाले में डूबकर मर गई। अमरोहा में 15 घंटे में 39 एमएम बारिश दर्ज हुई और बिजली सप्लाई 10 घंटे ठप रही। रामपुर में भी दिनभर बारिश से रेलवे स्टेशन और रोडवेज तक पानी भर गया। मौसम विभाग ने मंगलवार को भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनी फरियादें, नन्हीं मायरा को एडमिशन कराने का दिया भरोसा

लखनऊ, 1 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आम लोगों की फरियाद सुनी।

प्रदेशभर से आए 50 से अधिक लोगों से सीएम ने न केवल संवाद किया, बल्कि उनकी समस्याओं का समाधान कराने के लिए अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री हर फरियादी के पास खुद पहुंचे, उनकी समस्याएं सुनीं और प्रार्थना पत्र अपने हाथों से लिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि निश्चिंत होकर घर जाइए, आपकी हर समस्या का समाधान किया जाएगा। जनता की समस्याओं का निस्तारण करना और खुशहाल उत्तर प्रदेश बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जनता दर्शन के दौरान कानपुर की मासूम मायरा अपनी मां के साथ मुख्यमंत्री योगी से मिलने पहुंची। मां ने बच्ची के स्कूल में प्रवेश की फरियाद रखी। जनता दर्शन में आते ही सीएम ने मायरा की मां से पूछा कि कहां से आए हैं, कहां एडमिशन कराना है। जिसका उन्होंने उत्तर दिया। इसके बाद मायरा से मुखातिब मुख्यमंत्री ने पूछा कि स्कूल जाओगी, किस क्लास में पढ़ोगी, अभी तक तो स्कूल गई नहीं है, क्या बनोगी? मायरा ने तपाक से जवाब दिया, 'डॉक्टर।' उन्होंने अधिकारियों को बच्ची के एडमिशन का निर्देश दिया। मीडिया से बातचीत में मायरा की मां ने कहा कि सीएम ने काफी अच्छे तरीके से हमारे परिवार की बात सुनी और एडमिशन का आश्वासन भी दिया। यह पहली बार नहीं है, जब कोई बच्ची अपने एडमिशन को लेकर मुख्यमंत्री से मिली। इसके पहले मुरादाबाद की वाची ने माता-पिता के साथ जून में मुख्यमंत्री से 'जनता दर्शन' में मुलाकात की और एडमिशन की गुहार लगाई।

सुपारी देकर कराया था पति का कत्ल

हत्यारी दुल्हन कांड में अब लगा गैंग लीडर समेत छह सदस्यों पर गैंगस्टर

औरैया, 1 सितंबर (एजेंसियां)। औरैया में हाइड्रा कारोबारी दिलीप हत्याकांड में पुलिस ने गैंग लीडर समेत छह आरोपियों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की है। औरैया में ये गिरोह सुपारी लेकर हत्या व हत्या की कोशिश आदि वारदातों से धनोपार्जन में सक्रिय था।

सभी के खिलाफ पुलिस ने सहार थाने में केस दर्ज किया है। मामले में दिलीप की पत्नी ने आरोपियों के साथ मिलकर पति की हत्या कराई थी। सहार थानाध्यक्ष पंकज मिश्र के मुताबिक दिबियापुर थाना के चमरौआ गांव निवासी दुर्लभ उर्फ पिंटू यादव इस संगठित गैंग का मुख्य सरगना है। यह गैंग औरैया में सक्रिय है। इस गिरोह में चमरौआ निवासी शिवम यादव, फफूंद के हजियापुर निवासी अनुराग उर्फ बबलू उर्फ मनोज यादव, अछल्दा के प्रेमनगर निवासी रामजी नागर उर्फ चौधरी, मैनपुरी के थाना भोगांव के नगला दीपा निवासी व हाल पता फफूंद के सियापुर गांव निवासी प्रगति यादव (मारे गए हाइड्रा चालक की पत्नी) व चमरौआ निवासी रामू यादव बतौर सक्रिय सदस्य हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी के खिलाफ गैंगस्टर के तहत केस दर्ज किया है, हालांकि गैंग लीडर समेत पांच सदस्य सलाखों के पीछे हैं। जबकि प्रधान जमानत पर जेल से बाहर है।

क्या था मामला

मैनपुरी निवासी हाइड्रा चालक दिलीप पर मार्च में शादी के 15 दिन बाद सहार क्षेत्र के पटना नहर पुल के समीप जानलेवा हमला हुआ था। उपचार के दौरान दिलीप की मौत हो गई थी। पुलिस ने कुछ दिन बाद दिलीप की पत्नी प्रगति व उसके प्रेमी अनुराग समेत शूटर रामजी नागर को गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ में अनुराग व प्रगति द्वारा दिलीप को रास्ते से हटाकर उसकी संपत्ति पर शौक करने की प्लानिंग सामने आई थी। वहीं अनुराग के मौसेरे भाई दुर्लभ यादव, शिवम को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

जबकि चमरौआ प्रधान रामू यादव ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। मामले में पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। जिसके बाद चमरौआ प्रधान जमानत पर बाहर आ गया था। उधर, प्रेमी अनुराग, प्रेमिका प्रगति, दुर्लभ यादव, शिवम की जमानत अर्जियां खारिज हो चुकी हैं।

कोर्ट से लौट रही महिला पर हमला

बुलंदशहर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के बुलंदशहर नगर कोतवाली क्षेत्र के काली नदी के पास उस समय सनसनी फैल गई, जब कोर्ट से तारीख कर लौट रही महिला को गोली मार दी गई। पूजा नामक महिला ई-रिक्शा से घर लौट रही थी, तभी यह घटना हुई। घायल महिला के पति हरीश शर्मा पर ही गोली चलाने का आरोप सामने आया है। पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की जांच में जुट गई है। घटना में घायल पूजा थाना खानपुर क्षेत्र के गांव भदौरा निवासी है।

दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या करने वाले आरोपी का एनकाउंटर, पैर में गोली लगने से घायल

अयोध्या, 1 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के अयोध्या में कैंट थाना क्षेत्र में युवती की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस की जांच में सामने आया कि हत्या युवती के दूसरे प्रेमी राजीव यादव ने की थी। जबकि, प्रारंभिक जांच में संदेह एक अन्य प्रेमी आलोक निषाद पर जताया जा रहा था। दरअसल, राजीव यादव ने पुलिस को गुमराह करने के लिए युवती के मोबाइल में कॉल फॉरवर्डिंग आलोक निषाद के नंबर पर कर दी थी। इसी कारण हर कॉल आलोक निषाद के पास जाती रही और पुलिस कंफ्यूज होती रही। पुलिस को तब बड़ा सुराग मिला, जब घटनास्थल से थोड़ी दूरी पर ईंट के नीचे दबा युवती का मोबाइल बरामद हुआ। फोन ऑन था और कॉल फॉरवर्डिंग की सच्चाई उजागर हो गई।

आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने घेराबंदी की

इसके बाद घटनास्थल से थोड़ी दूर एक बाग में राजीव यादव को पकड़ने के लिए पुलिस ने घेराबंदी की। इस दौरान उसने एक दरोगा की रिवॉल्वर छीनकर भागने की कोशिश की। लेकिन, पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि 31 अगस्त को युवती की हत्या हुई थी और तभी से जांच जारी थी। सूत्रों के अनुसार प्रेमी राजीव यादव युवती की बढ़ती मांगों से परेशान था। हत्या वाली रात उसने अपने बड़े भाई के फोन से युवती को बुलाया। दोनों के बीच कहासुनी हुई।

गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी

इसके बाद राजीव ने पहले युवती से दुष्कर्म किया। फिर उसी के सलवार से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है। उस पर हत्या और दुष्कर्म के गंभीर मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अब पूरे घटनाक्रम की कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए आगे की कार्रवाई कर रही है।

भाजपा लोकतंत्र की जननी बिहार से ही लोकतांत्रिक व्यवस्था समाप्त करना चाहती है : तेजस्वी यादव

पटना, 1 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को यहां वोटर अधिकार यात्रा के समापन के मौके पर पटना के डाक बंगला चौराहे पर लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर वोट की चोरी करना चाहती है। उन्होंने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है, लेकिन भाजपा यहां से ही लोकतंत्र समाप्त करना चाहती है। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने एनडीए की डबल इंजन की सरकार होने के दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार में एक इंजन अपराध में लगा और दूसरा इंजन भ्रष्टाचार में। बड़ी चालाकी से फर्जी वोट भी जोड़े जा रहे हैं। लोगों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि यहां बिहार में गड़बड़ी करने वालों को मुंहतोड़ जवाब देना है। तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने इतनी बार पलटी मारी है कि उनका दिमाग चकरा गया है। अब वे अचेत अवस्था में चले गए हैं। राजद के नेता ने जोर देकर कहा कि बिहार में अपराध बढ़ गया है। इस सरकार को हमें उखाड़ कर फेंकने का काम करना है। मुख्यमंत्री नीतीश को नैतिक भ्रष्टाचार के भीष्म पितामह बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां के इंजीनियर के घर से 100 करोड़ रुपए पकड़ा जा रहा है। उन्होंने नीतीश सरकार को नकलची सरकार बताया। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने जो कहा है, यह नकलची सरकार वही कर रही है।

हमने बोला पेंशन बढ़ाएंगे तो सरकार कहती है कि हम पेंशन बढ़ाएंगे। हमने कहा फ्री में बिजली देंगे तो यह सरकार कहती है कि हम भी फ्री में बिजली देंगे। उन्होंने कहा कि यह सरकार हमारी नकल कर सकती है, लेकिन विजन नहीं ला सकती है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बिहार को डुप्लीकेट नहीं, ओरिजिनल सीएम की जरूरत है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय में की तोड़फोड़

अब्दुल कलाम की तस्वीर उतार फेंकी

लखीमपुर खीरी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी में भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान जमकर हंगामा किया। महिला कार्यकर्ता कलक्ट्रेट के पास स्थित कांग्रेस के जिला कार्यालय में घुस गईं। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कांग्रेस कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ की। इस दौरान वहां मौजूद पुलिसकर्मी मूकदर्शन बने रहे। दरअसल, बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अभद्र भाषा बोले जाने से भाजपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। कांग्रेस के विरोध में भाजपाई प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार को लखीमपुर खीरी में भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

नेताओं की तस्वीरें उतार फेंकी

भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता शहीद नसीरुद्दीन मैदान में एकत्रित हुईं। यहां से नारेबाजी करते हुए कांग्रेस पार्टी कार्यालय पहुंचकर जमकर हंगामा किया। महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस पार्टी कार्यालय में कुर्सियां तोड़ डाली। गांधी परिवार के नेताओं के पोस्टर और तस्वीरें उतारकर फेंक दिया। इतना ही नहीं, कार्यालय में टंगी पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम की तस्वीर को भी उतारकर नीचे गिरा दिया।

मामी-भांजे के संदिग्ध हालात में मिले शव, पुलिस जांच में जुटी

देहात, 1 सितंबर (एजेंसियां)। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के बहेलियापुरवा में मामी और भांजे के शव संदिग्ध हालात में कमरे में मिले। महिला के गले में दुपट्टे का फंदा लगा था, जबकि पास में भांजे का शव दीवार के सहारे जमीन से टिका मिला। मौके पर मौजूद लोग भांजे द्वारा मामी की हत्या करने के बाद जहर खाकर जान देने की चर्चा करते रहे। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

बहेलियन पुरवा निवासी सुखराम की पत्नी मीनू उर्फ मन्नू (30) और उसके भांजे निगोह थाना छिबरामऊ कन्नौज निवासी इंद्रेश (27) पुत्र मान सिंह का शव एक ही कमरे में सोमवार दोपहर मिले। घटना की जानकारी पर थानाध्यक्ष रसूलाबाद और सीओ मौके पर पहुंचे। पुलिस को मीनू के गले में दुपट्टे का फंदा लगा मिला। पास ही इंद्रेश का शव जमीन पर दीवार के सहारे टिका मिला। पुलिस ने परिवार और पड़ोसियों से जानकारी की। लोगों ने पुलिस को बताया कि 31 अगस्त की शाम पांच बजे इंद्रेश आया था।

अखिलेश यादव की हालत 'न तीन में, न तेरह में' जैसी ही रही : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 1 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' को लेकर निशाना साधा। उन्होंने यात्रा को फेल बताते हुए कहा कि अखिलेश यादव की हालत 'न तीन में न तेरह में' जैसी ही रही। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बिहार में नितांत असफल 'वोटर अधिकार यात्रा' में सपा बहादुर अखिलेश यादव की हालत 'न तीन में न तेरह में' जैसी ही रही। जिस पार्टी का बिहार की धरती पर न कोई अतीत है, न वर्तमान और न कोई भविष्य। केशव प्रसाद मौर्य ने आगे लिखा, उनका बिहार से संबंध केवल लालू प्रसाद यादव के परिवार से नातेदारी तक सीमित है। बिहार की जनता इनकी खातिरदारी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इसकी बानगी आने वाले चुनाव में मिलेगी। बता दें कि इंडिया गठबंधन की 'वोटर अधिकार यात्रा' का समापन पटना में एक विशाल पैदल मार्च के साथ होने जा रहा है। इसमें गठबंधन के बड़े नेता शामिल हो रहे हैं। इस मार्च में शामिल होने के लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पटना पहुंच गए हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में निकाली गई 'वोटर अधिकार यात्रा' ने करीब 1,300 किलोमीटर का सफर तय किया। इस दौरान 25 जिलों और 110 विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया गया। 17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई यह यात्रा एसआईआर के तहत मतदाता सूची से नाम हटाने के कथित प्रयासों के खिलाफ थी। इस यात्रा के दौरान विपक्ष के नेता भी शामिल होते रहे। इस यात्रा का समापन पटना में होना है, जिसमें शामिल होने के लिए इंडिया गठबंधन के कई वरिष्ठ नेता पटना पहुंच गए हैं। दूसरी तरफ, भाजपा इस यात्रा को 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' बता रही है। वहीं, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने इंडिया गठबंधन की 'वोटर अधिकार यात्रा' की समाप्ति पर कहा कि जिन लोगों ने खुद चोरी की होती है, वो लोग कुछ ज्यादा जोर से बोलते हैं। ऐसी स्थिति में मुझे नहीं लगता है कि इन लोगों पर हमें किसी भी प्रकार का भरोसा करने की जरूरत है।

सरकारी स्कूल में तिरंगा हटाकर इस्लामिक झंडा लगाया

सात आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

लखीमपुर खीरी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी के थाना फूलबेहड़ क्षेत्र के गांव लखहा अलीगंज में उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत पर तिरंगा हटाकर इस्लामिक झंडा लगाए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में गांव के ही एक व्यक्ति की शिकायत पर पुलिस ने तीन नामजद सहित सात लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। दो आरोपी हिरासत में लिए गए हैं।

पुलिस हिरासत में युवक की संदिग्ध मौत परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

हरदोई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हरदोई के शाहाबाद थाना क्षेत्र में पुलिस हिरासत में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान रवि राजपूत के रूप में हुई है। इस घटना के बाद परिजनों ने पुलिस और एक नाबालिग लड़की के परिवार पर हत्या का आरोप लगाया है। गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने हरदोई-शाहजहांपुर मार्ग जाम कर प्रदर्शन किया। मौके पर कई थानों की पुलिस फोर्स और वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे, जिन्होंने स्थिति को नियंत्रित किया।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरदोई नीरज कुमार जादौन ने बताया कि 23 अगस्त को शाहजहांपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से एक नाबालिग लड़की के गायब होने की शिकायत मिली थी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लड़की को बरामद किया और रवि राजपूत को गिरफ्तार किया। दोनों को पूछताछ के लिए शाहाबाद थाने लाया गया था। रवि की अचानक थाने में ही मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों को सूचित किया गया। परिजनों ने नाबालिग लड़की के परिवार पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। एसपी ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की गाइडलाइंस का पालन किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

बिना मान्यता राम स्वरूप यूनिवर्सिटी करा रही एलएलबी

छात्र-छात्राओं ने जमकर किया हंगामा और नारेबाजी

बाराबंकी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के बाराबंकी में शहर कोतवाली क्षेत्र के गदिया स्थित राम स्वरूप यूनिवर्सिटी के एलएलबी के छात्र-छात्राओं ने गेट के बाहर जमकर हंगामा और नारेबाजी की। स्टूडेंट्स का आरोप है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन बिना मान्यता के ही एलएलबी की पढ़ाई करा रहा है। इससे सैकड़ों छात्र-छात्राओं का भविष्य अंधेरे में हैं। तीन दिन पहले शुक्रवार को भी प्रदर्शन हुआ था। उस समय यूनिवर्सिटी प्रशासन ने दो दिन का समय मांगा था। जवाब से संतुष्ट न होने पर सोमवार को सुबह 11 बजे से प्रदर्शन तेज हो गया। सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने जमकर नारेबाजी की। इनके समर्थन में एबीवीपी के कार्यकर्ता भी आ गए। प्रदर्शनकारियों के अलावा बीबीए के छात्र भी शामिल हुए। पुलिस और यूनिवर्सिटी प्रशासन उन्हें मानने में जुटा रहा। लेकिन, छात्र लिखित मान्यता का कागज की मांग पर अड़े रहे। प्रदर्शन कर रहे एलएलबी के छात्र-छात्राओं ने वैभव शुक्ला, आदित्य यादव, शिवनाथ यादव, दुर्गेश सिंह, अर्पिता, अभिषेक रस्तोगी ने बताया कि यूनिवर्सिटी प्रशासन एलएलबी की फर्जी मान्यता दिखाकर एडमिशन ले रहा है। प्रशासन धमकी दे रहा है कि प्रदर्शन करोगे तो कॉलेज से निलंबित कर दिया जाएगा।

बिहार का चुनाव सिर्फ प्रदेश का नहीं, देश के संकल्प का होगा : हेमंत सोरेन

पटना, 1 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को कहा कि बिहार में होने वाला विधानसभा चुनाव केवल प्रदेश का नहीं, देश का संकल्प होगा। यह चुनाव देश की दशा और दिशा तय करेगा। पटना में 'वोटर अधिकार यात्रा' के समापन के मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने झारखंड की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य अब बदल रहा है। आज वहां महिलाओं के पलायन को आर्थिक मदद देकर रोक दिया गया है। उन्होंने भाजपा पर धन और बल के जरिए सत्ता में आने का आरोप लगाते हुए कहा कि सीबीआई और ईडी का भय दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे भी झूठे मामले में जेल में डाल दिया गया। अगर हम जेल नहीं गए होते, तो झारखंड में लोकसभा चुनाव में भाजपा का खाता नहीं खुलने देते।

उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा आज 'वोट चोरी' के सहारे सत्ता में बनी हुई है। यह कोई नई बात नहीं है, यह गोरखधंधा बहुत पहले से चला आ रहा है। आज यह पकड़ा गया और सबके सामने इसका पर्दाफाश किया गया। उन्होंने कहा कि इसका मुकाबला एकजुटता से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब हम लोग एकजुट होंगे, तो कोई नहीं टिकेगा।

बिहार को ऐतिहासिक धरती बताते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह से वोटर रिवीजन का काम किया गया है, लेकिन यह, विशेष और गहन, दोनों को जोड़कर पुनरीक्षण कराया गया है और यह गलत है। इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में पटना में यात्रा निकाली गई। गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि देने के बाद यात्रा की शुरुआत की गई।

बिहार कूच करेगी शंकराचार्य की गौभक्त सेना

> शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द जी का बिहार के हर जिले में होगा दौरा
> बिहार चुनाव में गौरक्षा के लिए पडेगा सनातनी हिन्दुओं का वोट

मुम्बई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। सनातन धर्म में गोहत्या महापाप है। गोहत्या करने वाले को समर्थन देने वाले को भी यह पाप लगता है। इसलिये सत्ता में आकर गोहत्या करने वाले राजनीतिक दलों को मत देकर उन्हें सत्ता में लाने वाले मतदाताओं को भी गोहत्या का पाप लग रहा है।

हिन्दुओं को इससे बचने और अपने मताधिकार का सही प्रयोग करने की आवश्यकता है। हमारे शास्त्र हमें बताते हैं कि गोमाता सर्वदेवमयी है।इनकी पूजा करने से ३३ करोड देवी-देवताओं की पूजा एक साथ हो जाती है।इनका स्थान सर्वोपरि है।तभी तो सनातन धर्म में देवता और गुरु के लिए नहीं,अपितु गोमाता के लिए पहली रोटी (गो-ग्रास) निकालने का नियम है। उक्त उद्गार परमाराध्य परमधर्माधीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामिश्रीः अविमुक्तेश्वरानन्द : सरस्वती १००८ ने मुम्बई के बोरीवली कोराकेन्द्र में आयोजित गोसंसद् के प्रदेश प्रभारियों की बैठक में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारे देश का यह भी गौरवपूर्ण इतिहास रहा है कि चक्रवर्ती सम्राट् दिलीप,भगवान् राम और भगवान् कृष्ण ने भी गोसेवा की है। परन्तु बहुसंख्यक गो-पूजक सनातनियों के इस देश में आज गोमाता की हत्या हो रही है,जो हम सबके लिए कलंक है। इसी कलंक को भारत की भूमि से मिटाने के लिए पूर्व में भी अनेक सन्तों ने गोरक्षा आन्दोलन किया था।तब से अब तक अनेक सरकारें आयीं,लेकिन किसी ने भी गोहत्या बन्दी की उद्घोषणा नहीं की,बल्कि गोहत्या को बढ़ावा ही देती रहीं। उन्होंने आगे नारा दिया कि - करे जो गोमाता पर चोट, हम कैसे दें उसको वोट? हमारा धर्म हमें यह भी सिखाता है कि यदि हम गलत करने वाले का समर्थन करते हैं,तो हमें भी उस गलत कार्य को करने का पाप भोगना पडता है। यदि कोई सरकार गोहत्या कर रही हो और हम उसे वोट देकर अपना समर्थन देते हैं तो उसके द्वारा किये जा रहे गोहत्या का पाप हमें भी लगेगा। इसीलिए हम गोभक्त सनातनी हिन्दुओं से यह कहना चाहते हैं कि आप गोहत्यारी पार्टियों को अपना अमूल्य वोट देकर गोहत्या के महापाप के भागी न बनें। देश में होने वाले चुनाव में कौन-सी पार्टी कब सत्ता में आयेगी, यह कभी भी पहले से नहीं कहा जा सकता।इसलिए आप सब यह स्पष्ट निर्णय कर लें कि जिस भी पार्टी की सरकार बने,उसे शपथ-ग्रहण करते ही सबसे पहला कार्य गोहत्या बन्द कराकर गाय को राष्ट्रमाता घोषित करना होगा। आपके द्वार पर जो भी वोट लेने आये,उनसे आप यह कह सकते हैं कि गोहत्या न करने का शपथ-पत्र लिखित रूप से देने पर ही वोट दिया जायेगा, ताकि आपको स्वयं गोहत्या का पाप न लगे।

ज्ञातव्य है कि परमाराध्य शंकराचार्य जी महाराज इस समय मुम्बई में चातुर्मास्य व्रत कर रहे हैं। भाद्रपद पूर्णिमा को सीमोल्लंघन के बाद वे मध्य प्रदेश के परमहंसी गंगा आश्रम में अपने ब्रह्मलीन सद्गुरुदेव द्विपीठाधीश्वर स्वामी श्री स्वरूपानन्द सरस्वती जी महाराज के आराधना महोत्सव के लिए प्रस्थान करेंगे और वहाँ से वे सीधे बिहार के लिए रवाना होंगे। शंकराचार्य जी के आगमन से पहले शंकराचार्य जी की गौभक्त सेना पूरे बिहार में गाय के प्रत्याशी को वोट देने को प्रेरित करेगी और जब शंकराचार्य जी महाराज का बिहार आगमन होगा तो वे बिहार के हर जिले में दौरा करते हुए गोमतदाता संकल्प सभा को सम्बोधित करेंगे। उक्त जानकारी शंकराचार्य जी महाराज के मीडिया प्रभारी संजय पाण्डेय ने दी है।

लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाया

आरोपी ने सिग्नल पर कार रुकवाकर पेट्रोल छिड़का, महिला भागी तो पीछा किया, और फ्यूल डालकर आग लगाई

बेंगलुरु, 1 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर को जिंदा जलाकर हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले कार सवार लिव-इन पार्टनर का पीछा किया। फिर सिग्नल पर गाड़ी रुकवाकर पेट्रोल छिड़क दिया।

घटना शनिवार की है। कार में कुल तीन लोग सवार थे। महिला कार से निकलकर भागी तो आरोपी ने उसका पीछा किया। उस पर और पेट्रोल डाला और लाइटर से उसे आग लगा दी। महिला 60 फीसदी झुलस चुकी थी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान 50 साल के विट्ठल के रूप में हुई है। वह एक कैब ड्राइवर और शराब पीने का आदी था। मृतक महिला का नाम वनजाक्षी था। वह 35 साल की थी। दोनों लगभग चार साल पहले लिव-इन रिलेशनशिप में आए थे। विट्ठल पहले तीन बार शादी कर चुका था। वनजाक्षी भी लिव-इन में आने से पहले दो बार शादी कर चुकी थी। वह हाल ही में विट्ठल के शराब की लत और बार-बार उत्पीड़न से परेशान होकर उससे अलग हो गई थी। वनजाक्षी की मरिअप्पा नामक एक अन्य व्यक्ति के साथ भी दोस्ती भी हो गई थी। घटना वाले दिन, वनजाक्षी कार से मरिअप्पा और ड्राइवर के साथ एक मंदिर से लौट रही थी। विट्ठल वनजक्षी की कार का पीछा कर रहा था। एक ट्रैफिक सिग्नल पर, विट्ठल ने गाड़ी रुकवाई और वनजाक्षी, मरिअप्पा और ड्राइवर पर पेट्रोल छिड़क दिया।

भागने के दौरान वनजाक्षी गिरी, विट्ठल मे आग लगा दी

मरिअप्पा और ड्राइवर वहां से भाग गए, लेकिन विट्ठल ने वनजाक्षी का पीछा किया। वनजाक्षी भागने के दौरान गिर गई, तो विट्ठल ने उस पर और पेट्रोल डालकर लाइटर से उसे आग लगा दी।

वहां से गुजर रहा एक व्यक्ति वनजाक्षी को बचाने के लिए दौड़ा। उसने कपड़े के एक टुकड़े से आग बुझाई और लोगों की मदद से उसे एक निजी अस्पताल पहुंचाया। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ इकट्ठा होते देख, विट्ठल मौके से भाग गया। वहीं, वनजाक्षी लगभग 60 फीसदी तक जल गई थी। अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया। उसे बचाना वाला व्यक्ति भी मामूली रूप से जल गया था।

राहुल गांधी पर अमित मालवीय का तंज

'हम तो डूबे सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे'

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में इंडिया गठबंधन की 'वोटर अधिकार यात्रा' का सोमवार को समापन होने जा रहा है। इस खास मौके पर राजधानी पटना के गांधी मैदान से इंडिया गठबंधन की ओर से एक पैदल मार्च का आयोजन किया गया है, जिसका समापन अंबेडकर मूर्ति के समक्ष होना था। समापन कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए गए हैं, तो वहीं दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के किसी भी नेता की तस्वीर नहीं लगाई गई है, ना ही लालू प्रसाद यादव की और ना ही उनके पुत्र तेजस्वी यादव की, जिसे लेकर अब भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने तंज कसा है।

उन्होंने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट भी किया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, "कांग्रेस को बिहार से गायब किया राजद ने, और अब कांग्रेस राजद को गायब करने पर तुली है। देश की राजनीति से कांग्रेस लगभग खत्म हो चुकी है और आगे भी उसके दिखने के कोई आसार नहीं। लगता है राहुल गांधी ने ठान लिया है। हम तो डूबे सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे।" उन्होंने आगे लिखा, "राहुल गांधी और लालू प्रसाद जी की दुश्मनी कोई नई नहीं है। लालू जी को चुनावी राजनीति से बाहर करने का काम कांग्रेस सरकार के दौरान राहुल गांधी ने ही किया था। आज इतिहास खुद को दोहरा रहा है। राहुल गांधी ने तेजस्वी को बाहर करने का संकेत दे दिया है।" उन्होंने कहा कि चुनाव हारने के बाद दिसंबर की ठंड में महाठगबंधन में जो भेड़ियाधसान मचने वाला है, उसकी शुरुआत कांग्रेस ने आज गांधी मैदान से कर दी है। बता दें कि इंडिया गठबंधन की ओर से 'वोटर अधिकार यात्रा' 17 अगस्त को बिहार के सासाराम से शुरू की गई थी। इसका नेतृत्व राहुल गांधी ने किया, जिसका मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची में हेराफेरी और 'वोट चोरी' के कथित आरोपों को उजागर करना, मतदाताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और निर्वाचन आयोग की विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया के खिलाफ अभियान चलाना था।

छात्रा से छेड़छाड़, पिता के विरोध करने पर किया अपहरण

हल्द्वानी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। घर से ट्यूशन के लिए निकली छात्रा से मनचला छेड़छाड़ करता रहा। पिता ने युवक के घर जाकर घटना का विरोध किया तो आरोपी अपने साथी के साथ स्कूटी से सरेशाम छात्रा का अपहरण ले गया। बाद में उसने छात्रा को नैनीताल रोड पर छोड़ा। मामले में पुलिस ने आरोपी पर छेड़छाड़, अपहरण व जान से मारने की धारा में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

नैनीताल रोड स्थित एक कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी एक निजी स्कूल में 10वीं की छात्रा है। शनिवार शाम वह रोजाना की तरह ट्यूशन जा रही थी। कई दिनों से सुहेल नाम का लड़का उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ कर रहा था।

विपक्ष के प्रत्याशी ने सभी दलों के सांसदों को लिखा पत्र, चुनाव आयोग पर की गंभीर टिप्पणी

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में विपक्षी खेमे-इंडिया ब्लॉक के प्रत्याशी सेवानिवृत्त जस्टिस रेड्डी ने सभी दलों के सांसदों को पत्र लिखा है। बता दें कि रेड्डी का मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के प्रत्याशी और महाराष्ट्र के राज्यपाल रहे सीपी राधाकृष्णन से है। दोनों प्रत्याशियों के पक्ष में समीकरणों को मजबूत करने लेकर सत्ताधारी गुट के साथ-साथ विपक्षी दलों को भी एकजुट रखने का प्रयास किया जा रहा है। इसी बीच रेड्डी का सांसदों को पत्र लिखना चर्चा में है।

आगामी 9 सितंबर को होने वाले मतदान से पहले इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी ने हैदराबाद में कहा, मेरे प्रतिद्वंद्वी बोल नहीं रहे हैं।

अगर दोनों उम्मीदवार बोलें तो बहस हो सकती है। रेड्डी ने कहा, मैं विपक्षी दलों का उम्मीदवार हूं, मुझे आप जैसी गैर इंडिया ब्लॉक पार्टियों से समर्थन मिला है। उन्होंने कहा, उपराष्ट्रपति पद का चुनाव उनके जीवन में संविधान के साथ लंबी यात्रा का एक हिस्सा है। उन्होंने भरोसा जताया कि 2025 का चुनाव भारत के हालिया इतिहास में लड़े गए सबसे निष्पक्ष, प्रतिष्ठित और मर्यादित चुनावों में से एक होगा।

हैदराबाद में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, 'हमारा राज्य बहुसंख्यकवादी नहीं है। संविधान किसी को शक्ति नहीं देता, उसका काम शक्ति को सीमित करना है।' उन्होंने चुनाव आयोग के कामकाज पर भी टिप्पणी की। रेड्डी ने कहा, संविधान के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली में 'कमी' है। 79 वर्षीय रिटायर्ड जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी सुप्रीम कोर्ट से जुलाई 2011 में सेवानिवृत्त हुए थे। इससे पहले वे आंध्र प्रदेश, गुवाहाटी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी रहे। उन्होंने अपने न्यायिक करियर में कई अहम फैसले दिए, जिसमें काला धन मामले में केंद्र सरकार की ढिलाई की आलोचना, छत्तीसगढ़ सरकार की सलवा जुडूम नीति को असांविधानिक ठहराना और काले धन की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने जैसे आदेश प्रमुख हैं।

तीन दिन से लापता महिला का बक्से में मिला शव बंद मकान से उठी दुर्गंध तब खुला राज

मैहर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। मैहर के महाराजा नगर अंधाटोला इलाके में उस समय हड़कंप मच गया जब एक बंद मकान के अंदर बक्से से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों को संदेह हुआ। सूचना पर परिजन पहुंचे और दरवाज़े का ताला तोड़ा गया। कमरे के भीतर बक्से के पास खून के धब्बे और बदबू पाकर सबके होश उड़ गए। इसके बाद मैहर थाना पुलिस को खबर दी गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और डॉग स्क्वॉड टीम सतना को बुलाया। टीम के पहुंचने के बाद थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी की मौजूदगी में बक्सा खोला गया। उसके भीतर कपड़े में लिपटी महिला की लाश बरामद हुई। पुलिस ने पूरे घर को सील कर दिया है और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक मृतका के भाई ने देवीजी चौकी में बहन की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि महिला तीन दिन से लापता थी। गुमशुदगी के बाद जब वह और अन्य परिजन महिला के घर पहुंचे तो यह सनसनीखेज मामला सामने आया, जिससे आसपास सनसनी फैल गई।

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर जरांगे का अनशन चौथे दिन भी जारी

कहा-आज से बंद करूंगा पानी पीना

मुंबई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में मराठा आरक्षण को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने कहा कि वह अपने अनशन के चौथे दिन यानी आज से पानी पीना भी बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि वह गोली खाने को भी तैयार हैं, ताकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में मराठा समुदाय को आरक्षण मिल सके। जरांगे ने सरकार से मांग की कि उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर आरक्षण पर सरकारी आदेश (जीआर) जारी किया जाए। इससे पहले, महाराष्ट्र सरकार ने रविवार को कहा कि वह मराठा समुदाय के लिए कुनबी जाति की ओबीसी स्थिति को लागू करने पर कानूनी राय लेगी, जिसके लिए हैदराबाद गजटियर का सहारा लिया जाएगा। हालांकि, इस बात से जरांगे प्रभावित नहीं हुए और उन्होंने कहा कि चाहे देवेंद्र फडणवीस सरकार प्रदर्शन करने वालों पर गोली भी चलाए, वह दक्षिण मुंबई में स्थित आजाद मैदान से तब तक नहीं हटेंगे, जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो

इस्लाम कबूल चेतराम बना इकराम, रेखा बनीं रुखसार

बहन को कहा-गरीब पैदा होना नहीं मरना गुनाह

गुरुग्राम, 1 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के नूंह जिले में अनुसूचित जाति के हिंदू परिवार का इस्लाम कबूल करने का मामला सुर्खियों में है। राजमिस्त्री का काम करने वाले चेतराम अब मोहम्मद इकराम हैं।

पत्नी रेखा अब रुखसार बन चुकी हैं। इनके तीन बच्चे भी धर्म और नाम बदल चुके हैं। हालांकि, चेतराम के भाई सतबीर की शिकायत पर नगीना थाने में शाहिद और सिराजुद्दीन नाम के दो व्यक्तियों पर केस दर्ज है। आरोप है कि लालच और दबाव देकर चेतराम का धर्मांतरण करवाया गया। हिंदू संगठनों ने नगीना थाने में खूब हंगामा किया। उस वक्त चेतराम का परिवार थाने में पुलिस सुरक्षा में था। पुलिस ने चेतराम और उसकी पत्नी के नूंह कोर्ट में बयान दर्ज कराए। इसमें उन्होंने कहा कि मर्जी से इस्लाम कबूला है, किसी का कोई दबाव नहीं। इसके बाद से यह परिवार भूमिगत है। जबकि हिंदू संगठन इन्हें वापस अपने धर्म में लाने की कोशिशें कर रहे हैं। इसी बीच चेतराम और रेखा के वीडियो सामने आए। इनमें वो कह रहे हैं कि हमने मर्जी से इस्लाम कबूला और इसी में रहेंगे। ये वीडियो कहां बनाए गए, किसने बनाए और किसने वायरल किए, ये अभी स्पष्ट नहीं है। उधर, चेतराम का परिवार एक कॉल रिकॉर्डिंग सामने लेकर आया है। बताया गया कि इसमें चेतराम अपनी बहन से बात कर रहा है। वह कहता है- गरीब पैदा होना गुनाह नहीं, गरीब मरना गुनाह है। इस बातचीत के आधार पर चेतराम के भाई कह रहे हैं कि लालच देकर धर्मांतरण करवाया गया है।

भूस्खलन की चपेट में आया वाहन, दो की मौत

देहरादून, 1 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में केदारनाथ के पास सोमवार को एक वाहन के भूस्खलन की चपेट में आने से उसमें सवार एक महिला समेत दो तीर्थयात्रियों की मौत हो गई तथा आधा दर्जन अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से तीन की हालत चिंताजनक है। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि हादसा सुबह साढ़े सात बजे केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच मुनकटिया के पास हुआ जब पहाड़ी से अचानक मलबा और पत्थर गिरने लगे और उनकी चपेट में वहां से गुजर रहा एक बोलेरो वाहन आ गया। नंदन सिंह रजवार ने बताया कि मलबे और पत्थरों की चपेट में आने से वाहन में सवार एक महिला समेत दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं और फाटा, सोनप्रयाग एवं गुप्तकाशी से कुल चार एंबुलेंस के जरिए घायलों को निकटवर्ती सोनप्रयाग अस्पताल पहुंचाया गया।

हाईकोर्ट की टिप्पणी

जरांगे के नेतृत्व वाला प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं, सभी शर्तों को तोड़ा

मुंबई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। मराठा आरक्षण आंदोलन पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। अदालत की पीठ ने कहा कि मनोज जरांगे के नेतृत्व वाला विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं है और इसमें सभी शर्तों का उल्लंघन किया गया है।

अगर मनोज जरांगे की मांग की बात करें तो अनशन पर बैठे मनोज जरांगे वे 10% आरक्षण की मांग कर रहे हैं और चाहते हैं कि मराठाओं को कुनबी जाति के रूप में मान्यता दी जाए, क्योंकि कुनबी ओबीसी श्रेणी में आते हैं, जिससे मराठा समुदाय को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि मराठवाड़ा क्षेत्र के मराठाओं को कुनबी घोषित कर आरक्षण देना चाहिए और हैदराबाद और सातारा के गजट नोटिफिकेशन को कानून बनाया जाए।

पूर्व पत्नी ने रची खौफनाक साजिश

पति से बदला लेने का बनाया प्लान-घर में रखवा दी नकली आईईडी; तीन गिरफ्तार

बारामुला, 1 सितंबर (एजेंसियां)। बारामुला पुलिस ने एक निर्दोष व्यक्ति को फंसाने के लिए उसके घर में आईईडी लगाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पीड़ित की पहली पत्नी एडवोकेट राहिला कादरी भी शामिल है। वहीं इस साजिश की मास्टर माइंड थी। लंबे समय से चल रहे वैवाहिक विवाद के चलते वह पूर्व पति से गहरी दुश्मनी रखती थी और उसे गंभीर मामले में फंसाना चाहती थी। पुलिस के मुताबिक 31 जुलाई को तंगमर्ग पुलिस थाने को महायान फिरोजपोरा निवासी मंजूर अहमद खान के घर में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर तलाशी ली तो घर में से एक संदिग्ध पैकेट बरामद हुआ।

बम निरोधक दस्ते की जांच में पैकेट में एक प्लास्टिक का डिब्बा मिला जो आईईडी जैसा दिखता था। बाद में पुष्टि हुई कि यह एक नकली आईईडी था जिससे किसी विस्फोट का खतरा नहीं था।मामले में तंगमर्ग थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पकड़े गए सज्जाद अहमद गनी पुत्र मोहम्मद कासिम गनी निवासी नौगाम सुंबल ने बताया कि उसी ने नकली आईईडी लगाई थी। पूछताछ में कबूल किया कि उसने पंडितपोरा तंगमर्ग निवासी एडवोकेट रईस अहमद भट की पत्नी एडवोकेट राहिला कादरी के कहने पर नकली आईईडी मंजूर अहमद खान के घर पर लगाई थी। पता चला कि मंजूर अहमद खान की पूर्व पत्नी एडवोकेट राहिला कादरी ने अपने वर्तमान पति एडवोकेट रईस अहमद भट पुत्र बशीर अहमद भट निवासी पंडितपोरा तंगमर्ग के साथ मिलकर अपने पूर्व पति को फर्जी विस्फोटक मामले में फंसाने की साजिश रची थी।

देश के टॉप 10 असुरक्षित शहरों में देहरादून भी शामिल

> महिला सुरक्षा पर आयोग की रिपोर्ट चिंताजनक

देहरादून, 1 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय महिला आयोग की नारी 2025 महिला सुरक्षा रिपोर्ट में देहरादून के लिए चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार देहरादून का महिला सुरक्षा सूचकांक केवल 60.6 फीसदी रहा जो राष्ट्रीय औसत 64.6 फीसदी से भी कम है। वहीं, कोहिमा जैसे शहर जहां सुरक्षा सूचकांक 82.9 फीसदी है, वहां की तुलना में देहरादून काफी पीछे नजर आया। महिलाओं से विभिन्न मामलों में पूछे गए सवालों के आधार पर यह सर्वे हुआ। सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि दून की केवल 50 फीसदी महिलाएं शहर को बहुत सुरक्षित या सुरक्षित मानती हैं जबकि अन्य शहरों में यह औसत 60 फीसदी है। वहीं 41 फीसदी महिलाओं ने शहर को सुरक्षित बताया न असरक्षित।

सार्वजनिक स्थानों पर उत्पीड़न की घटनाएं भी दर्ज हुई

इसके अलग करीब 10 फीसदी महिलाएं खुद को असुरक्षित या बहुत असुरक्षित महसूस करती हैं। दिन के समय 70 फीसदी महिलाएं सुरक्षित महसूस करती हैं लेकिन रात होते ही यह संख्या घटकर 44 फीसदी रह जाती है। सार्वजनिक स्थानों पर उत्पीड़न की घटनाएं भी दर्ज हुईं। देहरादून में छह फीसदी महिलाएं उत्पीड़न का शिकार हुई जिनमें से कई बार-बार ऐसी घटनाओं से गुजरीं। सबसे अधिक मामले मौखिक उत्पीड़न (अपशब्द कहना) के रहे। महिला-अनुकूल ढांचे और परिवहन व्यवस्था

पर भी स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कड़े कानून, बेहतर रोशनी, सुरक्षित परिवहन और महिला-अनुकूल ढांचे को प्राथमिकता देकर ही दून को महिलाओं के लिए सरक्षित बनाया जा सकता है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा, राष्ट्रीय महिला आयोग की रिपोर्ट से महिला सुरक्षा के लिए भाजपा सरकार के दावे खोखले साबित हुए हैं। रिपोर्ट में देहरादून को देश के सबसे असुरक्षित शहरों में गिना गया है।

यह केवल आंकड़ा नहीं है, हमारी बेटियों की टूटी हुई उम्मीदें, उनका डर है। माहरा ने कहा, प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। छेड़छाड़, उत्पीड़न, दुष्कर्म और घरेलू हिंसा की घटनाओं को रोकने में सरकार विफल साबित हो रही है। भाजपा नैतिकता की बात करती है, लेकिन हकीकत यह है कि भाजपा नेताओं और पदाधिकारियों का दामन दागदार है। सल्ट, लालकुआं, चंपावत और संतरेसा में दुष्कर्म की घटनाओं में भाजपा नेताओं पर आरोप लगे हैं। हरिद्वार में भाजपा की ही महिला पदाधिकारी अपनी बेटी का शोषण करवाती रही। अंकिता भंडारी हत्याकांड में आज तक वीआईपी का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया। राष्ट्रीय महिला आयोग की रिपोर्ट ने भाजपा सरकार के झूठे दावों का पर्दाफाश किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है, लेकिन पीड़िता को न्याय नहीं मिल रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 2 सितंबर- 2025

इकॉनमी के लिए नई संभावनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर बैठक में जब हिस्सा लेने पहुंचे तो वहां का उत्साह देखते ही बन रहा था। उनकी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रविवार को हुई द्विपक्षीय बातचीत पर दुनिया भर की नजरें टिकी थीं तो वह बेवजह नहीं था। सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई बातचीत ने न केवल दोनों देशों के रिश्तों में बढ़ते सामंजस्य को प्रक्रिया को प्रगाढ़ किया है बल्कि कई तरह की अनिश्चितताओं के बीच ग्लोबल इकॉनमी के लिए भी नई संभावनाएं पैदा की हैं। जिसे एक शुभ संकेत माना जा रहा है। इस बातचीत के बाद से आज शेयर बाजार में ही आई हरियाली स्पष्ट दिखाई दे रही है। पीएम मोदी का यह चीनी दौरा 2020 में हुई गलवान घाटी की झड़प के बाद पहला दौरा है। दोनों देशों के बीच उक्त झड़प के बाद से ही खटास आ गई थी। इसलिए दोनों देशों के रिश्तों के मद्देनजर यह सवाल स्वाभाविक था कि इस बैठक में दोनों शीर्ष नेताओं के बीच बनी सहमति कितनी और कब तक टिकी रहने वाली है। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ घोषणाओं ने जिस तरह के असामान्य हालात पैदा किए हैं, उससे दोनों नेताओं की बातचीत की अहमियत को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है। इस तरह के माहौल के बीच मोदी और शी की बातचीत ने कई स्तरों पर बहुत ही सकारात्मक संकेत दिए हैं। पीएम मोदी का यह कहना काफी अर्थपूर्ण माना जा रहा है कि भारत और चीन दोनों ही देश सामरिक स्वायत्तता रखते हैं और इनके आपसी रिश्तों को किसी तीसरे देश के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। बता दें कि ट्रंप ने भारत पर जो 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, उसके लिए उन्होंने तीसरे शक्तिशाली देश रूस के साथ भारत के रिश्तों को ही आधार बनाया है। इस बयान के जरिए पीएम मोदी ने एक तरह से यह संकेत दिया है कि सामरिक स्वायत्तता का सम्मान करते हुए ही द्विपक्षीय रिश्ते आगे बढ़ सकते हैं। इन सबके बावजूद यह मानना गलत होगा कि अमेरिका से टैरिफ के सवाल पर तनाव बढ़ने के कारण भारत और चीन करीब आ रहे हैं। सच यही है कि गलवान झड़प के रूप में आई एक बड़ी अड़चन के बाद भी दोनों देशों ने बातचीत के जरिए गलतफहमियों और मतभेद दूर करने की कोशिश नहीं छोड़ी। इस निरंतर प्रयास का ही नतीजा है कि धीरे-धीरे मतभेद कम होते रहे और पिछले साल सीमा पर दोनों देशों की सेनाओं के डिसइंगेजमेंट को लेकर भी सहमति बन गई। रविवार की बैठक में दोनों नेताओं ने इस पर संतोष जाहिर किया कि पिछले साल कजान में हुई शिखर बैठक के बाद से रिश्तों में लगातार सुधार जारी रहा। यह भी शुभ संकेत है कि अब हाथी और ड्रैगन के साथ आने की संभावना रेखांकित की जाने लगी है। हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा एक बार फिर गूंजने लगा है। लेकिन इसके लिए अभी दोनों देशों को लंबी दूरी तय करनी होगी, बहुत सारे मतभेद और विवाद दूर करने होंगे। हालांकि इसका अंदाजा दोनों पक्षों को है। तभी बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया है कि मतभेद को मतभेद की तरह ही लिया जाना चाहिए न कि मनभेद की तरह।

क्या वापस गूंजेंगे गगन में हिंदी चीनी भाई भाई

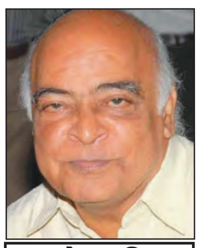
अशोक भाटिया

क्या 1954 का वह नारा फिर बुलंद होगा? क्या हिंदी-चीनी वाकई भाई-भाई साबित होंगे? दरअसल जब यह नारा गूंजा था, तो चीन ने भारत की पीठ में छुरा भी घोंपा था। हमें 1962 का युद्ध झेलना पड़ा, पराजित हुए और हजारों वर्ग किलोमीटर भूमि पर चीन ने कब्जा भी कर लिया। वह कब्जा आज भी यथावत है। वह कालखंड बहुत पीछे गुजर चुका है। आज न तो 1962 वाला दरिद्र-सा भारत है और न ही भारत की तुलना में चीन इतना ताकतवर है कि जहां चाहे, कब्जा कर ले। पूर्वी लद्दाख का ताजा उदाहरण हमारे सामने है। करीब 4-5 साल के टकराव और तनाव के बाद, अंततः, भारत और चीन में आपसी समझौता हुआ है। चीन आक्रांता था। हमें अपने देश की सीमाओं और जमीन की रक्षा करनी थी, लिहाजा चीन को झुकना पड़ा है और भारत के पक्ष को मानने को बाध्य होना पड़ा है। सेना और राजनयिक स्तर की 31 उच्च स्तरीय बैठकों के बाद यह सर्वसम्मति बनी है कि अप्रैल, 2020 की स्थितियों को बहाल करना होगा। दोनों सेनाएं उस बिंदु तक पीछे हटेंगी। अभी तक हालात ऐसे थे कि भारत-चीन के करीब 50,000 सैनिक (प्रति पक्ष) तैनात थे। वे हथियारबंद थे। तोपखाने के सामने तोपखाना तैनात था। टैंक के मुकाबले टैंक था। यह बराबर की तैनाती बेहद तनावपूर्ण थी। जून, 2020 में गलवान घाटी में चीन ने एकतरफा हमला किया, जिसमें भारत के 20 जांबाज सैनिक 'शहीद' हुए, लेकिन भारत ने जल्द ही पलटवार किया और चीन के 40-45 सैनिक ढेर कर दिए। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और सूचना-तंत्र ने इस पलटवार के खुलासे किए। रूस ने भी दुनिया के सामने स्पष्ट किया कि चीन के सैनिक मारे गए हैं। यह दीगर है कि चीन ने आज तक इसे स्वीकार नहीं किया। लद्दाख के टकराव और तनावग्रस्त माहौल में गलवान ही निर्णायक बिंदु साबित हुआ। अंततः चीन ने महसूस किया कि वह इस बार के युद्ध में भारत से जीत नहीं सकेगा। भारत अब सैन्य स्तर पर ताकतवर देश बन चुका है। चीन के सैनिकों ने डोकलाम पठार के टकराव में भी भारत की ताकत का अनुभव कर लिया था।

लद्दाख क्षेत्र में कुछ और टकराव भी हुए, जिनमें हमारे सैनिकों ने चीनियों को जमकर पीटा और उसके कब्जाई मंसूबों को नाकाम कर दिया। कमाल की बात यह है कि एक ओर युद्ध-सी स्थितियां थीं, लेकिन दूसरी तरफ चीन भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बना रहा। हालांकि वह कारोबार निरंतर घाटे का रहा है। आयात-निर्यात में व्यापक असमानताएं हैं। बहरहाल तमिलनाडु के महाबलीपुरम में 2019 में प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच आखिरी द्विपक्षीय बातचीत हुई थी। चूंकि अब महत्वपूर्ण समझौता हुआ है और उसकी प्रक्रिया चरणबद्ध रूप से शुरू होगी, लिहाजा रूस में 'ब्रिक्स शिखर सम्मेलन' के दौरान भारत और चीन के शीर्ष नेताओं के दरमियान एक बार फिर द्विपक्षीय संवाद हुआ है, तो फिलहाल मानना चाहिए कि पांच साल तक जाम रही बर्फ अब पिघलने लगी है। यह वैश्विक स्तर पर युद्ध और घोर तनाव का दौर है। रूस, भारत, चीन तीनों देश ही 'ब्रिक्स' के संस्थापक हैं। यदि वे आपस में ही टकराव करते रहेंगे, तो पश्चिम का मुकाबला नहीं कर पाएंगे और 'ब्रिक्स' एक वैश्विक स्तर का मंच नहीं बन पाएगा। मौजूदा टकरावपूर्ण क्षेत्र में पेंगोंग लेक उत्तर और दक्षिण, गलवान, हॉट स्प्रिंग, गोगरा आदि से भारत-चीन की सेनाएं पहले ही हट चुकी हैं। डेपसांग और डेमचौक में अभी स्थिति यथावत है। सेनाएं किस बिंदु तक गश्त कर पाएंगी, यह अभी स्पष्ट होना है। अभी सर्दी का मौसम उस क्षेत्र में शुरू हो चुका है, लिहाजा सेनाओं की गश्त सीमित रह सकती है, लेकिन गर्मियों के दौरान स्पष्ट होगा कि समझौता जमीन पर कितना कारगर होता है? अभी हिंदी-चीनी, भाई-भाई के सपने नहीं पालने चाहिए। बेशक भरोसा करना चाहिए और विश्वास बहाली की सार्थक कोशिशें करनी चाहिए, लेकिन चीन की फितरत को दुनिया देख चुकी है, लिहाजा अभी से भरोसा करना गंभीर गलती होगी, यह देश के रक्षा विशेषज्ञों का मानना है। चीन के अंदरूनी हालात भी अच्छे नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है। बेरोजगारी के कारण असंतोष है। विकल्प के तौर पर भारत उभर रहा है और विश्व की बड़ी कंपनियां यहां अपने उत्पादन-केंद्र स्थापित कर रही हैं। चीन इस चुनौती को समझता है। बहरहाल समझौते का स्वागत है। देखते हैं कि चीन की फितरत में कोई बदलाव आया है अथवा नहीं।

दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से उपजे हालात के बीच चीनी विदेशमंत्री वांग यी का भारत दौरा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा की चर्चा ने एक बार फिर दोनों देशों के रिश्तों को चर्चा में ला दिया है। ऐसा लगता है कि ट्रंप के दबाव का मुक़ाबला करने के लिए भारत का चीन के साथ संबंध सुधारने के अलावा कोई चारा नहीं है। मोदी सरकार की चीन नीति में साफ़-साफ़ यूटर्न नज़र आ रहा है। ऐसे में सवाल ये है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) और भारतीय जनता पार्टी (BJP) के उस कथित राष्ट्रवादी प्रचार का क्या होगा जो चीन को दुश्मन बताते हुए दीवाली पर चीनी झालरों के बहिष्कार की वकालत करता है? सवाल यह भी है कि क्या भारत की विदेश नीति पेंडुलम बन गई है, जो कभी अमेरिका की ओर झुकती है, तो कभी चीन की ओर?

7 मई 2025 को पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, जो 10 मई तक चला। इस अभियान में भारत ने पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। लेकिन चर्चा है कि चीन की सैन्य तकनीकी मदद के कारण पाकिस्तान इस मुकाबले में टिका रहा। भारत के कुछ लड़ाकू विमान भी गिराए गए, जिसे सेना ने स्वीकार किया, हालांकि सटीक संख्या का खुलासा नहीं हुआ। इस दौरान न केवल पाकिस्तान, बल्कि चीन भी भारत के निशाने पर था।

27 मई को गांधीनगर में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने बिना नाम लिए चीन पर तंज कसा था। उन्होंने कहा, "अब हम कोई विदेशी चीज का उपयोग नहीं करेंगे। हमें गांव-गांव व्यापारियों को शपथ दिलवानी होगी कि विदेशी सामानों से कितना भी मुनाफा क्यों न हो, कोई भी विदेशी चीज नहीं बेचेंगे। लेकिन दुर्भाग्य देखिए, गणेश जी भी विदेश से आ जाते हैं। गणेश जी की आंख भी नहीं खुल रही है।" यह 'छोटी आंख' वाला बयान, जिसे नस्लीय टिप्पणी के रूप में देखा गया, स्पष्ट रूप से चीन पर निशाना था। यह स्वदेशी अपील 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देने के लिए थी जिसके लिए चीनी सामानों का बहिष्कार ज़रूरी बताया जा रहा था। लेकिन ढाई महीने बाद ही स्थिति बदलती दिख रही है। मोदी ने X पर पोस्ट किया, था कि मैं तियानजिन में SCO शिखर सम्मेलन में हमारी अगली मुलाकात का इंतजार कर रहा हूं। भारत और चीन के बीच स्थिर, भरोसेमंद और रचनात्मक संबंध क्षेत्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और समृद्धि में बड़ा योगदान देंगे।SCO की स्थापना 2001 में चीन, रूस, कजाकिस्तान, किर्गिजस्तान, उज्बेकिस्तान, और ताजिकिस्तान ने की थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में इसमें शामिल हुए। अब ईरान भी इसका हिस्सा है। यह ब्रिक्स के बाद दूसरा बड़ा मंच है, जहां भारत, चीन, और रूस सहयोग करते हैं। रूस ने वांग यी के दौरे और भारत-चीन रिश्तों में सकारात्मक बदलाव का स्वागत किया है। रूसी राजनयिक रोमन बाबुश्किन ने कहा कि ब्रिक्स और SCO में मजबूत सहयोग वैश्विक चुनौतियों का जवाब दे सकता है।

मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन की पाकिस्तान को सैन्य मदद ने भारत को नाराज किया था। देश के आला सैन्य अफ़सरों ने खुलकर कहा था कि चीन ने पाकिस्तान की हर तरह से मदद की। पाकिस्तान को लेकर चीन के रुख़ में अभी भी कोई तब्दीली नहीं आयी है। वांग यी के दौरे के बीच चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने भारत और पाकिस्तान को "महत्वपूर्ण पड़ोसी" बताते हुए चीन-पाकिस्तान रिश्तों को "हर मौसम में खरा उतरने वाला" करार दिया है। यह बयान दर्शाता है कि चीन भारत के साथ रिश्ते सुधारते हुए भी पाकिस्तान के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी बनाए रखना चाहता है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC), जिसमें 60 अरब डॉलर से अधिक का निवेश है, भारत के लिए चिंता का विषय है। मोदी का SCO सम्मेलन में शामिल होना और चीन के साथ कूटनीतिक जुड़ाव एक बड़ी मजबूरी की ओर इशारा कर रहा है। वैसे भारत ने हमेशा तनाव के बाद भी चीन के साथ बातचीत बनाए रखी, जैसे 2018 में वुहान और 2019 में महाबलीपुरम की अनौपचारिक मुलाकातें चीनी राष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री मोदी की मुलाक़ातें। लेकिन यह सवाल तो है ही कि क्या विश्वास की कमी और पाकिस्तान के साथ चीन की गहरी दोस्ती के बावजूद रिश्तों में गर्मी लाना संभव है?

ट्रंप ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया है जिसमें 25% दंडात्मक टैरिफ है, क्योंकि भारत रूस से तेल खरीद रहा है। ट्रंप का दावा है कि भारत रूसी तेल खरीदकर रूस की अर्थव्यवस्था को समर्थन देता है, जिससे यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच रहा है। हालाँकि रूस से चीन भी तेल ख़रीद रहा है।

लेकिन ट्रंप के आर्थिक सलाहकार पीटर नवारो ने इनेंशियल टाइम्स में लिखा कि चीन रूस से सस्ता तेल लेकर अपनी जनता को लाभ देता है, जबकि भारत के उद्योगपति इसे विदेशों में बेचकर मुनाफाखोरी करते हैं। भारत ने 2024 में रूसी तेल से 25 अरब डॉलर की बचत की, और 2022-24 में 132 अरब डॉलर का तेल आयात किया।

सत्ता का अधिपत्य नहीं, सांस्कृतिक चेतना है हिंदू राष्ट्र

सुरेश गांधी

मोहन भागवत का संदेश केवल भाषण नहीं, बल्कि भविष्य का खाका है। इसमें हिंदू राष्ट्र की व्यापक अवधारणा, शिक्षा-संस्कार की अनिवार्यता, सामाजिक सद्भाव और सेवा भाव जैसे बिंदु जुड़े हैं। भारत की आत्मा उसकी संस्कृति और परंपरा में है। यदि नई पीढ़ी इन मूल्यों को आत्मसात करेगी तो अगले तीन दशकों में भारत न केवल आर्थिक महाशक्ति बनेगा, बल्कि दुनिया का मार्गदर्शक भी होगा। आज भी संघर्ष जारी है, मगर हमें विश्वास है, भारत विश्वगुरु बनेगा और मानवता को नई दिशा देगा। मतलब साफ है डॉ. मोहन भागवत के विचार और संघ की शताब्दी वर्ष की व्याख्यान माला से स्पष्ट होता है कि संघ समय के अनुसार अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में बदलाव ला रहा है। यह बदलाव संगठनात्मक शक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के नैतिक, सांस्कृतिक और वैचारिक विकास पर केंद्रित है।

संघ का समावेशी दृष्टिकोण, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में योगदान आज अत्यंत प्रासंगिक है। समाज में एकजुटता, नैतिकता और समावेशिता से ही राष्ट्र सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकता है। शताब्दी वर्ष का यह संदेश न केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि पूरे देश के नागरिकों के लिए मार्गदर्शक है। राष्ट्र निर्माण केवल राजनीतिक निर्णयों या सत्ता संघर्ष से नहीं होता, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी, जागरूकता और सक्रिय भागीदारी से संभव है। या यूं कहे आरएसएस और डॉ. मोहन भागवत की यह यात्रा भारतीय समाज के समग्र विकास, सांस्कृतिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरणादायक मार्गदर्शन प्रस्तुत करती है

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का स्थापना वर्ष 1925 से लेकर आज तक भारतीय समाज और राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका उल्लेखनीय रही है। संघ ने समाज में नैतिकता, संस्कृति और सेवा के मूल्यों को मजबूत किया है। 2025 में संघ का शताब्दी वर्ष केवल संगठन की उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आया है। संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित तीन दिवसीय व्याख्यान माला '100 वर्ष की संघ यात्राः नए क्षितिज' में संघ की विचारधारा, कार्यशैली और भविष्य की दिशा पर विस्तार से विचार प्रस्तुत किए। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है : राष्ट्र निर्माण केवल सत्ता या राजनीति तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक, नैतिक और सांस्कृतिक जागरूकता के माध्यम से संभव है। डॉ. भागवत का यह संदेश वर्तमान समय में विशेष प्रासंगिक है, जब भारत के सामाजिक ताने-बाने में विविधता के बावजूद एकता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो गया है। उनका मानना है कि व्यक्ति और समाज दोनों का सशक्तिकरण राष्ट्र की मजबूती के लिए अनिवार्य है।

डॉ. भागवत ने 'हिंदू' की परिभाषा को पारंपरिक धार्मिक सीमाओं से हटाकर सांस्कृतिक और समावेशी दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। उनके अनुसार हिंदू केवल जातीय या धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन दर्शन और सांस्कृतिक मूल्य है। इस दृष्टिकोण से यह संदेश मिलता है कि हिंदूत्व में विविधताओं को स्वीकार करना और उनमें एकता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहाः "जो सबको साथ लेकर चलता है, वही हिंदू है।" यह विचार भारतीय समाज में रूढ़िवाद को चुनौती देता है और आधुनिक भारत में व्यापक पहचान स्थापित करता है।

हिंदूत्व केवल धार्मिक कर्मकांड या जातीयता तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के नैतिक मूल्यों, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़ा है। शताब्दी वर्ष की तैयारी में संघ ने दिल्ली विज्ञान भवन में तीन दिवसीय व्याख्यान माला आयोजित की। इस कार्यक्रम में डॉ. भागवत ने गंभीरता और संतुलन के साथ संगठन की विचारधारा, कार्यप्रणाली और भविष्य की दिशा को रेखांकित किया। यह आयोजन केवल संघ के भीतर के लोगों के लिए नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों के लिए एक आमंत्रण था, संवाद और विचार विमर्श के लिए।

संघ और भाजपा के संबंध

अक्सर यह कहा जाता रहा है कि संघ भाजपा को नियंत्रित करता है। डॉ. भागवत ने इसे पूरी तरह स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि संघ और भाजपा स्वतंत्र संस्थाएं हैं। संघ का उद्देश्य केवल समाज को जोड़ना और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना है, न कि सत्ता में भागीदारी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संघ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में कभी हस्तक्षेप नहीं करता। संघ का कार्य है समाज को नैतिक और वैचारिक रूप से सशक्त करना, ताकि नागरिक अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझ सकें। डॉ. भागवत ने रिटायरमेंट और उम्र पर भी अपनी राय दी। उनका कहना था कि उम्र केवल एक आंकड़ा है; यदि व्यक्ति सक्षम और सक्रिय है, तो 80 साल की उम्र में भी वह समाज और राष्ट्र के लिए काम कर सकता है। उन्होंने आदर्श परिवार संरचना में तीन बच्चों की सलाह दी, जिससे सामाजिक और आर्थिक संतुलन बनाए रखा जा सके।

काशी, मथुरा और ज्ञानवापी मुद्दे पर संघ की स्थिति

डॉ. भागवत ने काशी, मथुरा और ज्ञानवापी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर संघ की स्थिति स्पष्ट की। उनका कहना था कि संघ इन मुद्दों पर कोई आंदोलन नहीं करेगा, लेकिन स्वयंसेवक व्यक्तिगत रूप से अपने दृष्टिकोण और मान्यताओं के अनुसार आंदोलन में भाग ले सकते हैं। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से भी समझदारी और संवेदनशीलता बनाए रखने का आह्वान किया। यह दृष्टिकोण साम्प्रदायिक सौहार्द और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देता है। संघ केवल वैचारिक मार्गदर्शन देता है, प्रत्यक्ष संघर्ष या हिंसा में शामिल नहीं होता। संघ का यह दृष्टिकोण समाज के प्रत्येक व्यक्ति और समुदाय को संयम और समझदारी के साथ कार्य करने का संदेश देता है। यह भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक समरसता को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आरक्षण और सामाजिक समरसता

डॉ. भागवत ने आरक्षण के मुद्दे पर संतुलित दृष्टिकोण पेश किया। उन्होंने कहा कि निचले वर्गों को सशक्त बनाने के लिए आरक्षण आवश्यक है, लेकिन यह तब तक होना चाहिए जब तक वे स्वयं इसे लेने से इनकार न कर दें।

साथ ही उन्होंने सामाजिक मेल-जोल और समानता पर जोर दिया। उनका कहना था कि दलितों और पिछड़ों के साथ समानता और सम्मान के साथ व्यवहार करने से समाज में दूरी घटेगी और एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा। संघ का यह दृष्टिकोण केवल नीति तक सीमित नहीं है। यह समाज के आचरण और संस्कार को बदलने की दिशा में भी योगदान देता है। समावेशिता, न्याय और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से संघ भारतीय समाज में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में कार्य करता है।

विवाहिताओं की मौतों का सिर्फ दहेज जिम्मेदार नहीं कारण कुछ और भी हैं!

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही मे यूपी के ग्रेटर नोएडा के एक इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई एक विवाहिता निक्की की मौत ने एक बार फिर समाज के सामने दहेज के जिन्न को बोतल से बाहर लाकर खड़ा कर दिया है। हालांकि इसी घर में मौजूद निक्की की बड़ी बहन द्वारा जलती बहन को बचाने के स्थान पर रील बनाना और मृतका निक्की द्वारा मृत्यु पूर्व डाक्टर को जलने की वजह सिलेंडर लीकेज बताना मामले को पेचीदा बना रहे हैं। हालांकि बता दें कि आजकल आमतौर पर नी पीढ़ी की लडकियों में परिवार के सास ससुर यहां तक कि पति से समायोजन न कर स्वछंद और बिंदास रोका टोकी विहिन जीवन जीने की मानसिकता के चलते परिवार में तनाव और तलाक के मामलों में वृद्धि हो रही है वहीं इस पीढ़ी में तुनक मिजाजी अवसाद और मनमानी न होने पर आत्महत्या करने की प्रवृत्ति भी देखने को मिल रही हैं।

लेकिन सभी मामलों में ऐसा नहीं है। आज जब महिलाएं सभी क्षेत्रों में पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं और कुछ क्षेत्रों में तो पुरुषों से भी आगे निकल चुकी हैं, इसके बावजूद समाज में महिलाओं पर जिस प्रकार की अत्याचार की अमानवीय घटनाएं सामने आ रही हैं, वह सिर्फ निंदनीय ही नहीं है, बल्कि सभ्य समाज के मुंह पर कलंक है। आज भी समाज में कहीं महिलाएं दहेज के लिए जलायी जा रही है, कहीं सम्मान के लिए या विवाद के कारण उनकी हत्याएं की जा रही है। न देश में बलात्कार की घटनाएं कम हो रही है और न ही उनके साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाएं। पिछले कुछ दिनों के भीतर ही ऐसी कुछ घटनाएं सामने आयी है, जो यह बताने के लिए काफी है कि समानता की बात तो दूर की बात है, समाज में महिलाओं की की स्थिति काफी दयनीय है। उन पर तरह-तरह से अमानवीय अत्याचार और हैवानियत हो रही है। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से हाल ही में सामने आई घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के मेडचल जिले के मेडिपाली थाना इलाके से भी कुछ ऐसी ऐसी ही ही। दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला की उसके पति ने बेरहमी से हत्या कर दी। महिला गर्भवती थी। गर्भवती महिला की हत्या के बाद पति ने उसके शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और फिर शव के कुछ टुकड़े छुपा दिए और कुछ नदी में बहा दिए। मृतक महिला की पहचान स्वाति उर्फ ज्योति के रूप में की गई है। मृतक महिला के आरोपी पति का नाम महेंद्र रेड्डी है। जानकारी अनुसार घरेलू विवाद के चलते उसने अपनी गर्भवती पत्नी की हत्या की। पड़ोसियों ने घर से कुछ आवाजें सुनीं और कुछ मिनट बाद अंदर गए तो देखा कि स्वाति का शव टुकड़ों में कटा हुआ और एक बैग में रखा हुआ था। इसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और महेंद्र को हिरासत में ले लिया। ऐसी ही एक घटना मध्य प्रदेश को ग्वालियर में भी सामने आयी हैं। यहां दहेज के लालच में ससुराल वालों ने एक महिला पर ऐसे जुल्म ढाए कि जो कोई भी सुन रहा है, उसकी रूह कांप जा रही है। पति और ससुराल वालों ने पहले तो महिला को गर्म चिमटे और डंडों से पीटा और फिर कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पिला दिया। महिला की हालत गंभीर है और उसे इलाज के लिए दिल्ली के के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी अनुसार पीड़िता सोनाली की शादी के बाद से ही उसके ससुराल वाले गाड़ी की डिमांड को लेकर उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। एक महीने पहले, जब उनकी मांग पूरी नहीं हुई, तो पति, सास, ससुर और ननद ने मिलकर इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने सोनाली के पिता सतीश शर्मा की शिकायत पर पति समेत चार लोगों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कब तक हमारी बेटियां दहेज की बलि चढ़ती रहेंगी? संविधान, कानून और जागरूकता अभियानों के बावजूद दहेज प्रथा आज भी समाज की नसों में जहर की तरह फैली हुई है। भारतीय समाज में विवाह को एक पवित्र बंधन माना जाता है, लेकिन समय के साथ इस पवित्र बंधन को दहेज जैसी कुप्रथा ने कलंकित कर दिया। प्रारंभिक दौर में दहेज 'कन्यादान' के रूप में था, जिसमें माता-पिता बेटी को अपनी हैसियत के अनुसार कुछ उपहार देते थे। परंतु धीरे-धीरे यह उपहार लालच और दिखावे की भेंट चढ़ गया और आज यह ऐसी व्यवस्था बन चुकी है, जिसमें लड़की के परिवार पर भारी आर्थिक बोझ डाला जाता है। भारतीय समाज में दहेज प्रथा एक ऐसी ऐसी कुरीति है, जो न केवल स्त्री के सम्मान और अस्तित्व को चोट पहुंचाती है, बल्कि उसकी जान तक ले लेती है। सरकारी आंकड़े इस भयावह सच्चाई की गवाही देते हैं। हर दिन औसतन 20 महिलाएँ दहेज की वजह से अपनी जान गंवा देती हैं। 22 सालों में लगभग 1.8 लाख महिलाओं की मौत दहेज के कारण हुई।

वे कभी ग़लत नहीं होते!

डा. प्रदीप उपाध्याय

गाँव में दो माखनलाल हैं। दोनों के पिता का नाम भी एक ही दहीलाल, गाँव भी एक ही दूधिया। अब अपराध हुआ तो पुलिस किसे पकड़ती? नाम तो एक ही है, पिता भी वही, गाँव भी वही। फरियादी का काम बस रपट लिखाने तक ही,बाकी भार पुलिस अपने मजबूत कंधों पर ढोती आई है और इसीलिए कभी अपराधी को पहचानने के लिए ज्योतिषी या पंडित की सेवा नहीं ली? क्योंकि वैसे भी वे कभी ग़लत नहीं होते!

थाने में हाजिरी देने आए बेचारे माखनलाल को पुलिस ने पकड़ लिया। उसने रोते-रोते कहा-"साहब, गुनाह तो किसी और ने किया है, मैं तो भैंस चराने गया था।" पुलिस ने समझाया-"बेटा, गलती तेरी नहीं, पर तेरे नाम की तो है। जब नाम रखने वाले ने इतनी बड़ी लापरवाही की, तो भुगतना तो किसी न किसी को पड़ेगा ही। कानून कहता है अपराधी को सज़ा मिलनी चाहिए, लेकिन नाम का डुप्लीकेट बनने का दंड तुझे भोगना पड़ेगा।"

अब कोई कहे कि "आधार कार्ड क्यों नहीं देखते?" तो पुलिस का जवाब तैयार है-"देख लेते भाई, पर थाने की मशीन पाँच साल से खराब पड़ी है। बिजली विभाग ने बिल न भरने पर कनेक्शन काट दिया। बायोमेट्रिक तो तभी काम करेगा जब बिजली हो।"

किसी ने सलाह दी-"साहब, पैन कार्ड देख लीजिए।"

थानेदार ने ठंडी साँस भरी-"पैन कार्ड की फोटो तो ऐसी धुंधली होती है कि अपराधी हो या अभिनेता, कोई भी हो एक जैसा लगता है। वोटर कार्ड पर तो वही नाम, वही पिता का नाम उससे क्या हल होगा? और वैसे भी इन हरामियों के पास कहां पैन कार्ड रहेगा!"

दरअसल समस्या पुलिस की नहीं, नाम रखने वालों की है। सरकार चाहती है कि हर आदमी की पहचान आधार नंबर से हो, मगर अपराधी पकड़ते समय पुलिस मजबूरी में वही पुराना फार्मूला अपनाती है-" पहले पहल जो धरा गया वही अपराधी।"

अगर बेचारी पुलिस सही गलत के चक्कर में पड़ने लग जाए तब तो यही नामकरण विभाग ही खोलना पड़ जाए, जहाँ हर नाम के आगे सीरियल नंबर जैसी व्यवस्था करनी पड़े यथा एडवर्ड प्रथम,एडवर्ड द्वितीय लिखेंगे तभी जाकर फर्क समझ आएगा।

लेकिन इन मीडिया वालों का क्या करें! समाचार चैनल ब्रेकिंग न्यूज देते हैं और अपनी टीआरपी बढ़ाते रहते हैं-"गाँव में एक ही नाम के दो व्यक्ति! अपराधी कौन !पुलिस ने किसे पकड़ा? देखिए एक्सक्लूसिव रिपोर्ट, सिर्फ हमारे चैनल पर!"

अन्य चैनल पर बहस चलेगी जिसमें एंकर गरजेगा- "देश जानना चाहता है कि दो माखनलाल क्यों? क्या यह नामकरण में घोटाला है? क्या सरकार इसके लिए जिम्मेदार है? हमारे साथ पैनल में हैं चार प्रवक्ता, पाँच विशेषज्ञ और सात चिल्लाने वाले" सोशल मीडिया पर भी ट्रोल्स की बौछार होने लगती है

एक ने ट्वीट किया #माखनलाल जस्टिस नाम बदलो या जेल जाओ!"

दूसरे ने लिखा-"आधार है तो इंतजार है। मशीन चालू हो तब तक अंदर बैठो।"

तीसरे ने मिम्स बना दी-माखनलाल की फोटो पर लिखा-"तू ही अपराधी है, क्योंकि तेरे नाम का डुप्लीकेट भी है।"

ऐसे में पुलिस करे भी तो क्या करे? अदालत चाहे बाद में छोड़ दे, लेकिन गिरफ्तारी तो थाने की प्रतिष्ठा है, सम्मान है। वरना अखबारों और चैनलों में क्या छपेगा?

"पुलिस ने नाम की गुत्थी सुलझाने तक इंतजार किया, अपराधी पार्टी करता रहा।"

इसलिए पुलिस ने वही किया जो आसान था,माखलाल को पकड़ लिया।किसी न किसी को तो पकड़ना ही पडता है!

आखिर विकल्प क्या था?यदि सही अपराधी की तफ़तीश में लगे रहते तो निकम्मेपन का ठप्पा न लग जाता। अब भले ही फरियादी ने कोर्ट पहुंचकर निर्दोष माखनलाल को छुड़वाकर आरोपी माखनलाल को अंदर करवा दिया हो तब भी बेचारी पुलिस दया की पात्र तो है ही!

क्योंकि पुलिस की भी मजबूरी है, नाम एक, गाँव का नाम एक, पिता का नाम एक अब अपराधी चाहे कोई भी हो, थाने में हाजिर तो वही होगा जो पहले हाथ लग

ऊपर उठ गए लोग

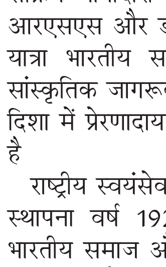
डॉ टी महादेव राव

प्रचार के लिए प्रत्याशी एक घर के सामने खड़े उस घर की गृहिणी से कह रहा था देखो हम तुम्हें मुफ्त राशन देंगे, गैस भी फ्री में, दवा दारू भी मुफ्त। हमें ही वोट दोगी न?

न। हम इस बार किसी और पार्टी को वोट देने की सोचे हैं।

अरे वो लोग तुम्हारी जमीन, तुम्हारे मंगलसूत्र तक छीन लेंगे। तुमसे लूटकर किसी और को दे देंगे। तुमको भिखारी बना देंगे।

अभी हम कौन से अमीर हैं जो गरीब बना देंगे। हमारा मंगल सूत्र तो नोट बंदी में बेच दी गई। कान और नाक का सोना भी इस महंगाई में बिक गए। रहा सहा बस यह झोपड़ी है, मेरे पति हैं और मेरे बच्चे हैं। रही बात लूटके दूसरों को देने की तो आप अच्छी तरह जानते हो कौन लूटके अपने दोस्तों और सेठों को दे रहा है।

हम राशन, गैस, दवा तो मुफ्त दे रहे हैं न?

लेकिन तेल, सब्जियां और सामान हमें इस महंगाई में किस तरह खरीदना पड़ता है, यह हम जानते हैं, हमारा भगवान जानता है। आपके मुफ्त वाली बात तो ऐसे हो गई है कि जीते जी मुर्गे के सारे पंख नोंच डाले और चीखते चिल्लाते मुर्गे को आधी मुट्ठी अनाज खिला दिए। अब रहने दो, मुंह न खुलवाओ। सड़कों की हालत देखो। गटर का हाल क्या है? मुफ्त मुफ्त कहकर हमारा काम धंधा चौपट कर दिए। कोई काम नहीं। मर्द सारे नौकरी और मजदूरी के बिना दारू पीकर पड़े हैं। जिंदगी का बेड़ागर्क हो गया और आपको मंगलसूत्र की पड़ी है?

वे लोग तुम्हें जीते जी नर्क दिखाएंगे। सड़कें, गटर हम ठीक करवाएंगे। तुम लोगों को पक्के मकान बनवाकर देंगे।तुम्हारी जिंदगी खुशहाल हो जाएगी।

यही रटी रटाई बातें दस साल से सुना रहे हो। तब में और अब में क्या कोई फ़र्क है। हम तो बस और भी बदतर हालत में पहुंच रहे हैं दिन ब दिन। इससे बड़ा नर्क और क्या होगा?

तुम समझने की कोशिश करो। वे आयेंगे तो यह मुफ्त वाली रेवड़ियां नही होंगी। सारी सुविधाएं जो हम दे रहे हैं नहीं होंगी।

इन सब चीजों को आप सुविधाएं कहते हैं? लोगों को आलसी, लाचार, बेरोजगार बनाना सुविधा है? कोई नौकरी नहीं। कोई रोजगार नहीं। पीढ़ियां यूं ही बेकार हो जाएंगी। आप बताओ पिछले बार जो कहे थे कि मोहल्ले के सारे जवान बच्चों को नौकरियां दिलाएंगे, उसका क्या हुआ?

इस बार हमारा मुद्दा यही नौकरी है। तुम देखना हम कितने रोजगार दिलाते हैं?

लेकिन आपके घोषणापत्र में तो कहीं भी रोजगार मुहैया कराने की बात नहीं है। उद्योगों की स्थापना की बात नहीं है। आप उपक्रमों और बैंकों को तो लगातार बेचे जा रहे हो। फिर कहां से दोगे रोजगार?

तुमने शायद हमारा घोषणापत्र ठीक से नहीं पढ़ा।आप शायद नहीं जानते कि मैं आपसे अधिक पढ़ी लिखी हूं और घोषणापत्र भी आप लोगों ने जो बड़ा ही आकर्षक, मनमोहक बनाया है ऊंची दुकान फीका पकवान वह भी मैंने अच्छे से देखा है।

कहां तक पढ़ी हो?

तुम्हारी क्लासमेट थी। तुम दसवीं की परीक्षा फेल होकर गुंडा गर्दी की पढ़ाई में चले गए। मैंने बी एस सी की है। समझे। दसवीं में तुम्हारी करतूतें बताऊंगी तो ये सारे कार्यकर्ता भाग खड़े होंगे। यहाँ से निकल लो तो ही बढ़िया रहेगा।

हाइट बढ़ाने का प्राकृतिक तरीका

लगातार खाएं 11 फूड, तेजी से बढ़ेगा रुका हुआ कद

हाइट बढ़ाने के लिए किशोरावस्था में खानपान का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ऊंचे लंबे कद के लिए कैल्शियम, विटामिन डी, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों की जरूरत होती है। ये आपको 11 फूड्स के अंदर मिल जाते हैं, जिन्हें लगातार खाना चाहिए।

हाइट बढ़ाने का नेचुरल तरीका लंबी हाइट वालों का हर जगह दबदबा रहता है। इसलिए हर कोई चाहता है कि उसका कद लंबा हो। ईकोनॉमिक्स एंड ह्यूमन बायोलॉजी में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक आपकी हाइट 60 से 80 प्रतिशत आपकी फैमिली के जीन्स पर टिकी होती है। लेकिन इसमें भी कोई दोराय नहीं कि पोषण और एक्सरसाइज इसे बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। अगर आप विकास की उम्र में हैं और जीन्स भी अच्छे हैं तो इन 11 फूड का सेवन जरूर करें। यह हाइट रुकने की संभावना खत्म कर देंगे।

रात में दूध पीना

हाइट बढ़ाने के लिए हड्डियों का बढ़ना जरूरी है। इसके लिए आपको कैल्शियम और विटामिन डी चाहिए। दूध और उससे बनने वाली दही, पनीर आदि में दोनों न्यूट्रिएंट होते हैं। 2019 का एक शोध बताता है कि जिन लोगों की डाइट में टीनएज में ज्यादा डेयरी प्रोडक्ट्स होते हैं, उनकी हाइट और हड्डियां मजबूत होती हैं। रात में दूध पीने से कैल्शियम का अवशोषण ज्यादा होता है।

रागी

यह अनाज दूध से 3 गुना ज्यादा कैल्शियम देता है और इसमें ग्लूटेन भी नहीं होता। इस वजह से हर कोई बिना चिंता के इसे खाकर पचा सकता है। किशोरावस्था में रागी खाने से बॉडी की ग्रोथ अच्छी होती है। रागी की खिचड़ी या दलिया बनाकर नाश्ते में खाना ज्यादा अच्छा होता है।

अंडा

हाइट बढ़ाने के लिए प्रोटीन भी बहुत जरूरी है, जिसे अंडा खाकर ले सकते हैं। इसमें आपको विटामिन डी भी मिल जाएगा, जो दूसरे कैल्शियम फूड्स का पाचन बढ़ा देगा। इसे नाश्ते में खाने से पूरे दिन के लिए ताकत और एनर्जी मिलती है।

अंकुरित दाल

दाल में विटामिन बी, आयरन, फाइबर और प्रोटीन प्रचुर होता है। कई सारे शोध मानते हैं कि इन्हें खाकर शरीर का संपूर्ण विकास होता है और वजन भी मेंटेन रहता है। हाइट बढ़ाने के लिए आपका मोटापे से दूर रहना बहुत जरूरी है। इसे आप मिड मॉर्निंग स्नैक में खा सकते हैं।

सोया

सोया में प्लांट प्रोटीन का सबसे बढ़िया प्रकार होता है। यह आईजीएफ-1 हॉर्मोन को सपोर्ट करता है जो हड्डियों के विकास के लिए बहुत जरूरी है। आप सोया मिल्क, सोया चंक को शाम के खाने या नाश्ते में ले सकते हैं।

इन चीजों को भी खाएं

बादाम-अखरोट, केला, पालक और हरी पत्तेदार सब्जियां, चिकन-मछली, अश्वगंधा और पपीता का सेवन भी जारी रखें। इनमें भी हाइट को बढ़ाने वाले गुण होते हैं।

पेशाब आने पर उसे कंट्रोल नहीं कर पाते 5 तरह के लोग

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें एक शख्स रनवे के किनारे देसी स्टाइल में पेशाब करने लगा। इस वीडियो को फ्लाइट के कॉकपिट से पायलट बना रहे थे, जो कि दरभंगा एयरपोर्ट का बताया जा रहा है। फ्लाइट कुछ देर में उड़ने वाली थी और उसमें यात्री चढ़ रहे थे, वीडियो देखकर लगता है कि यह शख्स भी इसी फ्लाइट में जाने वाला था। लेकिन पेशाब के जोर की वजह से उसे वहीं करना पड़ा।

मरीज को हो सकती है समस्या

इस वायरल वीडियो को देखकर लोग काफी हंस रहे हैं और मजाक बना रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कई बीमारियों में पेशाब को कंट्रोल कर पाना बहुत मुश्किल होता है। कई बार तो यह कपड़ों में भी निकल जाता है। अक्सर बुढ़ापे के कारण ऐसा होना आम है। आइए ऐसी ही 5 स्थितियों के बारे में जानते हैं।

डायबिटीज के मरीज

बार बार और जोर से पेशाब आने की वजह डायबिटीज हो सकती है। टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज का यह प्रमुख लक्षण है। जब इंसुलिन का इस्तेमाल ना होने पर खून में शुगर बढ़ने लगती है तो शरीर उसे पेशाब के रास्ते बार बार बाहर निकालता रहता है।

प्रोस्टेट बढ़ने से परेशान पुरुष

यह पुरुषों में ज्यादा यूरीन आने का कारण है। इसमें प्रोस्टेट ग्रंथि बढ़ने से यूरिनरी सिस्टम और ब्लैडर पर दबाव पड़ता है। जिससे पेशाब का प्रेशर जोर से लगता है। यह समस्या अक्सर 50 साल के बाद पुरुषों में शुरू होती है। यह प्रोस्टेट कैंसर का लक्षण भी हो सकता है।

यूरिनरी और पेल्विक कंडीशन के शिकार

अगर आप यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन, कमजोर पेल्विक मसल्स या बैक्टीरियल वैजिनोसिस जैसी इंफ्लामेशन से पीड़ित हैं कई बार पेशाब का तेज प्रेशर लग सकता है। यह समस्याएं ज्यादातर महिलाओं को होती हैं।

नर्वस सिस्टम के मरीज

कई सारे न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर के कारण भी पेशाब कई बार आता है। क्योंकि नर्वस सिस्टम और ब्लैडर साथ काम करते हैं और नर्व्स डैमेज होने की वजह से ब्लैडर में भी दिक्कतें होने लगती है। जिसकी वजह से सामान्य से ज्यादा पेशाब आने लगता है। फाइब्रोमायल्जिया, स्पाइनल कॉर्ड इंजरी और स्ट्रोक में ऐसा हो सकता है।

ये दवाएं लेने वाले लोग

कई सारी दवाएं लेने पर पेशाब करने की फ्रीक्वेंसी बढ़ सकती है। इसमें अल्फा ब्लॉकर, एंटी हिस्टामाइन, कैल्शियम चैनल ब्लॉकर, ड्यूरेटिक्स, लिथियम, एसएसआरआई, एसजीएलटी2 आदि हो सकती हैं। शराब या कैफीन की लत की वजह से भी यह हो सकता है।

क्या आप भी दांत दर्द से परेशान हैं?

इन तीन घरेलू नुस्खों से तुरंत मिलेगा आराम

कुछ लोग अक्सर दांत के दर्द से परेशान रहते हैं। कई बार ये दांत का दर्द इतना अधिक होता है कि इसका दर्द असहनीय हो जाता है। यह दर्द इतना तीखा और असहनीय हो सकता है कि खाना-पीना तो दूर, सामान्य काम करना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में हर कोई यही सोचता है कि तुरंत डॉक्टर के पास कैसे जाया जाए। लेकिन, अगर किसी कारणवश तुरंत डॉक्टर से मिलना संभव न हो, तो कुछ घरेलू नुस्खे काम आ सकते हैं।

ये नुस्खे दांतों में होने वाले दर्द, सूजन, और संक्रमण से तुरंत राहत दिला सकते हैं। दांत दर्द के मुख्य कारणों में कैविटी, मसूड़ों का संक्रमण, और सूजन शामिल हैं, और ये नुस्खे इन समस्याओं से लड़ने में मदद करते हैं। आइए इस लेख में ऐसे ही तीन असरदार उपायों के बारे में जानते हैं, साथ ही ये भी जानेंगे कि दांत का ख्याल कैसे रखना चाहिए।

लहसुन का पेस्ट

लहसुन में एलिसिन नामक एक प्राकृतिक यौगिक होता है, जिसमें शक्तिशाली एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। यह दांत दर्द पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करता है। इसके लिए लहसुन की एक कली को पीसकर उसका पेस्ट बना लें और इसे सीधे दर्द वाले दांत पर लगाएं। इसे कुछ मिनट तक लगा रहने दें, आपको जल्द ही दर्द से राहत महसूस होगी।

नमक पानी से कुल्ला

दांत दर्द के लिए नमक का पानी एक सबसे पुराना और प्रभावी उपाय है। गर्म पानी में नमक मिलाकर कुल्ला करने से मुंह में मौजूद बैक्टीरिया मर जाते हैं और मसूड़ों की सूजन कम होती है। यह दर्द से तुरंत आराम देता है और मुंह को संक्रमण से बचाता है।

लौंग का तेल

लौंग का तेल दांत दर्द के लिए एक जादुई इलाज माना जाता है। इसमें यूजेनॉल नामक एक तत्व होता है, जो एक प्राकृतिक एनेस्थेटिक (बेहोशी लाने वाला) है। आप छोटे से रुई के टुकड़े पर लौंग के तेल की कुछ बूंदें डालें और इसे दर्द वाले दांत पर धीरे से लगाएं। अगर तेल उपलब्ध न हो, तो आप लौंग को सीधे दांत के नीचे दबाकर भी रख सकते हैं।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

दांतों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ सावधानियां बरतनी बहुत जरूरी हैं। दिन में कम से कम दो बार ब्रश करें, सुबह और रात को सोने से पहले।

मीठी और चिपचिपी चीजों का सेवन कम करें, साथ ही भोजन के बाद सादे पानी से अच्छे से कुल्ला करें।

हर छह महीने में अपने दांतों की जांच किसी दंत चिकित्सक से जरूर कराएं। दांतों के बीच फंसे खाने को निकालने के लिए डेंटल फ्लॉस का इस्तेमाल करें। अगर दांत का दर्द इन उपायों से ठीक न हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

महिलाओं में इन लापरवाहियों की वजह से बढ़ जाता है थायरॉइड का खतरा

थायरॉइड ग्रंथि हमारे शरीर में गर्दन के निचले हिस्से में स्थित एक छोटी तितली के आकार की ग्रंथि है। यह हमारे शरीर के मेटाबॉलिज्म, ऊर्जा और हार्मोन को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण हार्मोन बनाती है। महिलाओं में मासिक धर्म, गर्भावस्था और रजोनिवृत्ति के दौरान हार्मोनल उतार-चढ़ाव अधिक होते हैं, जिससे उनमें थायरॉइड की समस्या, जैसे हाइपोथायरायडिज्म और हाइपरथायरायडिज्म, अधिक देखने को मिलती है।

अक्सर महिलाएं अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देती हैं, जिससे यह समस्या धीरे-धीरे गंभीर रूप ले लेती है। यही वजह है कि उन्हें कुछ विशेष सावधानियां बरतने की जरूरत होती है। ऐसे में अक्सर कुछ महिलाएं ऐसी लापरवाही कर देती हैं जिससे उनमें थायरायड का जोखिम बढ़ जाता है। आइए इस लेख में जानते हैं महिलाओं को किस तरह की लापरवाहियों से बचना चाहिए।

आयोडीन की कमी

महिलाओं में थायरॉइड का सबसे बड़ा कारण पोषण की कमी है। डाइट में आयोडीन, सेलेनियम, और जिंक जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी से थायरॉइड ग्रंथि ठीक से काम नहीं कर पाती। ये तत्व थायरॉइड हार्मोन के उत्पादन के लिए बहुत जरूरी हैं। इसलिए अपनी डाइट में आयोडीन युक्त नमक, मछली, अंडे, और नट्स को शामिल करना चाहिए।

तनाव और हार्मोनल असंतुलन

लगातार रहने वाला तनाव महिलाओं में हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ सकता है, जिससे थायरॉइड पर सीधा असर पड़ता है। तनाव के कारण कॉर्टिसोल नामक हार्मोन बढ़ जाता है, जो थायरॉइड के कार्य को बाधित कर सकता है। योग, ध्यान और पर्याप्त नींद तनाव को कम करने में मदद करते हैं।

शारीरिक निष्क्रियता

आजकल की जीवनशैली में शारीरिक गतिविधि की कमी भी थायरॉइड समस्याओं का एक बड़ा कारण है। नियमित व्यायाम, जैसे तेज चलना, जॉगिंग और योग, न केवल शरीर के मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है, बल्कि यह हार्मोनल संतुलन को भी बनाए रखता है, जिससे थायरॉइड की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

थायरॉइड के शुरुआती लक्षणों की अनदेखी

कई महिलाएं थायरॉइड के शुरुआती लक्षणों (जैसे थकान, वजन बढ़ना, या मूड में बदलाव) को नजरअंदाज कर देती हैं। अगर परिवार में थायरॉइड की समस्या का इतिहास है, तो नियमित जांच करवाना बेहद जरूरी है। थायरॉइड फंक्शन टेस्ट एक सरल रक्त परीक्षण है जो इस समस्या का पता लगाने में मदद करता है। शुरुआती पहचान से इसका इलाज बहुत आसान हो जाता है।

गाउट का आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न : मेरी उम्र 56 वर्ष है। रजोनिवृत्ति हो चुकी है। मेरी पीठ, कंधों, गर्दन और बाएं हाथ में बहुत दर्द रहता है। कई बार हाथों की अंगुलियां सुन्न पड़ जाती है। स्पॉन्डिलाइटिस के लिए सारे परीक्षण कराएं। किसी में कुछ नहीं निकाला। कृपा कर मेरी समस्या दूर करें।

- श्रीमती परांबा राव, सिद्दीपेट

उत्तर : रजोनिवृत्ति के बाद की स्थिति में वात शरीर में बढ़ता है। वृद्धावस्था सच में वात की ही अवस्था है। शरीर में जितने मांसपेशियों व जोड़ों में दर्द पनपते हैं उन सब का कारण वात ही है। वेगावरोध (मलमूत्र आदि प्राकृतिक वेगों को रोकना) पूर्व भोजन के पचने से पहले ही फिर भोजन करना, रात्रि जागरण, जोर-जोर से बोलना, शारीरिक श्रम से बेहाल होना, बासी भोजन करना वातकारक भोज्य पदार्थों का सेवन करना वातदुष्टि का कारण बनता है।

आप ऊंझा वात विध्वंस रस ,ऊंझा महायोगराज गुग्गुलु, औरा रूमाटाइज टिकिया को दशमूलारिष्ट 20 मिलीलीटर दवा में 40 मिली लीटर गुनगुना पानी मिलाकर भोजन के बाद लेवें। ऊंझा महानारायण तेल से मालिश कीजिए । हमेशा स्नान गुनगुने पानी से कीजिए। भोजन ताजा, स्वच्छ, संतुलित, समयोचित व सादा - सात्विक ही लीजिए। थोड़े ही दिनों में आपको काफी राहत मिल जाएगी।

प्रश्न : मेरी उम्र 35 वर्ष है। डायबिटीज का रोगी हूं। अंग्रेजी दवाएं चल रही है, फिर भी रक्त शर्करा कंट्रोल में नहीं आती। क्या करूं ? उपाय बताएं।

- मनमोहन शर्मा,निजामाबाद

उत्तर : जीवन शैली में परिवर्तन और अनुवांशिकता के कारण दिनोंदिन डायबिटीज के रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। तेलंगाना में हर पांचवा आदमी मधुमेह से पीड़ित है। आरामपसंद जीवन या फिर हमेशा तनावग्रस्त रहना दोनों स्थितियों में प्रमेह रोग उत्पन्न हो जाता है। आप अभी जो अंग्रेजी दवा ले रहे हैं उन्हें तुरंत ना रोके। उनके साथ ही आयुर्वेदिक दवाएं शुरू कर दें। धीरे-धीरे अंग्रेजी दवाओं को हटाया जा सकता है।

आप ऊंझा जांब्रोस टिकिया दो-दो गोली सुबह -दोपहर- शाम भोजन के पहले लेवें। भोजन के बाद ऊंझा चंद्रप्रभा वटी एवं आरोग्यवर्धिनी रस की एक - एक गोली ले लें। भोजन में मीठा एवं मिठाई पूरी बंद कर दें।

हर रोज पैदल चलें। कसरत करें। दिन में सोने से बचें। आरामपसंद जीवन का त्याग करें। अपना पसीना बहाएं। थोड़े ही दिनों में आपकी ब्लड शुगर सामान्य होकर मधुमेह है नियंत्रण में आ जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 36 वर्ष है। डॉक्टरों के अनुसार मुझे गाउट है। उंगलियों और जोड़ों में बहुत दर्द होता है कृपा कर इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- एम वेंकटेश, खम्मम

उत्तर : आयुर्वेद में गाउट को वातरक्त कहते हैं। सामान्य भाषा में ₹गठिया रोग₹ कहते हैं। इसमें और संधिवात में सबसे बड़ा फर्क है सिरम यूरिक एसिड के स्तर का बढ़ना। वात रक्त में रक्त में यूरिक एसिड का स्तर स्त्रियों में 7 से ऊपर रहता है और पुरुषों में 6.5 से ऊपर रहता है। यूरिक एसिड के क्रिस्टल्स जोड़ों में जमा होने लगते हैं और काफी दर्द देते हैं। शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने की वजह - गुर्दे का शरीर में मौजूद यूरिक एसिड को पेशाब के जरिए शरीर के बाहर नहीं निकाल पाना है। कई तरह के पदार्थ जैसे सभी प्रकार की दालें, डिब्बे वाले जूस, मांसाहारी भोजन, सीफूड, मशरूम, मटर, बींस आदि यूरिक एसिड को बढ़ाते हैं। अतः इनसे दूर रहें। ऑलिव ऑयल (जैतून का तेल), इसबगोल, ओट्स, टमाटर, अंगूर , चेरी, मेवें, कद्दू, तुरई, घिया, खीरा, करेले, भिंडी, कुंदूरु, परवल, पुराने चावल, जवारी, गेहूं आदि का प्रयोग गाउट में हितकारी है।

ऊंझा अमृता गुग्गुलु, ऊंझा कैशोर गुग्गुलु, संशमनी वटी, ऊंझा अमृतारिष्ट, महारास्नादि काढ़ा आदि का प्रयोग वात रक्त में उपयोगी है। गिलोय तुलसी रस निराहार सुबह और भोजन पूर्व संध्या को 30 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने पानी के संग मिलाकर प्रयोग करते रहने से वात रक्त पूरा ठीक होता है। दर्द वाले स्थान पर पिंड तेल लगाने से या उसकी हल्की मालिश करने से काफी आराम मिलता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

क्या खाना खाने के बाद आती है जबरदस्त नींद?

अक्सर हममें से कई लोगों को दोपहर या रात का खाना खाने के बाद तेजी से नींद आने लगती है। अक्सर लोग इसे सामान्य थकान या पेट भर जाने का नतीजा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन, स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या का शुरुआती संकेत मानते हैं, और वो है डायबिटीज। दरअसल, जब हम भोजन करते हैं, तो हमारे शरीर में ग्लूकोज का स्तर बढ़ता है। इंसुलिन हार्मोन इस ग्लूकोज को कोशिकाओं तक पहुंचाकर ऊर्जा में बदलता है।

जब हमारा शरीर सही मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाता या कोशिकाएं उस पर ठीक से प्रतिक्रिया नहीं करतीं, तो रक्त में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है। इसके कारण शरीर में शुगर का असंतुलन होता है और व्यक्ति को खाने के तुरंत बाद सुस्ती या जबरदस्त नींद आने लगती है। यह अक्सर डायबिटीज के शुरुआती लक्षणों में से एक होता है, जिसे समय पर पहचानकर इस बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं।

डायबिटीज के अन्य लक्षण

यह समस्या केवल खाने के बाद नींद आने तक सीमित नहीं है। इसके साथ ही, बार-बार पेशाब आना, बहुत ज्यादा प्यास लगना, अचानक वजन कम होना, और घावों का धीरे-धीरे भरना भी डायबिटीज के संकेत हो सकते हैं। अगर आपको भी ये लक्षण महसूस हो रहे हैं, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

खराब जीवनशैली और खान-पान

विशेषज्ञों के मुताबिक यह लक्षण अक्सर उन लोगों में दिखाई देता है जिनकी जीवनशैली ठीक नहीं है। अधिक मानसिक तनाव, शारीरिक गतिविधि की कमी, और अनहेल्दी खाना खाने से यह समस्या और भी बढ़ सकती है। यह स्थिति तब और ज्यादा गंभीर हो जाती है जब आप कार्बोहाइड्रेट और ज्यादा शुगर वाले भोजन का सेवन करते हैं, क्योंकि यह ब्लड शुगर के स्तर को तेजी से बढ़ाती है।

डाइट और व्यायाम का महत्व

इस स्थिति से बचने के लिए, अपनी डाइट में बदलाव लाना महत्वपूर्ण है। जंक फूड और मीठी चीजों से दूरी बनाएं और फाइबर, प्रोटीन, और हेल्दी फैट्स से भरपूर खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करें। इसके अलावा, नियमित रूप से व्यायाम करना और पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी बेहद जरूरी है।

समय पर जांच और इलाज है जरूरी

यह समझना जरूरी है कि खाना खाने के बाद आने वाली नींद सिर्फ एक सामान्य बात नहीं है, बल्कि यह आपके शरीर में होने वाली समस्या का संकेत हो सकता है। इसलिए इसे अनदेखा न करें। अगर आपको यह समस्या लगातार हो रही है, तो बिना देर किए डॉक्टर से परामर्श करें और अपने ब्लड शुगर की जांच कराएं ताकि समय रहते इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सके।

भारत ने रोकी एससीओ की सदस्यता

मोदी सरकार पर भड़का यह मुस्लिम देश, पाकिस्तान का है कट्टर दोस्त

बाकू, 1 सितंबर (एजेंसियां)। अजरबैजान ने आरोप लगाया है कि भारत ने उसके शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के पूर्ण सदस्यता के प्रयास को रोक दिया है। अजरबैजान को पाकिस्तान का करीबी समझा जाता है। उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया था। इतना ही नहीं, अजरबैजान इस्लाम के नाम पर कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थन भी करता है। हालांकि, भारत ने अजरबैजानी मीडिया की इन रिपोर्टों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। आज ही चीन के तियानजिंग में एससीओ शिखर सम्मेलन का समापन हुआ है। इसमें अजरबैजान डायलॉग पार्टनर की हैसियत से शामिल हुआ था।

अजरबैजानी मीडिया न्यूज़.एजेड ने लिखा, चीन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का पूर्ण सदस्य बनने के अज़रबैजान के आवेदन के लिए अपने समर्थन की फिर से पुष्टि की है। इसके विपरीत, मामले से परिचित अधिकारियों ने बताया कि इस प्रक्रिया में बाधा डालने का भारत का निर्णय बहुपक्षीय कूटनीति और शंघाई भावना के सिद्धांतों के विपरीत है, जो यह निर्धारित करता है कि द्विपक्षीय विवादों को बहुपक्षीय मंचों पर प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है, भारत की स्थिति अज़रबैजान के पाकिस्तान के साथ भाईचारे के संबंधों से निकटता से जुड़ी हुई है।

इस बीच अजरबैजान के सबसे करीबी दोस्त पाकिस्तान ने आर्मेनिया के साथ द्विपक्षीय संबंध स्थापित करने की कोशिशों को तेज कर दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार ने अपने अर्मेनियाई समकक्ष अरारत मिर्जोयान के साथ टेलीफोन पर बातचीत की, जिसके दौरान दोनों पक्षों ने राजनयिक संबंध स्थापित करने पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर इस बातचीत की पुष्टि की है।

आर्मेनिया को दुश्मन मानता है पाकिस्तान

पाकिस्तान ने यह बातचीत तब की है, जब कुछ दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में आर्मेनिया और अजरबैजान ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इससे पहले तक पाकिस्तान लगातार आर्मेनिया की आलोचना करता रहा है और उसे एक आक्रामक देश के रूप में मान्यता दी है।

पाकिस्तान ने यह सब अपने दोस्त देश अजरबैजान को खुश करने के लिए किया है। उधर, अजरबैजानी मीडिया का दावा है कि पाकिस्तान ने यह बातचीत उनके देश के साथ चर्चा करने के बाद की है।

पीओके के गिलगित-बाल्टिस्तान में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

चालक दल के पांच सदस्यों की मौत

इस्लामाबाद, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान में सोमवार को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में दो पायलटों सहित कम से कम पांच चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक ने एक बयान में कहा कि विमान डायमर जिले के चिलास इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

उन्होंने कहा, 'चिलास के थोर में हमारा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।' उन्होंने आगे बताया कि चालक दल में दो पायलट और तीन तकनीकी कर्मचारी शामिल थे। डायमर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अब्दुल हमीद ने एक बयान में कहा कि दुर्घटना में पांच लोग हताहत हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि हेलीकॉप्टर एक नए प्रस्तावित हेलीपैड पर परीक्षण लैंडिंग कर रहा था।

ट्रम्प के सलाहकार बोले-रूसी तेल से भारतीय ब्राह्मणों को मुनाफा

कीमत पूरा देश चुका रहा, भारत के चीन-रूस के करीब जाने से दुनिया में अशांति फैलेगी

वॉशिंगटन, 1 सितंबर (एजेंसियां)। ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत के ब्राह्मण रूसी तेल से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी कीमत पूरा भारत चुका रहा है।

नवारो ने कहा कि भारत रूस से तेल खरीदकर उसे यूक्रेन पर हमला करने के लिए पैसे दे रहा है। इसलिए सबसे ज्यादा टैरिफ झेल रहा है। इससे रूस और अमेरिका को नुकसान नहीं हो रहा है, बल्कि आम भारतीयों को हो रहा है। यह बात उन्हें समझना चाहिए।

नवारो ने भारत को 'रूस की धुलाई मशीन' कहा और आरोप लगाया कि भारत न सिर्फ व्यापार असंतुलन बढ़ा रहा है, बल्कि ऐसे गठजोड़ भी मजबूत कर रहा है, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को पीटर नवारो की विवादित टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस तरह के निराधार बयान नहीं देने चाहिए।

इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- ब्राह्मण शब्द का इस्तेमाल अंग्रेजी बोलने वाली दुनिया में अमीरों के लिए किया जाता है। ऐसे में नवारो का बयान न केवल भ्रामक है बल्कि उनकी अज्ञानता भी दिखा रहा है।

नवारो ने यूक्रेन जंग को 'मोदी वॉर' बताया था

इससे पहले भी नवारो ने ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में रूस-यूक्रेन जंग को मोदी की जंग बताया था। उन्होंने कहा था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है।

नवारो ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस और चीन के साथ भारत के बढ़ते संबंध दुनिया के लिए खतरा बन सकते हैं।

उन्होंने कहा- भारत तुम तानाशाहों के साथ मिल रहे हो। चीन ने अक्साई चिन और तुम्हारे कई इलाके पर कब्जा कर लिया। और रूस? जाने भी दो। ये आपके दोस्त नहीं हैं।

नवारो ने कहा था कि अगर आज भारत, रूस से तेल खरीदना बंद कर दो अमेरिका कल से उसका 25% टैरिफ खत्म कर देगा।

ट्रम्प के सबसे करीबी सलाहकार हैं नवारो

पीटर नवारो को ट्रम्प अपना सबसे करीबी सलाहकार मानते हैं। नवारो ने ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में उनकी व्यापार नीति बनाई थी। ट्रम्प सरकार की आर्थिक नीतियां नवारो ही बनाते हैं।

अमेरिका-इजरायल के खिलाफ खुलकर आया भारत

एससीओ ने ईरान पर हमले के लिए लगाई फटकार, दिल्ली का मौन समर्थन

बीजिंग, 1 सितंबर (एजेंसियां)। चीन में एससीओ समिट में ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले की निंदा की गई है। एससीओ देशों ने अपने घोषणा पत्र में इस साल जून में इजरायल और अमेरिका की ओर से ईरान पर किए गए सैन्य हमलों की कड़ी निंदा की है। अमेरिका और इजरायल की निंदा करने वाले बयान पर दस्तखत करने वाले देशों में भारत भी शामिल है। इसमें खास बात यह है कि भारत ने हमलों के ठीक बाद जून में एससीओ की ओर से जारी उस बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए थे, जिसमें अटैक की निंदा की गई थी। भारत ने करीब दो महीने पहले जून में एससीओ यानी शंघाई सहयोग संगठन के बयान से खुद को अलग कर लिया था। इस बयान में ईरान पर इजरायल के हमले की निंदा की गई थी। भारत की एससीओ के बयान से तटस्थता को दिल्ली क इजरायल से बढ़ती नजदीकी से जोड़ा गया था। हालांकि अब भारत ने कड़े शब्दों में ईरान पर हमले के लिए इजरायल और अमेरिका की निंदा का समर्थन किया है।

एससीओ के घोषणापत्र को एक्सपर्ट ट्रंप की टैरिफ घोषणा के बाद भारत और अमेरिका के संबंधों में आए तनाव से जोड़कर देख रहे हैं। भारत ने अमेरिका और उसके खास सहयोगी इजरायल को कड़ा संदेश देने की कोशिश की है। ट्रंप लगातार भारत पर कड़ा रुख दिखा रहे हैं। ऐसे में भारत ने चुपचाप ये जता दिया है कि वह वैश्विक मंचों पर अमेरिका की मुश्किल बढ़ा सकता है।

एससीओ की बैठक के बाद सभी सदस्य देशों के साझा घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले की भी कड़े शब्दों में निंदा की गई है। घोषणापत्र में कहा गया कि सभी सदस्य देशों की मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना हैं। ऐसे आतंकी हमलों के दोषियों और मदद करने वालों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

एससीओ के सदस्य देशों ने अपने घोषणापत्र में कहा कि आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध हैं। सदस्य देशों ने कहा कि वे आतंकवाद के खतरे का मुकाबला करने में देशों और उनके सक्षम प्राधिकारियों की भूमिका को मान्यता देते हैं।

इटली पीएम मेलोनी की डीपफेक फोटो वायरल करने वाली वेबसाइट बंद

7 लाख सब्सक्राइबर्स थे

रोम, 1 सितंबर (एजेंसियां)। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की अश्लील डीपफेक फोटो पोस्ट करने वाली 'फीका नाम की वेबसाइट बंद हो गई है। यह साइट महिलाओं की आपत्तिजनक फोटो और वीडियो पोस्ट करती थी और 20 साल से एक्टिव थी। 7 लाख सब्सक्राइबर थे और कोई भी यूजर पोर्न सामग्री अपलोड कर सकता था। इस साइट पर मेलोनी, विपक्षी नेता एली श्लीन, ईयू सांसद अलैस्सांद्रा मोरेत्ती और इन्फ्लुएंसर कीआरा फेरग्नानी जैसी जानी-मानी महिलाओं की फर्जी डीपफेक तस्वीरें डाली गई थीं। इन्हें 'वीआईपी सेक्शन' में रखकर लोगों का ध्यान खींचा जाता था। पहली बार सांसद मोरेत्ती ने साइट के खिलाफ मुकदमा किया, जिसके बाद #मी टू जैसे कैंपेन शुरू हुए। 1.7 लाख लोगों ने इसे बंद कराने के लिए याचिका पर साइन किए। भारी विरोध और पुलिस की सख्ती के बाद आखिरकार इसके मालिक ने वेबसाइट बंद कर दी। पीएम मेलोनी ने इसे 'शर्मनाक' बताया और कहा कि 2025 में भी महिलाओं की गरिमा को चोट पहुंचाने वाली हरकतें अस्वीकार्य हैं।

पुतिन की कार में सवार होकर निकले मोदी

लगी है चीनी डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट, क्यों चर्चा में आई होटल तक की सवारी

बीजिंग, 1 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के तिनजियान में एससीओ की बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्विपक्षीय बैठक के लिए रवाना हो गए। इस दौरान खास बात ये रही कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक ही कार में निकले। पुतिन के साथ ही मोदी तियानजिन के 5-स्टार रिट्ज-कार्लटन में गए। इसी होटल में दोनों नेताओं की बैठक होनी है।

चीन ने पीएम मोदी के लग्जरी कार मुहैया कराई है लेकिन वह पुतिन की ऑरस कार में बैठे। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एससीओ समिट के लिए अपनी प्रेजिडेंशियल कार 'औरस' लेकर आए हैं। अपनी इसी से वह चीन में सफर कर रहे हैं। उनकी कार को चीनी डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट दिया गया है। पुतिन की कार पर चीनी राजनयिक लाइसेंस प्लेट लगी हैं। इस कार पर अन्य सभी देशों में मॉस्को की नंबर प्लेट लगी हैं।

पुतिन की ऑरस कार रूस की ऑटोमोबाइल कंपनी ऑरस मोटर्स बनाती है। यह रेट्रो-स्टाइल लग्जरी फीचर्स से लैस है। ऑरस तीन संस्करणों- स्टैंडर्ड सेनेट, सेनेट लॉन्ग और सेनेट लिमोजीन में आती है। यह पूरी तरह से बख्तरबंद है यानी इस पर गोली असर नहीं करती है। इसे पुतिन की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए तैयार किया गया है।

पुतिन की यह कार इस साल उस वक्त काफी चर्चा में रही थी, जब उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को अपनी यह लक्जरी कार भेंट की है। रूस ने इस साल फरवरी में किम को ऑरस की लक्जरी सेडान दी दी थी, जिसका इस्तेमाल खुद पुतिन करते हैं। पुतिन विदेश यात्रा पर जाते हैं तो अपनी इस कार को साथ लेकर जाते हैं।

नरेंद्र मोदी और व्लादिमीर पुतिन की बैठक में बड़े ऐलान होने की उम्मीद की जा रही है। इससे पहले एससीओ सम्मेलन में बोलते हुए पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था में बदलाव की मांग की। मोदी ने कहा, 'वैश्विक संस्थानों में रिफॉर्म के लिए एससीओ सदस्य आपसी सहयोग बढ़ा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र की 80वीं वर्षगांठ पर हम एकमत होकर इसका आह्वान कर सकते हैं।'

पीएम नरेंद्र मोदी ने इस दौरान कहा कि ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं को आउटडेटेड फ्रेमवर्क में कैद रखना आने वाली पीढ़ियों से अन्याय है। नई पीढ़ी के बहुरंगी सपनों को हम पुराने जमाने की ब्लैक एंड व्हाइट स्क्रीन पर नहीं दिखा सकते, यह तस्वीर बदलनी होगी।

चीनी राष्ट्रपति ने पाक को नजरंदाज किया

आतंकवाद पर पीएम मोदी की फटकार के बाद पाकिस्तान के पीएम शहबाज ने दी सफाई

इस्लामाबाद, 1 सितंबर (एजेंसियां)। शंघाई सहयोग संगठन यानि एससीओ शिखर सम्मेलन में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ी डिप्लोमेटिक हार मानी जा रही है। ऐसा इसलिए, क्योंकि पहली बात तो ये कि ये सम्मेलन इस बार चीन में हो रहा है और दूसरी बात ये, कि भारतीय प्रधानमंत्री मोदी भी इसमें हिस्सा ले रहे हैं, जिसका ग्लोबल कवरेज हो रहा है। शहबाज शरीफ की पाकिस्तान में काफी आलोचना की जा रही है, क्योंकि वो सिर्फ दो या तीन ही द्विपक्षीय बैठक भी कर पाए, जिनमें से एक तुर्की के साथ था। इस दौरान यहां तक देखने को मिला है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी कुछ मौकों पर उन्हें नजरअंदाज किया है।

एससीओ के मंच पर प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को खूब फटकार लगाई है। जिसके बाद एससीओ के ज्वाइंट स्टेटमेंट में बिना पाकिस्तान का नाम लिए सीमा पार आतंकवाद की आलोचना की गई है, जिसमें जोर इस बात पर दिया गया है कि आतंकवादियों और आतंकवादियों के प्रायोजकों को इंसाफ के कटघरे में लाया जाए। जिसके बाद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अपने बयान में कहा है कि 'पाकिस्तान अपने सभी पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध रखना चाहता है और वो सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान करता है।'

शहबाज शरीफ ने एससीओ के मंच से एससीओ सदस्य देशों को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान एससीओए देशों और अपने पड़ोसी देशों की संप्रभुता और अखंडता का सम्मान करता है। शहबाज शरीफ ने आगे कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा बहुपक्षवाद, संवाद और कूटनीति की शक्ति में विश्वास किया है और एकतरफावाद से परहेज किया है।

फिर भी, हमें गहरा सदमा और निराशा हुई है कि पिछले कुछ महीनों में इस क्षेत्र में बेहद परेशान करने वाली घटनाएं घटी हैं। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान सभी एससीओ सदस्यों और अपने पड़ोसियों की संप्रभुता और अखंडता का समर्थन और सम्मान करता है।

चीन के 'नाटो' में शामिल होगा नेपाल?

ओली सरकार ने खोल दी ड्रैगन के झूठ की पोल

काठमांडू, 1 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली इन दिनों चीन दौरे पर हैं। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में एक डायलॉग पार्टनर के तौर पर हिस्सा लिया। इसके अलावा वह द्वितीय विश्व युद्ध की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित चीनी सैन्य परेड में भी शामिल होंगे।

ओली की चीन से नजदीकियां किसी से छिपी नहीं है। उन्हें नेपाल में चीन का कट्टर समर्थक नेता माना जाता है, लेकिन इस बार भारत के दबाव में उन्हें अपनी बीजिंग परस्त नीति से पीछे हटना पड़ा है। इस बार नेपाल ने चीन के नेतृत्व वाली सुरक्षा पहल ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव (जीएसआइ) से किनारा कर लिया है। इतना ही नहीं, नेपाल ने ग्लोबल सिविलाइजेशन इनिशिएटिव का भी हिस्सा बनने से इनकार किया है।

हूती विद्रोहियों का दावा- लाल सागर में इजरायली तेल टैंकर को मिसाइल से बनाया निशाना, तनाव बढ़ा

दुबई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को कहा कि उन्होंने सऊदी अरब के तट के पास लाल सागर में एक तेल टैंकर पर मिसाइल दागी। इससे इस वैश्विक जल मार्ग पर जहाजों पर उनके हमलों की फिर शुरुआत हो सकती है।

हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारि ने एक रिकॉर्डेड संदेश में इस हमले की जिम्मेदारी ली। यह संदेश हूती नियंत्रित सैटेलाइट न्यूज चैनल अल-मसीरा पर प्रसारित हुआ। उन्होंने दावा किया कि यह 'स्कारलेट रे' जहाज इजरायल से जुड़ा हुआ था। जहाज के मालिकों से तत्काल संपर्क नहीं हो सका।

ब्रिटेन की सेना के यूनाइटेड किंगडम मरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने बताया कि सऊदी अरब के यानबू इलाके के पास एक जहाज ने पानी में किसी चीज के गिरने की आवाज (छपाक) और एक धमाका सुना। यह सेंटर मध्य पूर्व में जहाजों की आवाजाही पर नजर रखता है।

नवंबर 2023 से दिसंबर 2024 तक हूती विद्रोहियों ने इजरायल-हमास युद्ध के दौरान गाजा पट्टी में 100 से अधिक जहाजों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया। अब तक अपने अभियान में हूती विद्रोहियों ने चार जहाजों को डुबाया है और आठ नाविकों की जान ली है।

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने युद्ध के दौरान एक छोटे युद्धविराम के दौरान अपने हमले बंद कर दिए थे। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर एक साप्ताहिक हवाई हमले हुए, जिसके बाद उन्होंने हूती विद्रोहियों के साथ युद्धविराम की घोषणा की। जुलाई में हूती विद्रोहियों ने दो जहाज डुबोए, जिनमें चार लोग मारे गए।

हूती विद्रोहियों के ताजा हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब इजरायल और हमास के बीच युद्ध में युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वहीं, ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम का भविष्य भी सवालों के घेरे में है।

पीओके में क्रैश हुआ पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर

दो अधिकारियों समेत पांच जवानों की मौत

इस्लामाबाद, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में सोमवार तड़के सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पांच सैन्यकर्मी मारे गए। मृतकों में दो अधिकारी भी शामिल हैं।पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, एमआई-17 हेलिकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था, जिसमें उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद चालक दल ने जबरन 'क्रैश-लैंडिंग' की कोशिश की, लेकिन हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। यह घटना रात करीब 1 बजे हुडोर गांव के पास हुई, जो दियामेर जिले के ठकदास कैंटोनमेंट से लगभग 12 किलोमीटर दूर है।

इस हादसे में मारे गए पाकिस्तानी सेना जवानों की पहचान हो गई है। जिनमें पायलट इन कमांड मेजर आतिफ, को-पायलट मेजर फैसल, फ्लाइट इंजीनियर नायब सुबेदार मकबूल, क्रू चीफ हवलदार जहांगीर और क्रू चीफ नायक आमिर शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण मिशन, ऑपरेशनल तैयारियों को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से कराए जाते हैं। इनका मकसद युद्धकालीन मिशन, ऑपरेशनल सपोर्ट, मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों में दक्षता बनाए रखना है। इससे पहले गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैज़ुल्लाह फराक ने पहले कहा था कि 'हमारे एक हेलिकॉप्टर' का दियामेर जिले के चिलास इलाके में हादसा हुआ है, जिसमें पांच चालक दल के सदस्य मारे गए। उनके बयान से ऐसा लगा कि यह हेलिकॉप्टर स्थानीय सरकार का था और मारे गए लोग भी वहीं से जुड़े थे। हालांकि कुछ घंटे बाद सेना के मीडिया विंग ने साफ किया कि यह हेलिकॉप्टर सेना का था, जो प्रशिक्षण मिशन पर था। दियामेर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अब्दुल हमीद ने बताया कि हेलिकॉप्टर एक नवनिर्मित प्रस्तावित हेलीपैड पर टेस्ट लैंडिंग कर रहा था, तभी यह हादसा हो गया। बता दें कि पाकिस्तान में पिछले कुछ समय से हेलिकॉप्टर हादसे बढ़े हैं। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा सरकार का एक हेलिकॉप्टर भी दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

दक्षिण चीन सागर से हिंद महासागर तक

चीन ने युद्धपोतों के निर्माण में अमेरिका को छोड़ा पीछे, भारत के दो दोस्तों पर खतरा बढ़ा

बीजिंग, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले 20 सालों में चीन की नौसेना ने काफी तेजी से विस्तार किया है। साल 2025 में चीन को दुनिया के 60 फीसदी युद्धपोतों के निर्माण के ऑर्डर मिले हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक चीन किसी भी अन्य देश की तुलना में ज्यादा जहाज़ बना रहा है क्योंकि वह इसे किसी और देश के मुकाबले तेजी से ऐसा कर सकता है। लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज के समुद्री विशेषज्ञ निक चाइल्ड्स ने बीबीसी की रिपोर्ट में कहा है कि यह पैमाना असाधारण है, कई मायनों में आंखें फाड़ देने वाला है। चीनी जहाज निर्माण क्षमता संयुक्त राज्य अमेरिका की कुल क्षमता से करीब 200 गुना ज्यादा है।

डालियान और जियांगनान जैसे विशाल शिपयार्डों से लेकर दक्षिण चीन सागर के सैन्य ठिकानों तक, बीजिंग ने काफी तेजी से युद्धपोत और एयरक्राफ्ट कैरियर के निर्माण में तेजी लाई है। उसकी कोशिश दुनिया की सबसे ताकतवर नौसेना का निर्माण करना और इसमें वो करीब करीब कामयाब भी हो रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अब चीन के पास 234 युद्धपोत हैं, जबकि अमेरिकी नौसेना के पास जहाजों की संख्या सिर्फ 219 है।

चीन के पास अभी दुनिया का सात सबसे व्यस्त बंदरगाह हैं और उसने ग्लोबल शिपिंग रूट पर अपना दबदबा बना लिया है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग का चीन, निश्चित रूप से समुद्री लहरों पर राज करना चाहता है। चीन तीन सितंबर को मिलिट्री परेड निकालने वाला है और माना जा रहा है कि इस दौरान वो अपनी ताकत का प्रदर्शन करेगा।

रायपुर में गणपति मूर्तियों के स्वरूप को लेकर विवाद

हिंदू समाज बोला–कार्टून और एआई का इस्तेमाल परंपराओं का मजाक, मूर्तियों का तुरंत विसर्जन किया जाए

रायपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। गणेशोत्सव की धूम के बीच राजधानी रायपुर में गणपति के स्वरूप को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सर्व हिंदू समाज के प्रतिनिधियों ने सोमवार को एसएसपी रायपुर को आदेवन देकर मांग की है कि जिन पंडालों में भगवान गणपति की पारंपरिक प्रतिमा को विकृत रूप में स्थापित किया गया है, उन पर तुरंत रोक लगाई जाए।

हिंदू समाज का कहना है कि, गणपति भगवान पूरे देश में प्रथम पूज्य माने जाते हैं। हर साल भव्य पंडाल बनाकर उनकी पूजा-अर्चना की जाती है।

लेकिन इस बार रायपुर शहर के कुछ आयोजकों ने पारंपरिक स्वरूप से छेड़छाड़ करते हुए गणपति की मूर्तियों को कार्टून और एआई के जरिए बनाकर प्रस्तुत किया है।

यह न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए गलत संदेश भी दे रहा है।

सर्व हिंदू समाज की विश्वदिनी पांडे ने कहा कि, भगवान गणेश के इस तरह के विकृत स्वरूप से बच्चों और युवाओं में हास्य का माहौल बन रहा है।

धार्मिक आस्था से जुड़ी प्रतिमाओं को कार्टून या क्यूट-नेस का नाम देकर प्रस्तुत करना परंपराओं का मजाक उड़ाने जैसा है। भगवान गणपति का मूल स्वरूप ही उनकी पहचान है और किसी भी तरह का विकृति प्रयास अनुचित और अस्वीकार्य है।

उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने ऐसे आयोजनों पर रोक नहीं लगाई और विकृत प्रतिमाओं का तुरंत विसर्जन नहीं कराया, तो हिंदू समाज सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करना पड़ेगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी।

सारंडा जंगल से दो कुख्यात नक्सली गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ का हिडिमा 35 मामलों में वांटेड अरेस्टिंग से महिला दस्ते के शोषण का खुलासा

चाईबासा, 1 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले में पुलिस और कोबरा 209 बटालियन की संयुक्त टीम ने सारंडा के दुर्गम जंगल क्षेत्र में दो कुख्यात नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

गिरफ्तार नक्सलियों में भाकपा (माओवादी) संगठन का सब जोनल कमेटी सदस्य संदीप उर्फ हिडिमा पांडेयाम और एरिया कमांडर शिवा बोदरा उर्फ शिबू शामिल हैं। टीम ने अभियान के दौरान हथियार, कारतूस, मैगजीन, वॉकी-टॉकी, डेटोनेटर और आईईडी बनाने का सामान भी बरामद किया।

पूछताछ के दौरान नक्सलियों ने संगठन के भीतर चल रही कई आपराधिक गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन का केंद्रीय समिति सदस्य अनल उर्फ रमेश महिला दस्ते की सदस्यों का शारीरिक शोषण करता है। कई बार जबरन गर्भपात भी करवाया गया है। यह खुलासा माओवादी संगठन की आंतरिक क्रूरता और अमानवीयता को साफ बताता है।

गिरफ्तार किए गए दोनों नक्सली मूल रूप से छत्तीसगढ़ के निवासी हैं और पिछले 10 वर्षों से सारंडा व कोल्हान के जंगलों में सक्रिय थे। हिडिमा पर हत्या, लूट और आईईडी विस्फोट जैसे 35 संगीन मामले दर्ज हैं, जबकि शिवा के खिलाफ 9 गंभीर आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ अभियान को और तेज किया जाएगा ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

नीट का एग्जाम पास किया, अच्छे रैंक मिलने पर कॉलेज अलॉट हुआ

तीन छात्राओं के कांड से तहसीलदार भी शॉक्ड

बिलासपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में मेडिकल सीट अलॉटमेंट में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। यहां तीन छात्राओं ने फर्जी डॉक्यूमेंट के आधार पर मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लिया था। मामले का खुलासा तब हुआ जब आयुक्त चिकित्सा शिक्षा विभाग ने डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए दस्तावेज भेजे थे। छात्राओं ने फर्जी ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट बनाकर मेडिकल में एडमिशन लिया था।

बिलासपुर के लिंगियाडीह की रहने वाली छात्रा सुगानी सिंह, सरकंडा क्षेत्र की रहने वाली श्रेयांशी गुप्ता और पटवारी गली की रहने वाली छात्रा भाव्या मिश्रा ने फर्जी ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बनाकर काउंसलिंग में मेडिकल की सीट हासिल की थी।

नीट की एग्जाम पास किया

तीनों छात्राओं ने ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट के आधार पर नीट परीक्षा में हिस्सा लिया था। तीनों ने नीट एग्जाम पास कर लिया और उन्हें मेडिकल सीट भी अलॉट कर दी गई। उन्हें नीट परीक्षा में मिले अंकों के आधार पर चिकित्सा शिक्षा विभाग में सीट अलॉट की गई थी।

कैसे हुआ मामले का खुलासा

मामले का खुलासा तब हुआ जब शिक्षा आयुक्त ने ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट सत्यापन के लिए बिलासपुर तहसील में भेजा तो जांच में पता चला कि यह दस्तावेज जारी ही नहीं किए गए हैं। बता दें कि ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट आर्थिक रुप से कमजोर रुप से सामान्य वर्ग के अभ्यार्थियों के लिए बनाए जाते हैं। जिनके परिवार की सालाना आय 8 लाख रुपये से कम होती है।

जांच में चौंकाने वाली बात यह भी आई की इन छात्राओं ने सर्टिफिकेट जारी करने के लिए कोई आवेदन तक नहीं दिया था। तहसीलदार गरिमा सिंह ने बताया कि तीनों छात्राओं की तरफ से कोई आवेदन नहीं दिया गया है। इस खुलासे के बाद अब चिकित्सा शिक्षा विभाग अब तीनों छात्रों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी में है। शिक्षा विभाग के आयुक्त ने कहा कि नियमानुसार छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक के सीक्रेट चैंबर से 50 लाख का गांजा पकड़ाया

ओडिशा से दिल्ली ले जा रहे थे, कवर्धा में चेकिंग के दौरान 2 तस्कर अरेस्ट

कवर्धा, 1 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में पुलिस ने एक ट्रक के सीक्रेट चैंबर से 2 क्विंटल से अधिक गांजा बरामद किया है। जिसकी कीमत 50 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। गांजा ओडिशा से दिल्ली ले जाया जा रहा था। मामला चिल्फी थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, पुलिस को सूचना जानकारी मिली कि एक ट्रक में गांजा छिपाकर ले जाया जा रहा है। जब पुलिस ने ट्रक (PB 02 EJ 3009) की तलाशी ली, तो उसमें एक छुपा हुआ चैंबर मिला। इस चैंबर में गांजा रखा गया था।

पुलिस की कार्रवाई में पकड़े गए दोनों तस्कर ईश्वर सिंह जिला झज्जर (हरियाणा) और रामु सिंह परमार जिला धौलपुर (राजस्थान) के रहने वाले हैं। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पता चला है कि यह गांजा ओडिशा से दिल्ली ले जाया जा रहा था। इस साल कबीरधाम पुलिस ने अब तक 14 मामलों में कार्रवाई की है। कुल 41 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। 1.25 करोड़ रुपए से ज्यादा का गांजा जब्त किया गया है। हाल ही में पुलिस ने नशीली दवाओं के सप्लायर को भी रायपुर से गिरफ्तार किया है। एसपी धर्मेंद्र सिंह ने कहा है कि, जो भी नशे का काम करेगा, उसे किसी हालत में नहीं बख्शा जाएगा। चाहे तस्कर हो या किसी भी तरह से उसे मदद देने वाला व्यक्ति, सभी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जेजेएमपी के 9 उग्रवादियों ने किया सरेंडर

पांच 23 लाख रुपए के इनामी, एके–47 जैसे आधुनिक हथियार के साथ किया आत्मसमर्पण

लातेहार, 1 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड सरकार के आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर जेजेएमपी के 9 उग्रवादियों ने एके-47, एसएलआर, एके 56 जैसे आधुनिक हथियार के साथ सोमवार को पुलिस के समक्ष सरेंडर किया है। इनमें से पांच पर सरकार द्वारा कुल 23 लाख रुपए का इनाम घोषित है। झारखंड में पहली बार किसी उग्रवादी संगठन द्वारा बड़ी संख्या में एक साथ सरेंडर किया गया है।

सरेंडर करने वालों में जोनल रैंक के एक, सब जोनल रैंक के चार व एरिया कमांडर रैंक के चार उग्रवादी शामिल हैं। सरेंडर करने वाले चार के खिलाफ पांच-पांच लाख व एक के खिलाफ तीन का रुपए का इनाम घोषित है।

सरेंडर करने वालों में 5 लाख के इनामी जोनल कमांडर रविंद्र यादव, 5 लाख के इनामी सबजोनल कमांडर अखिलेश यादव, बलदेव गंझू, मुकेश राम उर्फ कल्लू उर्फ आजाद व तीन लाख के सब जोनल कमांडर पवन उर्फ राम प्रसाद, एरिया कमांडर ध्रुव जी उर्फ राजू राम, विजय यादव, सरवन सिंह उर्फ पारस, मुकेश गंझू शामिल है।

सभी उग्रवादियों ने सीआरपीएफ 11 बटालियन के पुलिस महानिरीक्षक साकेत कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक अभियान, रांची माइकल राजेश, पुलिस महानिरीक्षक पलामू पूरा क्षेत्र सुनील भास्कर, पुलिस उपमहानिरीक्षक नौशाद आलम, एसपी कुमार गौरव, डीडीसी मोहम्मद सैयद रियाज अहमद के समक्ष सरेंडर किया। जहां सभी पुलिस अधिकारियों ने उन्हें बुके, शॉल व इनामी राशि का प्रतीकात्मक चेक देकर सम्मानित किया।

पुलिस महानिरीक्षक साकेत कुमार सिंह ने कहा कि इनके सरेंडर करते ही लातेहार से जेजेएमपी उग्रवादियों का पूरी तरह सफाया हो गया है।

गुमला, चतरा, पलामू में कुछ नक्सली बचे हैं, जिनकी संख्या काफी कम है। उन्होंने आगे कहा है कि चाईबासा में एक बड़ी समस्या रह गई है। इसे जल्द ही खत्म कर लिया जाएगा। उग्रवादियों ने कुल 12 हथियार, 1782 गोली व 26 मैगजीन पुलिस को सौंपा है। हथियारों में एक एके 56, चार एके-47, तीन एसएलआर, दो .303 राइफल, एक 30.60 एमआई राइफल, विभिन्न राइफल के 1782 गोली व 26 मैगजीन शामिल हैं।

गणेश प्रतिमा जुलूस के दौरान हादसा

जयनगर बाजार में हुआ हादसा, करतब दिखाने में झुलसा युवक, सदर अस्पताल में इलाज जारी

कोडरमा, 1 सितंबर (एजेंसियां)। कोडरमा के जयनगर थाना क्षेत्र के जयनगर बाजार में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हादसा हो गया। जुलूस में करतब दिखाने के प्रयास में 25 वर्षीय युवक अनिल यादव आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया।

गंभीर रूप से घायल युवक को तत्काल स्थानीय क्लिनिक होते हुए कोडरमा सदर अस्पताल भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल अनिल यादव जयनगर थाना क्षेत्र के लोहाडण्डा ऊपर टोला निवासी है।

भव्य जुलूस के दौरान हुआ हादसा

मिली जानकारी के अनुसार सार्वजनिक गणपति पूजा समिति जयनगर एवं तूफान क्लब की ओर से भव्य जुलूस निकाला जा रहा था। समिति के अध्यक्ष सुनील सिंह ने बताया कि जुलूस देवी मंडप से शुरू होकर जयनगर बाजार और डोमचांच मोड़ स्थित एक अन्य देवी मंदिर तक गया। इसके बाद प्रतिमा का विसर्जन जयनगर की पूरब नदी में किया जाना था। जुलूस पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था, इसी दौरान यह अप्रिय घटना घटी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घायल युवक कहां से आया और किससे जुड़ा था, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। अचानक उसने अपने मुंह में पेट्रोल भरकर माचिस जलाकर करतब दिखाने की कोशिश की। उसी दौरान उसकी दाढ़ी में पहले से लगे पेट्रोल में आग लग गई। वह लपटों की चपेट में आ गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत आग बुझाई और उसे पास के क्लिनिक ले गए।

दिनदहाड़े लूट लिए 5 लाख रुपए

बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा के बाहर पेट्रोल पंपकर्मी से लूटा बैग, सीसीटीवी आया सामने

चाईबासा, 1 सितंबर (एजेंसियां)। चाईबासा शहर के बीचोंबीच शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा के बाहर बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया। आईबीपी पेट्रोल पंप के मालिक पुनीत सेठिया के कर्मचारी विमलेश कुमार और संजय नदी बैंक में 5 लाख रुपए जमा करने पहुंचे थे। जैसे ही वे बैंक के गेट के पास पहुंचे, पहले से घात लगाए बैठे तीन बदमाशों ने उन पर हमला बोल दिया।

बदमाशों ने अचानक हमला करते हुए रिवॉल्वर के बट से कर्मचारी विमलेश कुमार को घायल कर दिया। इसके बाद उन्होंने पिस्तौल की नोक पर पैसों से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। घटना इतनी तेजी से हुई कि वहां मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं पाए। आसपास दिन का समय होने के बावजूद भीड़भाड़ रही, लेकिन किसी ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश नहीं की।

पूरी घटना बैंक और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस अब फुटेज खंगाल कर बदमाशों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। लूट की खबर मिलते ही सदर थाना प्रभारी तरुण कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। घटना में घायल हुए कर्मचारी विमलेश कुमार को इलाज के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेजा गया। उन्होंने पुलिस को बताया कि वे और संजय नदी मोटरसाइकिल से बैंक पहुंचे थे। एक साथी बाइक लॉक कर रहा था और विमलेश बैंक की ओर सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन बदमाश पहुंचे और उन पर हमला कर बैग छीन लिया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और बदमाशों की तलाश में नाकाबंदी भी की गई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इधर, दिनदहाड़े हुई इस लूट की वारदात से शहरवासियों में दहशत फैल गई है। लोगों का कहना है कि बैंक और बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले इलाकों में इस तरह की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती हैं।

पूरे झारखंड में बारिश का यलो अलर्ट

रांची, 1 सितंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में 2 सितंबर को एक नया लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है, जिससे झारखंड में मौसम फिर से सक्रिय हो सकता है। रांची मौसम केंद्र के अनुसार, इसके प्रभाव से राज्य के कुछ हिस्सों में गर्जन, तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा) और वज्रपात की आशंका है। खासकर खेतों में काम करने वाले किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पूरे राज्य के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है, हालांकि पिछले 24 घंटों में केवल छिटपुट और हल्की बारिश देखने को मिली है।

मानसून के कमजोर पड़ने के कारण अगस्त में राज्य में सामान्य से 13% कम वर्षा दर्ज की गई। जहां औसतन 290.6 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, वहां केवल 251.5 मिमी ही वर्षा हुई। देवघर (43%) और सरायकेला-खरसावां (67%) में सामान्य से अधिक वर्षा हुई। लेकिन गढ़वा, गोड्डा, पाकुड़, बोकारो, लोहरदगा, और साहिबगंज जैसे जिलों में सामान्य से काफी कम वर्षा रिकॉर्ड की गई है। 4 सितंबर तक झारखंड में अधिकतम तापमान 31-35°C और न्यूनतम 23-26°C के बीच रहने की संभावना है। रांची, हजारीबाग और खूंटी जैसे जिलों में तापमान थोड़ा कम रह सकता है। जबकि दुमका, गढ़वा, रामगढ़ में तापमान अधिक रहेगा। 3 से 4 सितंबर तक मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। 5-6 सितंबर को हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इससे कुछ हद तक गर्मी से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने किसानों को मौसम के अनुसार कृषि कार्यों की योजना बनाने की सलाह दी है, क्योंकि आने वाले दिनों में हल्की बारिश और तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

रायपुर में बिना हेलमेट भी मिल रहा पेट्रोल

पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के दावे फेल, अपने ही रूल्स नहीं किए फॉलो

रायपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आज यानी 1 सितंबर से बिना हेलमेट पेट्रोल न देने का फैसला पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने लिया था, लेकिन यह नियम पहले ही दिन फेल हो गया। शहर के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट वालों को भी पेट्रोल दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन के इस फैसले का पहले दिन ही रियलिटी चेक किया। इस दौरान जयस्तंभ चौक स्थित पेट्रोल पंप पर किसी तरह का पालन नहीं दिखा। शहीद स्मारक के पास भी बिना हेलमेट पेट्रोल आसानी से दिया जा रहा था। घड़ी चौक के पंप पर भी यही हाल देखने को मिला।

घड़ी चौक स्थित पंप पर तो लोग जुगाड़ लगाकर पेट्रोल भरवा रहे थे। वहां मौजूद लोगों से हेलमेट लेकर पंप पर दिखाया और फिर पेट्रोल भरवा लिया। कर्मचारी बिना किसी रोक-टोक के सभी को पेट्रोल दे रहे थे। जबकि एसोसिएशन ने स्पष्ट कहा था कि बिना हेलमेट पेट्रोल पंप पर पेट्रोल नहीं मिलेगा।

रायपुर में बिना हेलमेट के पेट्रोल भराने के दौरान विवाद करने को लेकर पुलिस करेगा या हंगामा करेगा तो उसके खिलाफ प्रशासन और पुलिस सीधे कार्रवाई करेगी। बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं मिलने पर जो लोग विवाद करेंगे उनसे सीधे पुलिस निपटेगी।

पंप वाले इसकी शिकायत डायल 112 में कर सकते हैं। पुलिस से जारी आंकड़ों के मुताबिक हेलमेट नहीं लगाने की वजह से रायपुर में पिछले 7 महीने में 214 लोगों ने जान गंवाई है, जबकि 150 से ज्यादा को गंभीर चोटें आईं।

सेक्स रैकेट, लड़कियों की तस्वीरें-ग्राहकों की चैट मिली

भिलाई के होटल में रेड, रजिस्टर में कस्टमर्स के नाम आपत्तिजनक सामान और मोबाइल जब्त, मालिक–मैनेजर अरेस्ट

भिलाई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ है। सुपेला के गदा चौक स्थित होटल ईशा में पुलिस ने रविवार देर रात छापेमार कार्रवाई की है। देह व्यापार में संलिप्त होटल के मालिक, मैनेजर और ग्राहक को गिरफ्तार किया गया है। घटना वैशाली नगर थाना क्षेत्र की है।

पुलिस ने मौके से 2 मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं, जिनमें लड़कियों की तस्वीरें और ग्राहकों को भेजे गए मैसेज मौजूद थे। वहीं, एक रजिस्टर भी मिला है, जिसमें ग्राहकों और लड़कियों के नाम के साथ समय का पूरा ब्योरा दर्ज था।

बताया जा रहा है कि, इस होटल में लंबे समय से देह व्यापार की शिकायतें पुलिस को मिल रही थी। पुलिस टीम ने योजना बनाकर एक कर्मचारी को प्वाइंटर नियुक्त किया। एक नोट देकर होटल में भेजा। सिग्नल मिलने पर भिलाई नगर सीएसपी के नेतृत्व में वैशाली नगर पुलिस की टीम ने होटल में रेड मारी।

होटल में दबिश के दौरान पुलिस ने मैनेजर शिव कुमार कुर्रे के पास से 500-500 रुपए के 2 नोट बरामद किए हैं। इसके अलावा होटल से निजी कंपनी के 5 डिब्बे आपत्तिजनक सामान भी जब्त किए गए।

भिलाई नगर सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि, देह व्यापार कराने के आरोप में उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। शिकायतों के आधार पर ही कार्रवाई की गई है। आगे भी इस तरह की कार्रवाई की जाएगी। अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता पाई जाती है तो उन पर भी एक्शन लिया जाएगा।

कुछ महीने पहले ही भिलाई के सूर्या मॉल में पुलिस ने छापेमारी की थी। यहां संचालित स्पा सेंटर में सेक्स रैकेट का खुलासा हुआ। पुलिस ने 10 लड़कियों और 3 पुरुषों को हिरासत में लिया था। मौके से कई आपत्तिजनक चीजें भी मिली थी।

टीम जब स्पा सेंटर पहुंची तो लगभग सभी ग्राहक थे। पुलिस ने अंदर जाकर देखा तो वहां अनैतिक गतिविधियां चल रही थीं। ऐसे में पुलिस ने स्पा में काम करने वाली महिलाओं और पुरुष ग्राहकों को पकड़ा था।

भाजयुमो अध्यक्ष राहुल टिकरिहा पर अवैध संबंध का आरोप

रायपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा पर पारिवारिक विवाद के चलते गंभीर आरोप लगा है। उनके चाचा रविकांत टिकरिहा ने एक शिकायती पत्र में राहुल पर पत्नी से अवैध संबंध रखने का आरोप लगाया है। यह पत्र सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। जिससे राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है।

यह मामला बेमेतरा जिले के सिलहट गांव का है। आरोप है कि राहुल की वजह से चाचा का घर बर्बाद हो गया। पूरा परिवार बिखर गया। पत्र में रविकांत ने समाज के अध्यक्ष से राहुल पर कड़ी सामाजिक कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही एक ऑडियो भी वायरल है।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि राहुल के राजनीतिक रसूख के कारण पुलिस ने थाने में दर्ज शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की है। वायरल होते ही यह पत्र सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया।

कई यूजर्स ने सवाल उठाए कि पार्टी ऐसे विवादित छवि वाले नेता को क्यों आगे बढ़ा रही है। कुछ ने लिखा कि भाजपा नैतिकता की कसौटी पर सवालों के घेरे में खड़ी हो गई है। कई लोग मांग कर रहे हैं कि राहुल को तुरंत पद से हटाया जाए, वरना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष को इस्तीफा देना चाहिए।

भाजयुमो अध्यक्ष ने इस मामले में अब तक अपना पक्ष नहीं रखा है। भाजयुमो अध्यक्ष के कुछ करीबियों ने बताया कि, मामला चार साल पुराना है। इस मामले में कोर्ट से क्लीन चिट मिल चुकी है। ये मामला पहले भी राहुल टिकरिहा को बदनाम करने के लिए उठाया जा चुका है। बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं को कोर्ट के दस्तावेज दिए जा चुके है। इस मामले में जल्द भाजयुमो अध्यक्ष संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों से प्रेस कॉन्फ्रेस लेकर अपना पक्ष रख सकते हैं।

भाजयुमो अध्यक्ष राहुल टिकरिहा पर लगे आरोपों पर अब तक अधिकृत टिप्पणी भाजपा और भाजयुमो की तरफ से नहीं हुई है। लेकिन सोशल मीडिया पर इन आरोपों पर यूजर्स ने तंज कसना शुरू कर दिया और नई बहस तेज हो गई है।

एक यूजर ने तंज कसते हुए लिखा कि युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनकर राहुल ने परिवारवाद की नई परिभाषा गढ़ दी है। फिलहाल, लोग मामले की निष्पक्ष जांच और सच्चाई सामने लाने की मांग कर रहे हैं, ताकि राजनीति की साख बची रहे।

पत्नी से अफेयर के चलते मंदिर में पुजारी को मार-डाला

बिलासपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सब्जी व्यापारी ने पत्नी के साथ अफेयर के चलते चार रिश्तेदारों के साथ मिलकर पुजारी की हत्या कर दी। अवैध संबंध की वजह से ही मुख्य आरोपी का उसकी पत्नी से 6 महीने पहले सामाजिक तलाक हो गया था। जिसके बाद से वो मौके की तलाश में था।

हमलावरों ने बाइक की पूजा कराने के बहाने पुजारी को बाहर बुलाया, फिर सस्पेंशन पाइप और ईंट से ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने 12 घंटे के भीतर नाबालिग समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना तखतपुर थाना क्षेत्र की है।

दरअसल, परसाकांपा गांव निवासी जागेश्वर पाठक उर्फ मोटू (30) गांव के ही पाठ बाबा मंदिर का पुजारी था। वो मंदिर में ही रहता था। रोजाना की तरह रविवार सुबह 6 बजे उसकी मां बेटे जागेश्वर को चाय देने मंदिर पहुंची। तब, मंदिर के बाहर बेटे की खून से लथपथ लाश देखी। वो चिल्लाने लगी और शोर मचाकर लोगों को बुलाया। जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

हत्या की जानकारी मिलते ही एसएसपी रजनेश सिंह, एडिशनल एसपी अर्चना झा, कोटा एसडीओपी नूपुर उपाध्याय और एसीसीयू की टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान जांच के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट और डॉग स्क्वायड की भी मदद ली गई। जिस तरीके से पुजारी की हत्या की गई थी, उसे देखकर एसएसपी रजनेश सिंह ने मामले को भांप लिया।

ट्रंप के टैरिफ से रॉकेट बने सोना-चांदी

सोने का अक्टूबर वायदा भाव 1,05,937 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया।

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में आज जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। MCX पर सोना और चांदी दोनों की कीमत 1% से अधिक तेजी के साथ ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। डॉलर के कमजोर होने और सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने की वजह से सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है। एससीएक्स पर सोने का अक्टूबर वायदा भाव 1,05,937 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया। वहीं, चांदी का दिसंबर वायदा भाव 1,24,369 रुपये प्रति किलो तक चढ़ गया।

दोपहर बाद 2 बजे सोना 1,195 रुपये यानी 1.15% तेजी के साथ 1,05,019 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। चांदी 2378 रुपये की तेजी के साथ 1,22,749 रुपये प्रति किलो पर थी। पिछले शुक्रवार को सोने और चांदी दोनों के दाम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़े थे। सोने का अक्टूबर वायदा भाव 1.69% की बढ़त के साथ 1,03,824 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी का दिसंबर वायदा भाव 2.72% की बढ़त के साथ 1,21,873 रुपये प्रति किलो पर बंद हुआ था।

क्यों बढ़ रही है कीमत?

पिछले हफ्ते सोने और चांदी में अच्छी मजबूती देखने को मिली। इसकी वजह यह है कि अमेरिका ने भारत पर ज्यादा ट्रेड टैरिफ लगा दिए हैं। लोग सोने-चांदी को सुरक्षित मानकर इनमें निवेश कर रहे हैं। साथ ही, यह भी उम्मीद है कि फेड ब्याज दरें घटा सकता है, जिससे सोने-चांदी को और सहारा मिल रहा है। रुपये की कीमत डॉलर के मुकाबले गिर गई है, जो सोने और चांदी के दामों को घरेलू बाजारों में बढ़ा रही है।

ई20 पेट्रोल को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

सरकार बोली- याचिकाकर्ता अंग्रेज, कोई बाहरी बताएगा कौन सा पेट्रोल इस्तेमाल करें

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आज 1 सितंबर को पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने के प्लान को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। इस प्लान के तहत देश में बिकने वाले पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिलाया जा रहा है। 2023 में इथेनॉल मिलाने की शुरुआत की गई थी। सरकार ने 2025-26 तक देश के सभी पेट्रोल पंप्स पर E20 पेट्रोल उपलब्ध कराने का टारगेट रखा है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने ये फैसला सुनाया। ये याचिका वकील अक्षय मल्होत्रा ने दायर की थी।

याचिकाकर्ता के मुताबिक अप्रैल 2023 से पहले भारत में बनी गाड़ियां एथनॉल मिले पेट्रोल के साथ काम नहीं कर सकतीं। साथ ही BS-VI स्टैंडर्ड गाड़ियां भी इसके लिए कंपेटिबल नहीं हैं। इसलिए उपभोक्ताओं को बिना इथेनॉल वाले फ्यूल को चुनने का ऑप्शन मिलना चाहिए।

अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने सरकार की ओर से कोर्ट में कहा ₹ये याचिकाकर्ता एक अंग्रेज है। कोई बाहरी व्यक्ति हमें बताएगा कि कौन सा पेट्रोल इस्तेमाल करना है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील शादान फरासत ने 2021 की नीति आयोग की एक रिपोर्ट का जिक्र किया, जिसमें पुरानी गाड़ियों- खासकर 2023 से पहले बनी गाड़ियों के लिए इथेनॉल मिक्स पेट्रोल से माइलेज 6% कम होने की चिंता जताई गई थी।

उन्होंने कहा, 'हमें ऑप्शन तो दिया जाए ... हम E20 के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन कम से कम सप्लायर्स को हमें बताना चाहिए कि कुछ गाड़ियां इसके साथ कम्पैटिबल नहीं हैं। सिर्फ अप्रैल 2023 के बाद बनी गाड़ियां ही ई20 को झेल सकती हैं।' याचिका में ये भी कहा गया है कि 20% इथेनॉल मिलाने के बावजूद पेट्रोल की कीमत में कम नहीं हुई, जिसका फायदा कंज्यूमर्स को नहीं मिल रहा। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अगस्त महीने की शुरुआत में इस मुद्दे पर कहा था कि E20 फ्यूल से गाड़ियों को कोई नुकसान नहीं होता।

मंत्रालय के मुताबिक, लंबे टेस्ट में 1 लाख किलोमीटर तक गाड़ियों को E20 से चलाया गया और हर 10 हजार किलोमीटर पर चेक किया गया। नतीजा ये निकला कि पावर, टॉर्क और माइलेज में कोई खास फर्क नहीं पड़ा। हालांकि, ये माना गया कि नए वाहनों में माइलेज 1-2% और पुरानी गाड़ियों में 3-6% तक कम हो सकता है, लेकिन ये 'ड्रास्टिक' नहीं है और इंजन ट्यूनिंग से इसे ठीक किया जा सकता है।

पुरानी गाड़ियों को लेकर चिंता जताई जा रही थी कि E20 से उनके इंजन और पार्ट्स खराब हो सकते हैं, लेकिन मंत्रालय ने साफ किया कि E20 में कॉरोजन इनहिबिटर्स (जंगरोधी तत्व) डाले गए हैं और BIS और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडड्र्स के तहत सेफ्टी सुनिश्चित की गई है।

19 किलो वाला गैस सिलेंडर 51.50 तक सस्ता

चांदी के गहनों पर हॉलमार्किंग लागू, टैक्स रिटर्न की आखिरी तारीख 15 सितंबर; 7 बड़े बदलाव

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। सितंबर में 7 बड़े बदलाव हो रहे हैं, जो सीधे आपसे जुड़े हैं। आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 51.50 तक सस्ता हो गया है। वहीं, सोने के बाद अब सरकार चांदी के गहनों पर भी हॉलमार्किंग 1 सितंबर से लागू कर रही है।

इधर, कॉमर्शियल प्लेन में इस्तेमाल होने वाले एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) की कीमत 1,308.41 रुपए तक घट गई है। इससे हवाई सफर सस्ता हो सकता है।

आज से 19 किलो वाला कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 51.50 तक सस्ता हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत 51.50 रुपए घटकर 1580 हो गई है। पहले ये 1631.50 में मिल रहा था। वहीं कोलकाता में ये अब 50.50 रुपए सस्ता होकर 1684 रुपए में मिलेगा।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने घोषणा की है कि सोने की तरह ही 1 सितंबर से चांदी के गहनों की हॉलमार्किंग की जाएगी। ये गुणवत्ता नियंत्रण में एक बड़ा कदम है। इस कदम का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना है। हॉलमार्किंग से शुद्धता की गारंटी मिलती है। हॉलमार्क साबित करता है कि ज्वेलरी में दी गई चांदी कितनी शुद्ध है। इससे ग्राहक का भरोसा बढ़ता है। स्वैच्छिक लागू करनाः 1 सितंबर से चांदी के गहनों की हॉलमार्किंग स्वैच्छिक होगी, जैसा कि पहले सोने के लिए स्वैच्छिक लागू किया गया था। शुद्धता के ग्रेडः BIS ने चांदी के गहनों के लिए छह शुद्धता ग्रेड तय किए हैंः 800, 835, 900, 925, 970, और 990। हॉलमार्किंग प्रक्रियाः हर गहने को एक 6-अंकीय HUID मिलेगा, जो इसकी प्रामाणिकता और शुद्धता को दर्शाएगा। कंज्यूमर प्रोटेक्शनः ग्राहक BIS Care एप के 'Verify HUID' फीचर का इस्तेमाल करके हॉलमार्क किए गए गहनों की प्रामाणिकता की जांच कर सकते हैं।

इनकम टैक्स 15 सितंबर तक फाइल करना होगा टैक्स

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर, 2025 है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

2082
-1947
-2551
-432000
-426874
-5126
-1972949126
1955885126

सिंह
धनु
कर्क

04-58 बजे
07-05 बजे
09-11 बजे
11-21 बजे
13-34 बजे
15-41 बजे
17-31 बजे
19-09 बजे
20-45 बजे
22-30 बजे
00-30 बजे
02-43 बजे

उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
दशमीं 03-53 तक उपरान्त एकादशी
भाद्रपद शुक्ल, मंगलवार 02 September
मूल 21-51 तक उपरान्त पूर्वाषाढ़ा
प्रीति 16-39 तक आयुष्मान
तैतिल 15-23 तक उप गर
रामदेव जी मेला
तेजा दशमी खेजली मेला

राहुकाल 15-22 से 16-55 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया			रात का चौघडिया		
रोग	06-05 - 07-37	अशुभ	काल	18-29 - 19-55	अशुभ
उत्पात	07-37 - 09-10	अशुभ	लाभ	19-55 - 21-22	शुभ
चंचल	09-10 - 10-43	शुभ	उत्पात	21-22 - 22-49	अशुभ
लाभ	10-43 - 12-16	शुभ	शुभ	22-49 - 00-16	शुभ
अमृत	12-16 - 13-49	शुभ	अमृत.	00-16 - 01-43	शुभ
काल	13-49 - 15-22	अशुभ	चंचल	01-43 - 03-10	शुभ
शुभ	15-22 - 16-55	शुभ	रोग	03-10 - 04-37	अशुभ
रोग।	16-55 - 18-29	अशुभ	काल	04-37 - 06-05	अशुभ

17 साल में जो नहीं हुआ, वह अब हो गया

देश की इकोनॉमी के लिए आई अच्छी खबर? चीन को चुभेगी हमारी खुशी

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर है! मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी से ग्रोथ हो रही है। अगस्त में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का PMI 17.5 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। इसका मतलब है कि देश में चीजें बननी और उनका उत्पादन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग PMI के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में अच्छी ग्रोथ हुई है। पीएमआई जुलाई के 59.1 से बढ़कर 59.3 हो गया है। यह 17.5 सालों में सबसे अच्छा सुधार है। यह नंबर बताता है कि देश में मैन्युफैक्चरिंग की गतिविधियां बहुत मजबूत हैं। पीएमआई एक इंडिकेटर है जो बताता है कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर कैसा प्रदर्शन कर रहा है।

इस इंडिकेटर के बढ़ने का मुख्य कारण प्रोडक्शन का बढ़ना है। प्रोडक्शन लगभग 5 सालों में सबसे तेजी से बढ़ा है। सर्वे में भाग लेने वालों ने बताया कि यह सुधार सप्लाई और डिमांड के बीच बेहतर तालमेल के कारण हुआ है। मतलब, जितनी चीजों की डिमांड है, उतनी ही सप्लाई भी हो रही है।

एचएसबीसी की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि घरेलू डिमांड बढ़ने से फैक्ट्री ऑर्डर्स और प्रोडक्शन में भी बढ़ोतरी हुई है। नए ऑर्डर्स जुलाई के बराबर ही बढ़े हैं, जो पिछले 57 महीनों में सबसे ज्यादा थे। इसका मतलब है कि लोग देश में बनी चीजों को खूब खरीद रहे हैं।

अच्छी डिमांड से बढ़ी बिक्री

बाजार में अच्छी डिमांड और मार्केटिंग के अच्छे तरीकों से बिक्री बढ़ी है। सबसे ज्यादा ग्रोथ इंटरमीडिएट गुड्स में देखी गई, उसके बाद कैपिटल गुड्स और कंज्यूमर गुड्स का नंबर आता है। इंटरमीडिएट गुड्स वो सामान होते हैं जो दूसरी चीजें बनाने में इस्तेमाल होते हैं। कैपिटल गुड्स जैसे मशीनें और उपकरण होते हैं। कंज्यूमर गुड्स वो चीजें हैं जो लोग सीधे इस्तेमाल करते हैं, जैसे कपड़े और खाना।

एचएसबीसी के अनुसार, भारत में बनी चीजों के लिए इंटरनेशनल ऑर्डर्स भी बढ़े हैं, लेकिन यह ग्रोथ पहले के महीनों की तुलना में थोड़ी धीमी है। हालांकि, ओवरसीज डिमांड में यह बढ़ोतरी ऐतिहासिक रूप से काफी मजबूत है। मतलब, दूसरे देशों से भी भारत में बनी चीजों की डिमांड आ रही है।

मैन्युफैक्चरर्स ने बताया कि उन्हें एशिया, यूरोप, मिडिल ईस्ट और अमेरिका जैसे अलग-अलग देशों से नए ऑर्डर्स मिल रहे हैं। इससे पता चलता है कि भारत में बनी चीजें पूरी दुनिया में पसंद की जा रही हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कच्चे माल का स्टॉक बढ़ रहा है। साथ ही, तैयार माल का स्टॉक भी 8 महीने बाद पहली बार बढ़ा है। इसका मतलब है कि कंपनियां ज्यादा सामान बना रही हैं और उन्हें स्टोर भी कर रही हैं।

कीमतों में हुई बढ़ोतरी

अगस्त में कुछ चीजों की कीमतें बढ़ी हैं, जैसे बियरिंग, चमड़ा, खनिज, स्टील और छोटे इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स। लेकिन, इनपुट कॉस्ट इन्फ्लेशन अभी भी कम है। हालांकि, बाजार में डिमांड ज्यादा होने के कारण सेलिंग प्राइसेज में बढ़ोतरी हुई है। मतलब, कंपनियां अपनी चीजों को थोड़ा महंगा बेच रही हैं।

आपका राशिफल

राशि	फल
मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,	यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है
वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,	दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है
मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,	आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए और सारे कार्यक्रम तय योजना के अनुसार अच्छे से पूरा हो जाए
कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,	आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही हैछोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा अगर आपको यह मिल गया तो आपकी जिन्दगी बन जायेगी घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें सफलता की कुंजी प्राथमिकताएं तय करने से मिलेगी ।
सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,	आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी
कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो	नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें
तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,	आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैंआपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे
वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,	आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें
धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे	आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे
मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी	आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे
कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,	आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैंआप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते
मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची	आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा बहुत सारे काम कतार में हैं हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें,नही तो आप समय पर काम पूरा नही कर पायेंगे

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

दुनिया से पंगा ट्रंप को पड़ रहा महंगा!

डॉलर-यूएस ट्रेजरी के साथ 30 साल में पहली बार हो गया खेला

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने देश को फिर से महान बनाने पर अड़े हैं। लेकिन उनकी रणनीति से अमेरिका दुनिया में अलग-थलग पड़ता जा रहा है। दुनिया भर के सेंट्रल बैंक डॉलर और यूएस ट्रेजरी पर अपनी निर्भरता कम करते जा रहे हैं। साल 1996 के बाद यह पहला मौका है जब ग्लोबल सेंट्रल बैंकों में सोने की हिस्सेदारी यूएस ट्रेजरी से ज्यादा हो गई है। इसी तरह डॉलर की हिस्सेदारी में भी गिरावट आई है।

ग्लोबल इंटरनेशनल रिजर्व में डॉलर की हिस्सेदारी 2025 की पहली तिमाही में 2% कम होकर 42% रह गई है जो 30 साल में सबसे कम है। इस दौरान सोने की हिस्सेदारी 3% बढ़कर 24% हो गई है। लगातार तीसरे साल सोने की हिस्सेदारी बढ़ी है। इस दौरान यूरो की हिस्सेदारी में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह 15 फीसदी पर स्थिर है। दुनिया के सेंट्रल बैंकों के रिजर्व में अब डॉलर के बाद सोना सबसे बड़ा एसेट है। यूक्रेन युद्ध के बाद से ही दुनिया भर के देश अपने रिजर्व में डॉलर की हिस्सेदारी कम कर रहे हैं और सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं।

यूके को कपड़ा बेचकर अमेरिकी घाटे की भरपाई करेगा भारत

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारतीय टेक्सटाइल सामान पर 50% टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त से लागू है। इससे भारत के टेक्सटाइल और कपड़ा एक्सपोर्ट पर असर पड़ सकता है। हालांकि, एक अच्छी खबर यह है कि भारत-UK फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) के कारण ब्रिटेन को एक्सपोर्ट में बढ़ोतरी से इस नुकसान की भरपाई हो सकती है। यह बात केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोपीय संघ (EU) के साथ चल रही FTA की बातचीत भी इंडियन टेक्सटाइल ट्रेड के लिए नए रास्ते खोल सकती है। भारत-यूके FTA को खासतौर पर रेडीमेड गारमेंट्स (RMG) और होम टेक्सटाइल सेक्टर के लिए गेम-चेंजर माना जा रहा है। यह भारत को ब्रिटेन के करीब 23 बिलियन डॉलर यानी 2.02 लाख करोड़ रुपए के इंपोर्ट मार्केट में बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के बराबर मौका देगा।

अमेरिकी टैरिफ से कितना नुकसान?

केयरएज रेटिंग्स के असिस्टेंट डायरेक्टर अक्षय मोरबिया के अनुसार, अमेरिकी टैरिफ के कारण भारत के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट में 2026 में 9-10% की कमी आ सकती है। इससे भारतीय RMG और होम टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स के मुनाफे में 3% से 5% की गिरावट आ सकती है। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि भारतीय एक्सपोर्टर्स अपने अमेरिकी ग्राहकों के साथ कीमतों पर कितनी अच्छी बातचीत कर पाते हैं, ताकि एक्सपोर्ट की मात्रा बरकरार रहे। केयरएज रेटिंग्स के डायरेक्टर क्रुणाल मोदी ने बताया कि भारत सरकार ने कॉटन पर 10% इंपोर्ट ड्यूटी को 31 दिसंबर 2025 तक हटा दिया है। इसके अलावा सरकार 40 देशों में अपने स्पेशल आउटरीच प्रोग्राम के जरिए एक्सपोर्ट मार्केट्स को बढ़ाने, एक्सपोर्ट इंसेंटिव्स और इंटरेस्ट सब्सिडी जैसे कदमों के जरिए टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स के कॉम्पिटिशन और मुनाफे को बढ़ाने में मदद कर रही है।

सेंसेक्स 555 अंक चढ़कर 80,364 पर बंद

निफ्टी में 198 अंक की तेजी रही; NSE के ऑटो, मेटल और IT इंडेक्स चढ़े

मुंबई,1 सितंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार, 1 सितंबर को सेंसेक्स 555 अंक चढ़कर 80,364 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 198 अंक की तेजी रही, ये 24,625 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

सेंसेक्स के 30 में से 23 शेयरों में तेजी और 7 में गिरावट रही। महिंद्रा और टाटा मोटर्स समेत कुल 16 शेयरों में 1.15% से 3.50% तक की तेजी रही। सनफार्मा में करीब 2% गिरकर बंद हुआ।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 42 में तेजी रही, 8 नीचे बंद हुए। NSE के ऑटो इंडेक्स में 2.80%, कंज्यूमर ड्यूबल्स में 2.08%, फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.81%, मेटल में 1.64% और IT में इंडेक्स 1.59% की तेजी रही। मीडिया फार्मा में गिरावट रही।

बल मार्केट में मिलाजुला कारोबार

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 1.24% नीचे 42,189 पर और कोरिया का कोस्पी 1.35% गिरकर 3,143 पर बंद हुआ।

हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 2.15% ऊपर 25,618 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.46% चढ़कर 3,876 पर बंद हुआ। 29 अगस्त को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.20% गिरकर 45,545 पर बंद हुआ।

आगमन ही नहीं, बप्पा की विदाई के लिए भी शुभ मुहूर्त जरूरी

गणेश चतुर्थी का पर्व भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाता है. गणपति बप्पा की 10 दिनों तक घर में पूजा अर्चना करने के बाद, अंतिम दिन उनकी विदाई का समय होता है, जिसे गणेश विसर्जन कहते हैं. हिन्दू धर्म में गणेश विसर्जन का अत्यधिक धार्मिक महत्व है।

माना जाता है कि गणपति अपने साथ भक्तों के दुखों को लेकर जाते हैं और उनके जीवन को खुशहाली से भर देते हैं। साथ ही विसर्जन का भी खास महत्व होता है. जैसे भगवान को शुभ मुहूर्त मे स्थापना का महत्व है. वैसे ही शुभ मुहूर्त मे विदाई का भी विशेष महत्व है। आइए उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते है बप्पा की विदाई का शुभ मुहूर्त व शुभ तिथि।

इस मुहूर्त में करें बप्पा की विदाई

शुभ चौघड़िया: प्रातः 7:36 मिनट से 9:10 मिनट तक
लाभ चौघड़िया: दोपहर 1:54 मिनट से 03:28 मिनट तक
अमृत चौघड़िया:दोपहर 3:29 मिनट से 05:03 मिनट तक
लाभ चौघड़िया: सायं 6:37 मिनट से 08:03 मिनट

शुभ योग में करें विदाई

बप्पा की विदाई के दिन रवि योग बन रहा है. उस दिन रवि योग सुबह में 06 बजकर 02 मिनट पर बन रहा है, जो रात 10 बजकर 55 मिनट तक रहेगा. रवि योग में सभी प्रकार के दोष मिट जाते हैं. इस दिन अतिगण्ड योग सुबह से लेकर दिन में 11 बजकर 52 मिनट तक रहेगा, उसके बाद से सुकर्मा योग बनेगा।

बप्पा के विसर्जन की विधि

सुबह स्नान के बाद गणेश जी का ध्यान करें और पूजा स्थल को साफ करें. साथ ही चौकी पर स्वच्छ पीला या लाल वस्त्र बिछाकर स्वास्तिक बनाएं और अक्षत (चावल) रखें. उसके बाद विसर्जन से पहले गणपति की अंतिम पूजा करें, गणेश जी को स्नान कराएं, नए वस्त्र पहनाएं, और कुमकुम का तिलक लगाएं.दूर्वा, फूल, मोदक, और लड्डू का भोग लगाएं.गणेश मंत्रों का जाप करें, जैसे "ॐ गं गणपतये नमः" और गणेश स्तोत्र का पाठ करें. परिवार के सभी सदस्यों के साथ गणेश जी की आरती करें. मूर्ति को जल में विसर्जित करने से पहले "गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ" का जयकारा लगाएं।

गणेश विसर्जन के दौरान करें इन मंत्रों का जाप

"ॐ गण गणपतये नमः"

यह सबसे सामान्य और सरल मंत्र है जो गणेश जी को समर्पित है. यह मंत्र जीवन की बाधाओं को दूर करता है और इसके जाप से मन को शांति मिलती है।

॥ ॐ एकदन्ताय विघ्नविनाशिनाय धीमहि तन्नो दन्तिः प्रचोदयात ॥

इस मंत्र के जाप से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

परिवर्तिनी एकादशी पर कर लें राशि अनुसार ये उपाय

हिन्दू धर्म में एकादशी का विशेष महत्व है. सालभर में 24 एकादशी व्रत होते हैं. हर माह में 2 बार एकादशी व्रत होता है। मान्यता है कि एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है. वहीं, भादो का यह माह बहुत ही पवित्र माना गया है। ऐसे में भादो मास की एकादशी का खास महत्व होता है। कुछ ही दिनों बाद 03 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी आने वाली है. इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा विशेष फलदायक होती है. उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार इस दिन किया गया राशि अनुसार उपाय से सालभर लक्ष्मी-नारायण की कृपा बनी रहेगी।

राशि के अनुसार जरूर करें यह दान

– मेष राशि के जातकों को परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए लाल रंग का फूल अर्पित करना चाहिए।

– वृषभ राशि के जातकों को परिवर्तिनी एकादशी के दिन सफेद चीजों का दान करना चाहिए. मान्यता है कि इस दिन सफेद चीजों का दान करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

कर्क राशि के जातकों को परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए खीर का भोग अर्पित करना चाहिए. मान्यता है कि खीर का भोग अर्पित करने से घर में खुशियां आती हैं।

– सिंह राशि के जातक को परिवर्तिनी एकादशी के दिन पीले रंग का वस्त्र भगवान विष्णु को अर्पित करना चाहिए. इसके साथ ही पीले रंग का वस्त्र भी धारण करना चाहिए. इससे भगवान प्रसन्न होते हैं।

– कन्या राशि के जातक जो कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं. उन्हें परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए सफेद मिठाई के साथ केसर अर्पित करना चाहिए. ऐसा करने से घर में सालभर सुख-शांति बनी रहेगी।

– तुला राशि वाले जातकों को इस दिन सफ़ेद चीजों का दान करना चाहिए. इससे वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ता है. साथ ही सौभाग्य की प्राप्ति भी होती है।

– वृश्चिक राशि के जातक नौकरी-व्यापार में तरक्की पाने के लिए इस दिन गुड़ का दान अवश्य करें. इससे नारायण की कृपा हमेशा बनी रहेगी।

– धनु राशि के जातक परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाने के लिए पीले वस्त्र और पीले चंदन का दान करें. साथ ही पीले फल का भी दान करें. इससे नौकरी मिलने के चांस बढ़ते हैं।

– मकर राशि के जातक परिवर्तिनी एकादशी के दिन दही और इलायची का भोग अर्पित करें. इससे भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है. शादी के योग खुलते हैं।

– कुंभ राशि के जातक परिवर्तिनी एकादशी के दिन पीपल के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीपक जलाएं. इससे भगवान प्रसन्न होते हैं.

– मीन राशि के जातकों को परिवर्तिनी एकादशी के दिन गरीबों की सेवा करना चाहिए. साथ ही गरीबों को दान करना चाहिए. और भगवान को मिश्री का भोग लगाना चाहिए।

कुंडली का सबसे शक्तिशाली योग, कैसे बृहस्पति के विशेष योग से मिलती है प्रतिष्ठा और सफलता

जन्म कुंडली हर व्यक्ति की जिंदगी की दिशा तय करती है. इसमें बने अलग-अलग योग जीवन में सफलता, प्रसिद्धि और धन-सम्पत्ति दिलाने में मदद करते हैं. इनमें से सबसे शक्तिशाली माना जाता है हंस महापुरुष योग. यह योग सिर्फ भौतिक सफलता ही नहीं, बल्कि व्यक्ति को ज्ञानी और सम्मानित भी बनाता है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जो लोग इस योग के प्रभाव में होते हैं, उन्हें शिक्षा, लेखन, प्रवचन और समाज सेवा में बड़ी सफलता मिलती है. हंस महापुरुष योग सिर्फ कुंडली में बृहस्पति ग्रह की सही स्थिति से बनता है और इसके सही निर्माण और फल जानना हर व्यक्ति के लिए जरूरी है।

हंस महापुरुष योग कैसे बनता है

ज्योतिषियों का मानना है कि हंस महापुरुष योग बृहस्पति ग्रह के प्रभाव से बनता है. यदि बृहस्पति कुंडली के प्रमुख भावों में अपनी उच्च राशि, मूल त्रिकोण या स्वराशि में स्थित होता है, तो यह योग बनता है. विशेषकर यदि बृहस्पति प्रथम, चतुर्थ, सप्तम या दशम भाव में यानी कर्क राशि में या अपनी स्वराशि मीन राशि में हो, तो यह योग पूरी तरह से प्रभावी होता है. कुंडली में बृहस्पति की सही स्थिति ही यह तय करती है कि व्यक्ति को इस योग का पूरा लाभ मिलेगा या नहीं.

हंस महापुरुष योग के जबरदस्त परिणाम

इस योग का प्रभाव व्यक्ति की मान-प्रतिष्ठा और सामाजिक सम्मान पर दिखाई देता है. शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखने वाले इस योग के प्रभाव से बड़ा मुकाम हासिल कर सकते हैं. प्रवचन देने वाले और समाज में मार्गदर्शन करने वाले लोग इस योग से लोकप्रिय और सम्मानित बनते हैं। व्यक्ति के बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होती है, जिससे लोग उनकी सलाह लेने आते हैं. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस योग का सर्वोत्तम फल 50 से 60 वर्ष की आयु में देखने को मिलता है।

हंस महापुरुष योग से प्रभावित क्षेत्र

यदि कुंडली में अन्य ग्रह जैसे शुक्र, चंद्र और बुध बृहस्पति पर दृष्टि डाल रहे हों, तो व्यक्ति असाधारण गुणों से संपन्न होता है। इस योग के प्रभाव में व्यक्ति शिक्षण, लेखन, वित्त, बैंकिंग, समाज सेवा, धर्म, ज्योतिष और अन्य वैदिक विद्याओं में रुचि रखता है. यह योग न सिर्फ करियर में सफलता दिलाता है, बल्कि व्यक्ति को समाज में प्रसिद्धि और सम्मान भी दिलाता है।

किन परिस्थितियों में योग का फल नहीं मिलता

हालांकि, हंस महापुरुष योग बनना पर्याप्त नहीं है. यदि बृहस्पति अपनी नीच राशि या शत्रु राशि में हो, तो योग बनने के बावजूद व्यक्ति को इसका पूरा लाभ नहीं मिलता. ऐसी स्थिति में जीवन में कई अवसर अधूरे रह जाते हैं और व्यक्ति अपेक्षित सफलता नहीं पा पाता. इसलिए कुंडली में बृहस्पति की स्थिति और अन्य ग्रहों की दृष्टि का विश्लेषण करना जरूरी है।

जितने विचार-स्मृतियां मन में होंगे, उतनी ही अशांति होगी

आजकल किसी से कोई बात करो, उसकी पुष्टि के लिए लोग मोबाइल खोलते हैं और डिजिटल माध्यमों से जानकारी निकालते हैं। जानकारी निकलती भी है। फिर जीवन इतना अधिक जानकारी-केंद्रित हो जाता है कि ज्ञान खो जाता है। जैसे शास्त्रों में मन पर बहुत काम हुआ है।

ऐसा लिखा गया है- माया मरी ना मन मरा, मर-मर गए शरीर। आशा-तृष्णा ना मरी, कह गए दास कबीर। तो अब मन को मारना नहीं है। मरेगा भी नहीं।

लेकिन फिर भी हमारे यहां मृत्यु की व्यवस्था मनुष्य को स्मृतियों से मुक्त कर देती है। जितने विचार और स्मृतियां मन में होंगे, मनुष्य उतना अशांत होगा।

विज्ञान भी मेमोरी एडिटिंग को मानता है। शास्त्रों ने इसे ही ध्यान कहा है। मनुष्य के मस्तिष्क में हिप्पोकैम्पस और कॉर्टेक्स होते हैं। ये स्मृतियों को सहेजते हैं। और एमिग्डेला, नापसंद और पसंद को रजिस्टर करता है। इन तीनों को व्यवस्थित करने का काम ही योग है। इसलिए विज्ञान को योग से लड़ना नहीं चाहिए और योग को विज्ञान से वैर नहीं रखना चाहिए।

16 दिवसीय महालक्ष्मी व्रत में जरूर करें ये उपाय

देवी लक्ष्मी को समर्पित महालक्ष्मी व्रत 16 दिनों तक चलता है. इस दौरान महिलाएं विधि-विधान से माता लक्ष्मी की पूजा करती हैं, व्रत रखती हैं, कथा का पाठ करती हैं और दान-पुण्य आदि करती हैं. अंत में 16 वें दिन कलश विसर्जन कर व्रत का समापन किया जाता है. हर साल महालक्ष्मी व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से शुरू होता है, जिसका समापन अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को होता है।

महालक्ष्मी व्रत धन-वैभव और समृद्धि के लिए किया जाता है और इसमें खट्टी या नमक वाली चीजों का सेवन नहीं किया जाता है. अगर कोई भक्त पूरे 16 दिन का व्रत न कर पाए, तो वह तीन व्रत भी कर सकता है जिसमें पहले, मध्य और अंतिम दिन पूजा करके पुण्य प्राप्त कर सकता है. अगर आप महालक्ष्मी व्रत में 16 दिनों तक ये उपाय करते हैं, तो माता लक्ष्मी आपके घर में धन के भंडार भर देंगी।

सुख-समृद्धि के लिए उपाय

महालक्ष्मी व्रत की पूजा में देवी लक्ष्मी को खीर का भोग लगाएं और बाद में इस खीर को 16

कन्याओं में बांट दें. इस उपाय को करने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं. इसके अलावा, रात में चंद्रमा को दूध से अर्घ्य दें और इस दौरान 'ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले वसले प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करें।

धन लाभ के लिए उपाय

महालक्ष्मी व्रत के दौरान देवी लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करें और उन्हें चांदी के सिक्के और कौड़ियां अर्पित करें. फिर पूजा के अगले दिन इन सिक्के और कौड़ियों को एक लाल कपड़े में लपेटकर अपनी तिजोरी में रख देना चाहिए. मान्यता है कि ऐसा करने से साधक के लिए धन लाभ के योग बनने लगते हैं।

तंगी दूर करने के लिए उपाय

महालक्ष्मी की पूजा के दौरान देवी के चरणों में कमल के और पलाश के फूल के साथ श्रीयंत्र अर्पित करें. साथ ही, मां लक्ष्मी को फल-फूल, धूप-दीप, लाल वस्त्र और सोलह श्रृंगार की सामग्री भी जरूर चढ़ाएं. इसके अलावा, पूजा में गाय के घी का दीपक जलाना चाहिए. इस उपाय को करने से लक्ष्मी जी की कृपा से आर्थिक तंगी दूर होने लगती है।

इन बातों का रखें ध्यान

महालक्ष्मी व्रत करने का पूर्ण फल तभी मिल सकता है, जब आप कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं. महालक्ष्मी व्रत के दौरान घर की, मुख्य द्वार की और मंदिर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए. साख ही, इस व्रत में खट्टी और नमक वाली चीजों का सेवन बिल्कुल न करें. अगर आप इन बातों का ध्यान रखते हैं, तो इससे आपको व्रत का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

'जीवन में जो भी सीखा, उनसे ही सीखा'

पिता प्रेम सागर के निधन पर शिव सागर ने जारी किया भावुक बयान

दिग्गज निर्माता-निर्देशक राम सागर के बेटे प्रेम सागर का बीते रविवार को निधन हो गया। अब उनको याद करते हुए उनके बेटे व निर्माता शिव सागर ने एक बयान जारी किया है। इसमें उन्होंने अपने पिता की बीमारी और उनके बारे में जानकारी दी है।

सरल, लेकिन जरूरत पड़ने पर सख्त पिता थे

पिता को याद करते हुए शिव सागर ने कहा कि उन्हें एक महीने पहले कोलन कैंसर का पता चला था और उनका इलाज चल रहा था। वह शनिवार को घर लौटे और गणेश उत्सव के पांचवें दिन यानी रविवार 31 अगस्त को उनका निधन हो गया। प्रेम जी अपने नाम की तरह ही थे—प्यार और भावनाओं से भरपूर थे। वह एक स्नेही पिता थे, फिर भी जरूरत पड़ने पर सख्त भी थे।

हमेशा नई तकनीक को अपनाने पर देते थे जोर

अपने बयान में शिव सागर ने आगे कहा कि कैमरा तो बस उनके (प्रेम सागर) हाथों का एक विस्तार था। एक बेहतरीन सिनेमैटोग्राफर होने और जीतेंद्र व हेमा मालिनी के साथ एक फिल्म का निर्देशन करने के बावजूद, उन्होंने 'विक्रम और बेताल' के साथ सागर आर्ट्स के टेलीविजन विंग की शुरुआत की, जो रामायण का पूर्ववर्ती था। बाद में, वह सागर आर्ट्स के मार्केटिंग डायरेक्टर बने। वह हमेशा नई तकनीक को अपनाते थे। उन्हें स्टार भारत पर हाल ही में रिलीज हुआ हमारा शो 'कामधेनु गौमाता' बहुत पसंद आया। जब हम इसकी शूटिंग कर रहे थे, तो वह सेट पर भी कई बार आए।

वह मेरे गुरु भी थे

पिता से मिली सीखों के बारे में बात करते हुए शिव सागर ने कहा कि मैंने जीवन और फिल्म निर्माण के बारे में जो कुछ भी सीखा, वह सब उनसे सीखा। वे मेरे गुरु भी थे और वाकपटुता में निपुण थे। हमने कई प्रोजेक्ट्स पर साथ काम किया।

मैं उनके धैर्य, कहानी कहने की क्षमता, मार्केटिंग की दृष्टि और लोगों को हंसाने और सहज महसूस कराने की उनकी क्षमता का प्रशंसक था। उन्हें हिंदू धर्म, अध्यात्म और सिनेमा का गहरा ज्ञान था। उनके जाने से एक पूरा युग चला गया।

सोनू सूद ने पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की मदद का उठाया बीड़ा

कहा- सब कुछ कुर्बान हो जाए, मैं पीछे नहीं हटूंगा

पंजाब के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण सतलुज, व्यास और रावी नदियां उफान पर हैं। यही वजह है कि पंजाब में बाढ़ आ गई है। आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई लोगों की जान चली गई है। जानवरों के पानी में बहने के वीडियोज सामने आ रहे हैं।

ऐसे बुरे वक्त में बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद फिर से लोगों की मदद के लिए खड़े हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर मैसेज शेयर करते हुए अपना मैसेज सभी जरुरतमंदों तक पहुंचाया है। ये भी कहा कि पंजाब उनकी आत्मा है और चाहे कुछ भी कुर्बान करना पड़े, लेकिन वो पीछे नहीं हटेंगे।

सोनू सूद ने पंजाब के लोगों की मदद करने के लिए लोगों से आगे बढ़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कैप्शन में लिखा, 'मैं पंजाब के साथ हूं। इस विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं है। हम सब मिलकर हर एक व्यक्ति को फिर से अपने पैरों पर खड़ा होने में मदद करेंगे।'

पंजाब के मोगा के रहने वाले एक्टर ने आगे कहा, 'अगर आपको किसी भी तरह की मदद की जरूरत है, तो बेझिझक हमें संदेश भेजें। हम आपकी हर संभव मदद करने की पूरी कोशिश करेंगे। पंजाब मेरी आत्मा है। चाहे इसके लिए सब कुछ कुर्बान हो जाए, मैं पीछे नहीं हटूंगा। हम पंजाबी हैं और हम हार नहीं मानते।'

फैंस कर रहे हैं तारीफ

सोनू के इस कदम की फैंस तारीफ कर रहे हैं। एक ने कहा, 'ऐसा दिल किसा का नहीं है... सिर्फ आपके सिवा।' दूसरे ने कहा, 'हमेशा जरुरतमंदों की मदद के लिए खड़े होते हैं।' एक और फैन ने तारीफ में कहा, 'ये आदमी वाकई कमाल का है। इसने कोविड में फंसे कई लोगों को बचाया। फिल्मी विलेन, पर असली हीरो।'

इन जिलों के गांव हुए हैं सबसे ज्यादा प्रभावित

जानकारी के अनुसार, पंजाब में बाढ़ से गुरदासपुर, पठानकोट, फाजिल्का, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, होशियारपुर और अमृतसर जिलों के गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सभी स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी को 3 सितंबर तक बंद कर दिया गया है।

'सत्या' के बाद फिर साथ आ रहे मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा, हॉरर-कॉमेडी का लगाएंगे तड़का

मनोज बाजपेयी की 'सत्या' फिल्म तो आपको याद ही होगी। राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को बॉलीवुड की कल्ट फिल्म माना जाता है। अब लगभग तीन दशक के बाद एक बार फिर मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा की जोड़ी एक साथ आ रही है। हालांकि, इस बार दोनों की फिल्म का जॉनर एकदम अलग है।

मनोज बाजपेयी के साथ जुड़ीं जेनेलिया डिसूजा

लंबे वक्त के बाद मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म के जरिए फिर से एक साथ वापस आ रहे हैं। इस फिल्म का नाम 'पुलिस स्टेशन में भूत' है। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के अलावा अब अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा भी जुड़ गई हैं। अब फैंस इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं।

फिल्म का पहला शेड्यूल हो चुका है पूरा

'पुलिस स्टेशन में भूत' की शूटिंग शुरू हो चुकी है और पहला शेड्यूल भी पूरा हो गया है। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी के साथ राम गोपाल वर्मा का कहानी कहने का अलग ढंग इसे और भी खास बनाता है। इसके बाद दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हो रहे हैं। फिल्म का सार ये है कि जब हम डरते हैं तो पुलिस स्टेशन भागते हैं, लेकिन जब पुलिस डर जाए, तो वो कहां भागेगी?

मनोज बाजपेयी की पाइपलाइन में हैं कई फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो मनोज बाजपेयी की पाइपलाइन में इस समय कई प्रोजेक्ट्स हैं। वो जल्द ही नेटफ्लिक्स की फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' में नजर आएंगे।

इसके अलावा उनके पास 'जुगनुमा' भी है, इन दोनों ही फिल्मों के ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुए हैं। वहीं मनोज बाजपेयी के लोकप्रिय शो 'द फैमिली मैन' के चौथे सीजन का भी दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण हैं करोड़ों के मालिक, पत्नी तो इतनी अमीर कि सुपरस्टार्स भी हैं फेल

साउथ एक्टर पवन कल्याण अब राजनीति में सक्रिय हैं. वो आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं. पवन कल्याण की जर्नी काफी इंस्पायरिंग रही है.

वो सिर्फ 10वीं तक ही पढ़े हैं लेकिन उन्होंने अपने करियर में खूब ऊंचाईयां देखी हैं. पवन ने पहले एक्टिंग में अपना नाम बनाया और अब राजनीति में बना रहे हैं. आइए जानते हैं उनकी नेटवर्थ के बारे में.

पवन कल्याण की नेटवर्थ

चुनावी हलफनामे के मुताबिक, पवन कल्याण की नेटवर्थ 165 करोड़ है. उनके पास 118.36 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति और 46.17 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है. इसके अलावा एक्टर 65.77 करोड़ रुपये कर्जे में भी हैं.

पवन के बैंक अकाउंट में 20 करोड़ से ज्यादा रुपये हैं. वहीं उनके पास 3 लाख के करीब कैश था. पवन ने रियल स्टेट प्रॉपर्टीज में भी इंवेस्ट किया हुआ है. पवन कल्याण को लग्जरी कार का बहुत शौक है. उनकी गाड़ियों की कीमत 14 करोड़ आसपास है. पवन के पास हैदराबाद में कई प्रॉपर्टीज हैं. उनके पास जुबली हिल्स में 12 करोड़ का बंगला है.

जानें पवन कल्याण की पत्नी की नेटवर्थ

बता दें कि पवन कल्याण ने रशियन एक्ट्रेस-मॉडल अन्ना लेज़्नेवा संग शादी की. उनकी पहली मुलाकात 2011 में फिल्म तीन मार की शूटिंग के दौरान हुई. इसके बाद उनके बीच प्यार हुआ और फिर उन्होंने 2012 में शादी कर ली. अन्ना लेज़्नेवा पवन की तीसरी पत्नी हैं. अन्ना लेज़्नेवा करोड़ों की मालकिन हैं. उनकी नेटवर्थ के आगे पवन कल्याण की नेटवर्थ कुछ भी नहीं है. उन्होंने सिंगापुर में होटल चैन में इंवेस्टमेंट की हुई है. उनकी नेटवर्थ 1800 करोड़ के आसपास है.

पवन कल्याण के एक्टिंग करियर की बात करें तो उन्होंने 1996 में शुरुआत की थी. वो सुपरस्टार एक्टर चिरंजीवी के छोटे भाई हैं. पवन कल्याण ने कई शानदार फिल्मों में काम किया. वो कुशी, बालू, जलसा, गब्बर सिंह, अतरिंटिकी डेरेडी जैसी फिल्मों में दिखे.

युजवेंद्र चहल पर धनश्री ने फिर कसा तंज?

डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इन दिनों एक नए रियलिटी शो में नजर आने वाली हैं, जिसके चलते वो चर्चाओं में हैं। हालांकि सुर्खियों में आने की वजह सिर्फ शो नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी भी है। धनश्री ने अपने रिएलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के प्रोमो में एक बयान दिया जिसे सोशल मीडिया पर लोग उनके एक्स-हसबैंड और टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल से जोड़कर देख रहे हैं।

प्रोमो में क्या बोलीं धनश्री?

'राइज एंड फॉल' नाम के शो के लेटेस्ट प्रोमो में धनश्री कहते हुए नजर आती हैं- 'क्वीन को स्टार बनने की जरूरत नहीं है, इंटरव्यू लेने वालों की लाइन पहले

से लगी है। और वैसे भी, पेंटहाउस के सारे स्पोर्ट्स चैनल्स मैंने बंद कर दिए हैं।' धनश्री की इस लाइन को सीधे पूर्व पति चहल के साथ मामले को जोड़कर देखा गया।

सोशल मीडिया पर उठे सवाल जैसे ही यह प्रोमो सामने आया, सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे युजवेंद्र चहल पर अप्रत्यक्ष तौर पर टिप्पणी बताया। लोगों का कहना है कि 'स्पोर्ट्स चैनल' वाला जिक्र दरअसल चहल की ओर इशारा है। देखते ही देखते ट्विटर और इंस्टाग्राम पर क्लिप वायरल हो गई और फैंस ने मीम्स की झड़ी लगा दी।

धनश्री-चहल का रिश्ता

धनश्री और चहल की शादी साल 2020 में हुई थी। शुरुआत में दोनों की जोड़ी को फैंस ने काफी पसंद किया, लेकिन बाद में खबरें आईं कि रिश्ते में दरार पड़ गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2022 में दोनों अलग हो गए और मार्च 2025 में तलाक हो गया। कहा जाता है कि सेटलमेंट के दौरान धनश्री को करीब 4.75 करोड़ रुपये बतौर एलिमनी दिए गए। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें खूब ट्रोल किया गया और कई यूजर्स ने उन्हें 'गोल्ड डिगर' तक कह डाला।

'राइज एंड फॉल' से नई पारी

शो 'राइज एंड फॉल' में धनश्री के साथ कई जाने-माने चेहरे भी शामिल हैं। इसे शार्क टैंक इंडिया के अशनीर ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं। इस शो में सेलेब्रिटीज को पेंटहाउस और बेसमेंट जैसी दो अलग-अलग दुनियाओं में बांटा गया है। धनश्री का किरदार शुरू से ही हाइलाइट हो रहा है और अब अपने इस प्रोमो के बाद वो एक बार फिर से चर्चाओं में आ गई हैं।

रानी मुखर्जी के साथ वीडियो शेयर कर शाहरुख ने चौंकाया

लिखा- अधूरी ख्वाहिश पूरी हुई

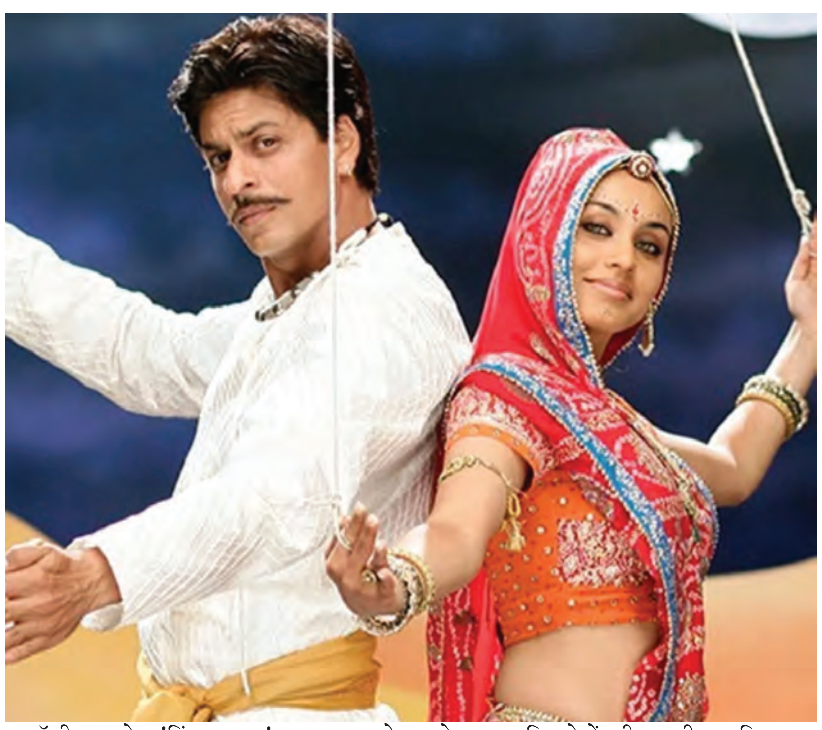

बॉलीवुड के 'किंग खान' शाहरुख ने अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसके साथ ही कैप्शन में उन्होंने रानी को नेशनल अवॉर्ड जीतने के लिए बधाई दी। साथ ही उन्होंने फैंस को बताया कि दोनों की अधूरी ख्वाहिश अब जाकर पूरी हुई है। इसी के साथ उन्होंने आर्यन खान की डेब्यू सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड के गाने की भी झलक दिखाई।

शाहरुख-रानी के वीडियो पर फैंस के रिएक्शन्स

जैसे ही शाहरुख ने रानी के साथ वीडियो शेयर किया। उनके पोस्ट पर कमेंट्स का सैलाब आ गया। दोनों नेशनल अवॉर्ड विनर्स के इस री-यूनियन को देख कई फैंस भावुक हो गए, साथ ही कुछ लोगों की खुशी का तो ठिकाना ही नहीं रहा।

फैंस को आई 'कुछ कुछ होता है' की याद

जब-जब शाहरुख और रानी एक साथ आते हैं, फैन्स को उनकी सुपरहिट फिल्म "कुछ कुछ होता है" याद आ ही जाती है। इस वीडियो में भी कई लोगों ने कमेंट कर लिखा कि उन्हें फिर से 'राहुल और टीना' की केमिस्ट्री देखने को मिली। उनकी इस दोस्ती और कैमिस्ट्री को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चाएं हो रही हैं।

दोनों ने इसी साल जीता नेशनल अवॉर्ड

बता दें करीब 30 साल के फिल्मी सफर में रानी मुखर्जी ने पहली बार नेशनल अवॉर्ड अपने नाम किया है। उन्हें यह सम्मान फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में शानदार अभिनय के लिए मिला। वहीं, शाहरुख खान को भी हाल ही में 'जवान' फिल्म के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। दिलचस्प बात यह है कि रानी और शाहरुख दोनों को एक साथ पहली बार नेशनल अवॉर्ड मिलने की वजह से यह जश्न और भी खास हो गया।

कौन हैं अंशिका पांडे? गुरु रंधावा के म्यूजिक वीडियो अजूल ने रातोंरात बनाया इंटरनेट सेंसेशन

पॉपुलर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा अपने नए गाने 'अजूल' को लेकर विवादों में हैं. इसी बीच हम आपको इस गाने से पॉपुलर हुईं अंशिका पांडे के बारे में बताएंगे. हसीना ने अपने एनर्जेटिक डांस परफॉरमेंस से सभी को अपना दीवाना बना लिया है.

कौन है गुरु रंधावा के गाने से रातोंरत पॉपुलर होने वाली ये हसीना?

गुरु रंधावा के गाने 'अजूल' में अंशिका पांडे नाम की लड़की को फीचर किया गया था. इस म्यूजिक वीडियो से अंशिका को उनका बड़ा ब्रेक मिला और वो काफी पॉपुलर हो गईं. अब हर कोई उनके बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक है. बात करें अंशिका पांडे की तो वो 20 साल की हैं और उनके इंस्टाग्राम प्रोफाइल के मुताबिक उनका जन्म 2005 में हुआ. इसके साथ ही उनके अपने इंस्टाग्राम के बायो में ये मेंशन किया है कि उन्हें डांस करना बेहद पसंद है. अगर आप

इंस्टाग्राम पर इस हसीना की प्रोफाइल देखते हैं तो आपको उनके कई सारे डांस विडियोज देखने को मिलेंगे. इंस्टाग्राम पर उनकी 389K की तगड़ी फैन फॉलोविंग भी है. साथ ही उनका एक यूट्यूब चैनल भी है और यहां भी लोग उन्हें खूब प्यार देते हैं.

अजूल गाने पर छिड़ा है विवाद

पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा का ये गाना 6 अगस्त को रिलीज हुआ था. रिलीज होने के कुछ ही दिनों में ये काफी पॉपुलर हो गया और युवाओं को ये गाना बहुत पसंद भी आया. सोशल मीडिया पर हर कोई इस गाने पर रील बनाता दिख रहा था. 3 हफ्तों में ही इस गाने पर 47 मिलियन व्यूज आ चुके हैं.

लेकिन कुछ दिनों बाद इस गाने को लेकर विवाद छिड़ गया कि इस गाने के जरिए टीचर और स्टूडेंट के बीच के रिश्ते को गलत तरीके से पेश किया गया है. गाने में अंशिका ने एक स्कूल छात्रा का रोल निभाया, जिसमें गुरु रंधावा उनकी तुलना शराब ब्रैंड्स से करते दिखे.अब इस विवाद को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स भी दो हिस्सों में बट चुके हैं।

'वोट चोर' लिखी टी-शर्ट में विधानसभा पहुंचे कांग्रेस के विधायक

जमकर हुआ हंगामा; 3 सितंबर तक सदन स्थगित

जयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र 1 सितंबर को शुरू हुआ, लेकिन पहले दिन ही सदन में जमकर हंगामा हुआ। इसके चलते विधानसभा स्पीकर ने 3 सितंबर 11 बजे तक सदन को स्थगित कर दिया। विपक्षी कांग्रेस विधायकों ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर वोट चोरी का गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की।

विधानसभा के बाहर और अंदर कांग्रेस विधायकों ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' और 'वोट चोरों सावधान, जाग गया हिंदुस्तान' जैसे नारे लगाए। कांग्रेस विधायकों ने तख्तियां लहराकर अपना विरोध दर्ज किया, जिसके जवाब में भाजपा विधायकों ने भी 'गालीबाज राहुल गांधी' के नारे लगाए।

इस हंगामे के बीच विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी ने दोनों पक्षों से सदन की गरिमा बनाए रखने की अपील की। इसी बीच सदन के पूर्व सदस्यों को शोकाभिव्यक्ति दी गई, इसके बाद

सदन को 3 सितंबर तक स्थगित कर दिया गया।

पहले दिन ही विपक्ष का प्रदर्शन

बताते चलें कि सत्र की शुरुआत से पहले ही कांग्रेस विधायक दल ने अपने तेवर दिखा दिए। विधायक आवासीय परिसर से कांग्रेस विधायक एकजुट होकर पैदल मार्च करते हुए विधानसभा पहुंचे। उनके हाथों में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' और 'पहले लड़े थे गोरों से, अब लड़ेंगे चोरों से' लिखी तख्तियां थीं।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि भाजपा ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में वोट चोरी की है। उन्होंने जयपुर ग्रामीण सीट पर भी गड़बड़ी का आरोप लगाया। जूली ने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाएगा और जनता के साथ हुए धोखे का जवाब मांगेगा।

हंगामे के बाद स्पीकर ने जताई नाराजगी

सदन में हंगामे के दौरान स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस विधायकों को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि आप विधानसभा में हैं, न कि किसी सड़क या चौराहे पर। सदन की गरिमा का ध्यान रखें और बाजार जैसी हरकतें न करें। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें सदन की मर्यादा बनाए रखने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

शोकाभिव्यक्ति के दौरान भी जब विपक्ष ने अपनी बात रखने की कोशिश की, तो स्पीकर ने साफ इनकार करते हुए कहा कि नियम और प्रक्रिया के तहत सदन चलेगा।

भाजपा ने भी किया पलटवार

कांग्रेस के नारों का जवाब देते हुए भाजपा विधायकों ने 'गालीबाज राहुल गांधी' के नारे लगाए, जिससे सदन में जमकर हंगामा हुआ। स्पीकर ने भाजपा विधायकों को भी टोका और कहा कि सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए दोनों पक्षों को संयम बरतना होगा। इस बीच, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विधानसभा पहुंचने पर मंत्रियों और विधायकों ने स्वागत किया। उन्होंने स्पीकर वासुदेव देवनानी से मुलाकात भी की।

खेजड़ी संरक्षण की उठी मांग

सदन में निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने खेजड़ी संरक्षण कानून लागू करने की मांग उठाई। वे 'खेजड़ी बचाओ' के पोस्टर लेकर सदन पहुंचे और चेतावनी दी कि अगर सरकार ने समय रहते यह कानून लागू नहीं किया, तो वे मजबूती से विरोध करेंगे।

बता दें, हंगामे के बावजूद सदन में कुछ विधायी कार्य भी हुए। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने राजस्थान स्वास्थ्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2025 को सदन के पटल पर रखा।

खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कारखाना संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया, जबकि वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने माल एवं सेवा कर द्वितीय संशोधन विधेयक पेश किया। स्पीकर ने अंता सीट के खाली होने की सूचना भी सदन को दी।

मानसून का कहर, जोधपुर समेत 27 जिलों में भारी बारिश, स्कूलों में छुट्टी

जोधपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। मानसून ने राज्य में एक बार फिर रौद्र रूप ले लिया है। जोधपुर समेत 27 जिलों में भारी बारिश के चलते कई इलाकों में जलभराव हो गया है। प्रशासन ने सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है और हेल्थ डिपार्टमेंट समेत अन्य विभागों के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। राजस्थान में मानसून एक बार फिर रौद्र रूप में लौट आया है। राज्य के 27 जिलों में मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है,

जिसमें जोधपुर प्रमुखता से शामिल है। जोधपुर में लगातार रुक-रुककर बारिश हो रही है, जिससे शहर के कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया है। जोधपुर जिला कलेक्टर ने सभी सरकारी और निजी स्कूलों में सोमवार (1 सितंबर) के लिए छुट्टी घोषित कर दी है। आदेश में कहा गया कि सभी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में आदेश की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें।

बारिश के चलते सरदारपुरा चौपासनी रोड, नेहरू पार्क, चांदपोल, सूरसागर और शास्त्री नगर जैसे इलाकों में पानी भर गया है। मथुरादास माथुर अस्पताल के बाहर भी जलभराव होने से मरीजों और परिजनों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हनुमानगढ़, झुंझुनू और टोंक में भारी बारिश की आशंका को देखते हुए स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। सीकर, अलवर, करौली, जालोर और झालावाड़ में बीते 24 घंटे में 5 इंच तक बारिश रिकॉर्ड की गई है। सवाई माधोपुर में आकाशीय बिजली गिरने से एक बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि परिवार के 7 सदस्य झुलस गए। चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा में भी बिजली गिरने से एक युवक की जान चली गई। सिरोही जिले की बनास नदी में नहाने गए 5 युवक पानी के तेज बहाव में फंस गए। राहत की बात यह रही कि 4 युवकों को बचा लिया गया, जबकि एक युवक बह गया, जिसकी तलाश जारी है। उधर श्रीगंगानगर में सड़कों पर जलभराव के चलते सड़कें नदी जैसी नजर आ रही हैं। कई वाहन पानी में फंस गए और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हनुमानगढ़ में बाढ़ की आशंका को देखते हुए हेल्थ डिपार्टमेंट सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसिल कर दी गई हैं।

150 यूनिट बिजली मिलेगी फ्री, आरएसएसबी के बनाए जाएंगे सेवा नियम, कैबिनेट के बड़े फैसले

जयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। सीएम भजनलाल की अध्यक्षता में राजस्थान कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। राजस्थान कैबिनेट में निर्णय किया गया है कि प्रदेश में जल्द ही पीएम सूर्यघर के तहत 150 यूनिट फ्री बिजली योजना लागू की जाएगी। उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, विधि मंत्री जोगाराम पटेल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कैबिनेट की बैठक में हुए निर्णयों की जानकारी दी।

योजना के नए प्रावधान

1- इसका लाभ 1 करोड़ 4 लाख घरेलू श्रेणी के रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं को होगा। सौर ऊर्जा से जुड़कर प्रतिमाह 100 यूनिट के स्थान पर अब 150 यूनिट तक निशुल्क बिजली मिलेगी।

2- मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना में पंजीकृत 27 लाख लाभार्थी परिवारों, जिनका औसत मासिक उपभोग 150 यूनिट से अधिक है। उनके घर की छत पर इस योजना में 1.1 किलोवाट क्षमता के निःशुल्क सोलर पैनल लगाए जाएंगे। प्रत्येक उपभोक्ता को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रति संयंत्र 33,000 रुपए और राज्य सरकार की ओर से 17,000

रुपए प्रति संयंत्र की अतिरिक्त वित्तीय सहायता मिलेगी। रूफ टॉप संयंत्र लगने से 3,000 मेगावाट अतिरिक्त सौर ऊर्जा क्षमता सृजित होगी।

3- 150 यूनिट से कम औसत मासिक उपभोग वाली श्रेणी के अन्तर्गत प्रथम श्रेणी में सीएम निःशुल्क बिजली योजना के स्वयं की छत वाले 11 लाख लाभार्थियों को कंपनियों की ओर से निःशुल्क 1.1 किलोवाट क्षमता के संयंत्र लगाए जाएंगे। द्वितीय कैटेगरी में ऐसे उपभोक्ता, जिनकी स्वयं की छत नहीं है, के लिए डिस्कॉम्स सामुदायिक सोलर संयंत्र लगाएंगे।

ये बड़े फैसले हुए

1- प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में दो लाख लगाने का निर्णय

2- राजसेस महाविद्यालयों में अब पांच साल के लिए नियुक्ति होगी। 4,724 शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक संविदा पदों पर भर्ती की जाएगी। 3,540 शैक्षणिक पदों पर यूजीसी मापदंडों के अनुरूप भर्ती करने पर विचार।

3- भू-जल विभाग में पदोन्नति के अतिरिक्त अवसर के साथ अधीक्षण भू-भौतिकविद् एवं अधीक्षण

4- सीवरेज एवं अपशिष्ट जल नीति-2016 में संशोधन

5- राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के सेवा नियम बनाए जाएंगे।

6- सांख्यिकी सहायक पद का पदनाम एवं पे-लेवल आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अनुसार सहायक सांख्यिकी अधिकारी के अनुरूप होगा।

7- कारागार विभाग में वरिष्ठ प्रहरी के पद को विलोपित किया जाएगा।

8- चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद से पदोन्नति के पद जैसे दफ्तरी, रिकॉर्ड लिफ्टर तथा लेबोरेट्री ब्वॉय का पे-लेवल संशोधित कर एल-3 किया जाएगा।

9- राजस्थान राज्य कृषि विपणन सेवा नियम, 1986 की वर्तमान अनुसूची में अतिरिक्त निदेशक का पद संशोधन कर सम्मिलित किया जाएगा।

10- रसायनज्ञ के एक-एक नए पद सृजित किए गए हैं।

श्री राणी भटियाणी मंदिर में प्रसाद चढ़ाने और हथियार ले जाने पर विवाद, प्रशासन ने स्थिति संभाली

जैसलमेर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शुमार जसोल स्थित श्री राणी भटियाणी मंदिर संस्थान में शनिवार को अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो गई। मंदिर के अंदर प्रसाद चढ़ाने, जोत जलाने और दो नली की बंदूक एवं भाले ले जाने को लेकर श्रद्धालुओं और मंदिर संस्थान के सुरक्षा कर्मियों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि स्थानीय प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। सुबह मामला तब गरमाया, जब जोधपुर से आए श्रद्धालुओं का जत्था मंदिर के बाहर आम रास्ते पर जमा होकर मंदिर के अंदर प्रसाद चढ़ाने की अनुमति की मांग पर अड़ा रहा।

हर साल की तरह इस बार भी जोधपुर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल यात्रा कर जसोल पहुंचे। जत्थे के प्रमुख भरत दाधीच भोपा ने आरोप लगाया कि जब वे मंदिर पहुंचे और संध्या आरती में प्रसाद चढ़ाने का प्रयास किया तो उन्हें रोक दिया गया। उनका कहना है कि मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी और सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें प्रसाद अंदर ले जाने से रोका, जिससे उनकी आस्था पर चोट लगी।

मंदिर ट्रस्ट ने आरोपों का खंडन किया। संस्थान प्रबंधक जेठू सिंह ने बताया कि लाखों श्रद्धालु हर साल आते हैं और किसी पर कोई रोक नहीं रहती लेकिन इस बार जत्थे में शामिल कुछ लोग धारदार भाले और दो नली बंदूक लेकर मंदिर द्वार तक पहुंचे और अंदर ले जाने की कोशिश की, जिससे सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोका। जेठू सिंह ने कहा कि प्रसाद चढ़ाने के लिए मंदिर के सामने एक निर्धारित स्थान है, जहां सभी श्रद्धालु प्रसाद अर्पित कर सकते हैं। बावजूद इसके जत्थे ने बैरिकेड्स हटाकर जबरन आगे बढ़ने की कोशिश की, जिससे अफरा-तफरी मच गई।

मंदिर संस्थान के सुरक्षा प्रबंधक चत्तरसिंह ने जसोल थाना पुलिस को लिखित शिकायत दी। उन्होंने बताया कि 29 अगस्त की शाम लगभग 7 बजे भरत दाधीच भोपा अपने करीब 200 श्रद्धालुओं के जत्थे के साथ मुख्य बस स्टैंड से मंदिर की ओर आए। कुछ लोग हथियारों (बंदूक, भाले आदि) के साथ थे और सीधे मंदिर के प्रवेश द्वार तक जाना चाहते थे। ड्यूटी पर तैनात सुरक्षाकर्मी सवाईसिंह ने समझाया कि मंदिर में हथियार ले जाना मना है, लेकिन जत्थे ने उग्र होकर बैरिकेड्स धकेले और आगे बढ़ने की कोशिश की। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों और मंदिर कर्मचारियों पर धक्का-मुक्की, हाथापाई और गाली-गलौज हुई।

हुड़दंग के कारण संध्या आरती में व्यवधान पड़ा और दूर-दराज से आए श्रद्धालु आरती का लाभ नहीं ले सके। मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं को भी नुकसान पहुंचा। चत्तरसिंह ने लिखा कि भरत दाधीच और उनके जत्थे का यह पहला विवाद नहीं है। वर्ष 2017 में भी मेले के दौरान इसी प्रकार शांति भंग हुई थी।

स्थानीय जानकार बताते हैं कि जसोल धाम में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर ट्रस्ट ने जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर व्यवस्थाएं लागू की हैं। कोरोना काल के दौरान प्रसाद चढ़ाने के लिए मंदिर के सामने स्थान तय किया गया था। जबकि इस बार भरत दाधीच भोपा के जत्थे ने नियमों को नजरअंदाज करते हुए सीधे गर्भगृह में प्रसाद चढ़ाने और हथियार लेकर प्रवेश करने की कोशिश की, जिससे यह विवाद पैदा हुआ।

रेलवे स्टेशन पर लोहे के पिलर उतारते समय हुआ बड़ा हादसा, ट्रेलर ड्राइवर की मौत

बाड़मेर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर रेलवे स्टेशन पर दर्दनाक हादसे में एक ट्रेलर ड्राइवर की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब ड्राइवर रेलवे स्टेशन के पार्सल रूम के पास ट्रेलर से लोहे के पिलर उतार रहा था। इसी दौरान अचानक भारी-भरकम पिलर उसके ऊपर गिर पड़े, जिससे उसकी रीढ़ की हड्डी टूट गई और सिर व हाथ-पैर में गंभीर चोटें आ गईं। गंभीर रूप से घायल ड्राइवर को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान जोधपुर निवासी सुखराम (49) पुत्र माणकराम के रूप में हुई है। ट्रेलर से लोहे के पिलर लेकर बाड़मेर के निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन पहुंचा था। जैसे ही उसने लोहे की जंजीर से बंधे पिलर खोले, दो से तीन पिलर अचानक उसके ऊपर आ गिरे, जिससे उसकी हालत मौके पर ही गंभीर हो गई।

हादसे की सूचना मिलते ही जीआरपी थाना प्रभारी हीराराम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि शव को मोर्चरी में रखवाया गया है और परिजनों को सूचित कर दिया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश में जुटी है।

पेटीएम पर 500 रुपए लेकर छोड़ी गाडी, विभाग में मचा हड़कंप

3 ट्रैफिक पुलिसकर्मी सस्पेंड

कोटा, 1 सितंबर (एजेंसियां)। यातायात पुलिस के कुछ पुलिसकर्मी चालान के नाम क्या-क्या गड़बड़ी करते हैं, इसका ताजा मामला सामने आया है। चालान की आड़ में वाहन चालक से 500 रुपए वसूलकर गाड़ी छोड़ने वाले हैड कांस्टेबल और दो कांस्टेबल को सिटी एसपी ने निलंबित कर दिया है। उन्होंने सख्त कार्रवाई कर संदेश दिया है इससे पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। मामला एसपी के संज्ञान में आते ही उन्होंने तत्काल एक्शन लिया। अब इसकी जांच एडिशनल एसपी स्तर पर की जा रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार कोटड़ी चौराहे पर ड्यूटी कर रहे हैड कांस्टेबल रामबाबू, कांस्टेबल संतराम और गोपाल ने एक वाहन चालक को रोककर चालान काटने की बात कही। वाहन चालक ने जुर्माने के तौर पर 500 रुपए पेटीएम कर दिए लेकिन चालान की कोई रसीद उसे नहीं दी। गाड़ी छोड़ने के बाद चालक ने पूरे मामले की शिकायत सिटी एसपी से कर दी।

मामले पर पर्दा डालने की कोशिश

मामला करीब एक सप्ताह पहले का है। सूत्रों के अनुसार कार्रवाई से बचने के लिए उन्होंने बाद में उसी वाहन चालक का दूसरा चालान काट दिया। इसका खुलासा तब हुआ जब मामले की प्रारंभिक जांच की गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही तीनों को निलंबित किया गया।

विभाग में हड़कंप

इसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आमतौर पर पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान चालान काटते समय नियमों का हवाला देते हैं लेकिन इस मामले ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए। खासकर जब आम जनता से खुलेआम रुपए वसूले गए और चालान की रसीद तक नहीं दी। अब पूरे मामले की जांच एडिशनल एसपी नियति शर्मा कर रही हैं। इसमें साफ होगा कि तीनों पुलिसकर्मी कितने दोषी पाए जाते हैं और आगे उनके खिलाफ क्या कदम उठाए जाएंगे।

जांच में दोषी पाए गए

यह मामला संज्ञान में आते ही जांच करवाई गई। प्राथमिक जांच में तीनों दोषी पाए गए। ऐसे में तीनों को तत्काल निलबित कर दिया।

मशीन काम नहीं करने का लगाया बहाना

मामले की प्रारंभिक जांच ट्रैफिक डिप्टी अशोक कुमार मीणा ने की। इसमें सामने आया कि उस दिन चालान काटने वाली मशीन काम नहीं कर रही थी। हालांकि पुलिसकर्मियों का यह तर्क उल्टा उन्हीं पर भारी पड़ गया। यह स्पष्ट हो गया कि चालान की रसीद न देना और बाद में चालान जारी करना केवल खुद को बचाने की कोशिश थी।

ऑनलाइन सस्ती साड़ियों का झांसा देकर मचाई लूट, अब तक दस लाख की ठगी

साइबर ठग पुलिस हिरासत में

अलवर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। शहर की बगड़ तिराहा थाना पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में एक शातिर आरोपी फरीद खान को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल, अलग-अलग बैंक के पांच एटीएम कार्ड, दो पासबुक, चार चेकबुक और 34 हजार रुपए नकद बरामद किए गए हैं।

थाना प्रभारी दिनेश कुमार मीणा ने बताया कि आरोपी फरीद खान सस्ती साड़ी का ऑनलाइन विज्ञापन डालकर लोगों को फंसा रहा था और उनसे मोबाइल के माध्यम से पैसे ऐंठ रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने साहडोली गांव में झोपड़ी में छिपे आरोपी को पकड़ लिया।

पुलिस जांच में सामने आया है कि फरीद खान अब तक करीब दस लाख रुपए की ठगी कर चुका है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपी से ठगी की अन्य वारदातों और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में गहन पूछताछ करेगी।

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि आरोपी ने अब तक दस लाख रुपए की ठगी की है लेकिन अभी यह पता नहीं चल पाया है कि ठगी किन लोगों से हुई और क्या इसके साथ कोई और भी शामिल था। पुलिस इसी जानकारी को जुटाने के लिए रिमांड का उपयोग करेगी।

गड्ढे में गिरी बाइक, करंट से युवक की मौत

जयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर शहर की लापरवाह व्यवस्था ने एक और घर का चिराग बुझा दिया। कैफे से लौट रहे युवक की बाइक अर्जुन नगर फाटक के पास सड़क पर बने डेढ़-दो फीट गहरे गड्ढे में गिर गई। उछलकर वह बिजली के पोल से टकराया और उसमें करंट आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार मृतक अजय सिंह (25) भरतपुर जिले के बरौली छार का निवासी था और जयपुर के बरकत नगर में किराए पर रहता था। वह त्रिवेणी नगर के कैफे में मैनेजर था। रोजाना की तरह शनिवार रात करीब 12 बजे वह ड्यूटी के बाद बाइक से घर लौट रहा था। तभी हादसा हो गया।

स्थानीय लोगों ने हाथ पर प्लास्टिक की थैली बांधकर उसे करंट लगे पोल से हटाया और जयपुरिया अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

अजय की जेब में मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हुई। भरतपुर पुलिस कंट्रोल रूम के जरिए जयपुर में रहने वाली मां और भाई को सूचना दी गई। पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी। परिवार अजय की शादी की तैयारियों में जुटा था। एक महीने पहले ही उसकी और भाई संदीप की सगाई हुई थी और नवंबर में विवाह होना तय था। परिवार को रात ढाई बजे अजय के बारे में खबर मिली।

पहले भी हुई थी मौत

स्थानीय निवासियों ने बताया कि गड्ढों और करंट युक्त पोल की शिकायतें कई बार नगर निगम और बिजली विभाग को दी गईं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। एक माह में बजाज नगर थाना क्षेत्र में करंट से यह दूसरी मौत है। इससे पहले 28 जुलाई को केंद्रीय विद्यालय नंबर-1 के सामने रोड लाइट पोल में करंट आने से छात्र विकास कुमार विश्नोई की मौत हो गई थी।

नाले में बही स्कॉर्पियो, ग्रामीणों ने कार सवारों को बाहर निकाला, निगम दफ्तर में धरने की चेतावनी

जयपुर, 1 सितंबर (एजेंसियां)। शहर के आमेर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नाई की थड़ी से जयसिंहपुरा खोर को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर एक स्कॉर्पियो कार बहते नाले में फंसकर बह गई। घटना के दौरान कार में सवार लोगों की जान खतरे में आ गई थी। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए सभी सवारों को समय रहते बाहर निकाल लिया। इसके बाद जेसीबी की मदद से वाहन को बाहर निकाला गया। गनीमत रही कि कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि मानसून शुरू होने के बाद से इस नाले में ऐसे हादसे लगातार हो रहे हैं। हल्की बारिश में भी पानी का तेज बहाव सड़क पर आ जाता है, जिससे वाहन और राहगीरों की जान खतरे में पड़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद नगर निगम प्रशासन सिर्फ आश्वासन देता है लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

ग्रामीणों ने स्पष्ट आरोप लगाया कि निगम की लापरवाही के कारण यह मार्ग मौत का जाल बन चुका है। उनका कहना है कि जब तक नाले पर पक्का पुल या वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक हादसे टलना मुश्किल है।

घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे निगम मुख्यालय का घेराव करेंगे। सोमवार को ही स्थानीय लोग कमिश्नर से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराने और लंबित कार्यों को जल्द पूरा कराने की मांग करेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, ठोस समाधान चाहिए।

दम्पती पर बेहोशी का केमिकल छिडक़ा लाखों के सोने के आभूषण व नकदी ले गए

बूंदी, 1 सितंबर (एजेंसियां)। शहर में इन दिनों लगातार बढ़ रही चोरियों से शहरवासियों में घटनाओं का भय बढने लगा है। शहर के मेवाती मोहल्ले में शनिवार रात को चोरों ने एक मकान में बेहोश करने वाले केमिकल का छिडक़ाव कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने इंद्रगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट में पीड़ित इब्राहिम खान ने बताया कि मकान में चोर घुसकर चोरों ने बेहोश करने का केमिकल का कमरे में छिडक़ाव कर बेहोश कर दिया। और चोरों ने पीड़ित की पत्नी हुसैनी बाई के गले से दो तोले की सोने की चेन, एक तोला सोने के कान की बाली व अलमारी में रखे 30 हजार रुपए नकद चुरा कर ले गए, जिसकी रिपोर्ट इंद्रगढ़ थाने में दर्ज करवाई है।

वारदात का पता पीड़ित की बहू शहनाज चाय देने कमरे में पहुंची तो इब्राहिम खान व पत्नी अचेत अवस्था में पड़े हुए थे। चोरी की घटना का पता लगने पर घटनास्थल पर मोहल्लेवासी व शहर वासियों की भीड़ जमा हो गई। अचेत अवस्था में दम्पती को इंद्रगढ़ अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार करवाया गया। इंद्रगढ़ मेवाती मोहल्ले में चोरी की घटना की सूचना मिलने पर थाने के एएसआई शंकर लाल घटनास्थल पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। बाद में बूंदी से एमओबी घटनास्थल पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर साक्ष्य जुटाए।

चोरी का मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। पीड़ित व पीड़ित की पत्नी का मेडिकल करवा कर सैंपल ले लिया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा पीड़ित को कौनसे केमिकल छिडक़ाव या सुघाया गया था। बूंदी से आई एमओबी टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। जल्द ही चोरी का खुलासा करने का प्रयास करेंगे।

केशवरायपाटन पुलिस ने प्राण घातक हमले करने के आरोप में दो जने को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। थाना प्रभारी हंसराज मीणा ने बताया कि 11 अगस्त को वार्ड नंबर 16 निवासी मोहम्मद असद पुत्र इलियास अली पर प्राणघातक हमला करने के आरोप में वार्ड संख्या 16 निवासी नूर मेसर उर्फ नूरुद्दीन पुत्र इशाक मोहम्मद व सरफराज को आरोप में गिरफ्तार किया था।

वारंगल में बतुकम्मा महोत्सव मनाया जाएगा : जूपल्ली

मंत्री कोंडा सुरेखा ने पर्यटन विभाग की पहल का स्वागत किया

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य निधि मंत्री कोंडा सुरेखा ने इस वर्ष वारंगल में बतुकम्मा महोत्सव आयोजित करने के पर्यटन विभाग के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने इस निर्णय के लिए पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव और निगम के प्रबंध निदेशक वल्लूरी क्रांति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने वारंगल, जिसे ओरुगल्लू के नाम से भी जाना जाता है, को रानी रुद्रमा, सम्मक्का-सरक्का, चकाली इल्म्मा और हजारे मंगम्मा जैसी महिला योद्धाओं की भूमि बताया और कहा कि यह हमारे लिए सम्मान की बात है कि इस ऐतिहासिक शहर में ऐसा सांस्कृतिक महोत्सव मनाया जा रहा है।

पर्यटन विभाग के अंतर्गत सोमवार को तेलंगाना राज्य सचिवालय में बतुकम्मा का पोस्टर अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और जनसंपर्क एवं विकास मंत्री दनसरी अनसूया (सीतक्का), पर्यटन निगम के प्रबंध निदेशक वल्लूरी क्रांति (आईएएस), सांस्कृतिक विभाग के निदेशक ममीदी हरिकृष्णा और बथुकम्मा उत्सव की आयोजक दिल्लीश्वरी ने मंत्री कोंडा सुरेखा के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यह उत्सव 21 सितंबर से 30 सितंबर तक चलेगा। यह उत्सव 21 सितंबर को वारंगल के ऐतिहासिक हज़ार स्तंभ मंदिर में शुरू होगा, जो पर्यटन विभाग के तहत शहर में बतुकम्मा का पहला आधिकारिक आयोजन होगा। 22 से 24 सितंबर तक, यह उत्सव प्रतिदिन 3-4 जिलों के महत्वपूर्ण मंदिरों, पर्यटन स्थलों और सांस्कृतिक केंद्रों में मनाया जाएगा, जिसमें तेलंगाना की समृद्ध परंपराओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सुरेखा ने कहा कि बतुकम्मा केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि तेलंगाना की पहचान और स्वाभिमान का उत्सव है। उन्होंने बताया कि यह एक अनूठी परंपरा है जिसमें महिलाएँ केंद्रीय भूमिका निभाती हैं और फूलों, गीतों और नृत्य के माध्यम से परिवारों और समुदायों को एक साथ लाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

किसान द्वारा आत्महत्या के प्रयास से वानापर्थी में तनाव

वानापर्थी, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। घानापुर मंडल में प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पीएसीएस) कार्यालय में सोमवार को उस समय तनाव व्याप्त हो गया जब एक किसान ने सरकार द्वारा यूरिया आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफलता के कारण आत्महत्या का प्रयास किया। बी चिन्ना केशवुलु नाम का यह किसान कथित तौर पर यूरिया की तलाश में एक हफ़्ते से सिंगल विंडो कार्यालय के चक्कर काट रहा था। हालांकि अधिकारियों ने उसे आश्वासन दिया था कि कुछ दिनों में स्टॉक आ जाएगा, लेकिन सोमवार को कार्यालय में किसानों की लंबी कतारें देखकर केशवुलु निराश हो गया। फिर वह इमारत पर चढ़ गया और कूदने की धमकी देने लगा।

मौके पर मौजूद किसानों और अधिकारियों ने उससे यह कदम न उठाने की विनती की और यूरिया के बैग उपलब्ध कराने का वादा किया। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे नीचे उतरने के लिए मनाया, जिसके बाद अधिकारियों ने राहत की साँस ली।

आईएमडी हैदराबाद ने जिलों में भारी बारिश के लिए जारी किया ऑरेंज अलर्ट

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव के क्षेत्र का असर तेलंगाना पर जारी है। सोमवार शाम को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने मंगलवार से गुरुवार तक सभी पूर्वोत्तर जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। हैदराबाद और इसके पड़ोसी जिलों (जिनमें मेडचल-मलकजगिरी, रंगारेड्डी, विकाराबाद, मेदक और यादाद्री भुवनगिरी शामिल हैं) में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है, जबकि पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों के कई जिलों में 115.6 मिमी से 204.4 मिमी तक वर्षा होने की संभावना है।

भद्राद्री कोत्तागुडेम, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, पेद्दापल्ली, आदिलाबाद, हनुमाकोंडा, जगित्याल, करीमनगर, खम्मम, कोमाराम भीम आसिफाबाद, महबूबाबाद, मंचेरियल, वारंगल और निर्मल जिलों के लिए मंगलवार और गुरुवार के बीच भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। सोमवार को आईएमडी-हैदराबाद के पूर्वानुमान के अनुसार, निजामाबाद और राजन्ना सिरिसिला सहित कुछ अन्य जिलों में भी आने वाले दो से तीन दिनों में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। इसके अलावा, आईएमडी-हैदराबाद ने संकेत दिया है कि तेलंगाना के सभी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

बाइक के फव्वारे से टकराने से युवक की मौत

सिद्दीपेट, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात यहां बीजेआर जंक्शन पर एक बाइक के पानी के फव्वारे से टकरा जाने के कारण 21 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि नांगनूर मंडल के वेलगातुर निवासी अकुला शशिधर ने दुर्घटना के बाद अपनी गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया और फव्वारे में गिर गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सोमवार दोपहर स्थानीय लोगों ने उसका शव पानी में तैरता देखा और पुलिस को सूचना दी। दो-नगर निरीक्षक उपेंद्र, एएसआई मुत्यम और अन्य पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे, शव को बाहर निकाला और सिद्दीपेट के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने पीड़ित की बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर का उपयोग कर उसका विवरण पता लगाया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-आरती में मुख्य यजमानों में सुशील कुमार गुप्ता, तरुण गुप्ता, आशीष महेश्वरी. विश्वनाथ, अजय अग्रवाल, राजकुमार लोहिया, सेसैया, भोजरेड्डी, प्रताप रेड्डी, गोविंद कुमार, कृत्ति मोहन लाल, ताराचंद बंसल, पवन अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल। सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा, शशि गुप्ता, माया अग्रवाल, बिमला बंसल, विजया रेड्डी, संध्या रानी, पुष्पा जारुल गुप्ता, मोनिशा माहेश्वरी, बबीता अग्रवाल, अशोक लाखोटिया, अशोक सरायवाला आदि।

तेलंगाना ने स्कूली बच्चों के लिए 'डिजिटल लर्निंग' मॉड्यूल शुरू किया

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस शैक्षणिक वर्ष से सरकारी स्कूलों के छात्र कोडिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजाइन थिंकिंग की मूल बातें सीखेंगे। छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए, स्कूल शिक्षा विभाग ने कक्षा 6 से 8 के लिए राज्य पाठ्यक्रम में कोडिंग, डेटा विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भौतिक कंप्यूटिंग, डिजाइन सोच और डिजिटल नागरिकता को एकीकृत किया है। इस पहल के एक भाग के रूप में, डिजिटल लर्निंग नामक पुस्तक को सभी सरकारी स्कूलों, स्थानीय निकाय स्कूलों, मॉडल स्कूलों, केजीबीवी और टीआरईआईएस के छात्रों के लिए एक अलग मॉड्यूल के रूप में पेश किया गया है।

प्रत्येक विषय के लिए अलग-अलग शिक्षण सामग्री विकसित की गई है, जिसका उद्देश्य उभरती प्रौद्योगिकियों में आधारभूत ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है। इस मॉड्यूल को प्रासंगिक, गतिविधि-आधारित और वास्तविक जीवन के अनुप्रयोगों से जुड़ा हुआ बनाया गया है, जिसमें सक्रिय शिक्षण के लिए रणनीतियों का उपयोग किया गया है और सिद्धांत को व्यवहार के साथ मिश्रित किया गया है। कोडिंग और डेटा विज्ञान को गणित के शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाएगा, जबकि एआई, भौतिक कंप्यूटिंग, डिजाइन थिंकिंग और डिजिटल नागरिकता को क्रमशः भौतिक विज्ञान, अंग्रेजी और सामाजिक अध्ययन के शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाएगा।

इस कार्यक्रम के शुरू होने से पहले, जिला डिजिटल संसाधन व्यक्तियों के लिए दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसके दौरान प्रत्येक जिले से आठ शिक्षकों- गणित, भौतिक विज्ञान, अंग्रेजी और सामाजिक अध्ययन से दो-दो को पिछले महीने प्रशिक्षित किया गया था। इसके अलावा, गणित और भौतिक विज्ञान के शिक्षकों को कोडिंग, डेटा विज्ञान और एआई में अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

शिक्षकों को बेहतर स्पष्टता के लिए नियमित विषय शिक्षण के दौरान पूरक संसाधनों के रूप में डिजिटल अवधारणाओं और उपकरणों का उपयोग करने के लिए कहा गया है। कक्षा कार्य शुरू करने से पहले, स्कूलों को कक्षा छठी से नौवीं तक के सभी छात्रों को डिजिटल लर्निंग पुस्तक वितरित करने का निर्देश दिया गया है। इस मॉड्यूल के अंतर्गत परियोजनाएं पूरी करने वाले छात्र प्रशंसा प्रमाण पत्र के पात्र होंगे।

जिला प्रशासनों को साझा ड्राइव लिंक का उपयोग करके छात्र परियोजनाओं का जिलावार डिजिटल संग्रह बनाए रखने के लिए कहा गया है।

जगद्गुरु श्री श्रीचन्द्र जयन्ती महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुरानापुल स्थित श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण में उदासीनाचार्य जगद्गुरु श्री श्रीचन्द्र की 531वीं जयन्ती महोत्सव पर तीन दिवसीय कार्यक्रम 30 अगस्त से 1 सितंबर तक पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ, जागरण व भण्डारा कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में महंत श्री योगी प्रशांतदासजी महाराज ने बताया कि हर वर्ष की भांति जगद्गुरु श्री श्रीचन्द्र की जयन्ती महोत्सव पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। आचार्य श्री की विशेष पूजा, आरती विधि विधान से वैदिक विद्वानों के मंत्रोच्चारण से शनिवार 30 अगस्त प्रात: 11 बजे मात्रा शास्त्र पाठ, रविवार 31 अगस्त प्रात: 11 बजे श्री श्रीचन्द्र भगवान कीर्तन, सायं 4 बजे से 7 बजे श्याम बाबा की भजन संध्या एवं राधाष्टमी कार्यक्रम एवं सोमवार 1 सितंबर प्रात: 8 बजे सेन्ट्रल गुरुद्वारा साहेब गोलीगुड़ा के ग्रन्थी साहिब राजेन्द्रसिंह, रविन्दरसिंह रागी, बैसाखसिंह, छतरसिंह, सरदार गुलशनसिंह द्वारा ध्वजा साहिब एवं धूना साहिबजी का पूजन हवन किर्तन अरदास आरती व सायं 7 बजे पधारे भक्तों के लिए विशाल भण्डारा महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पधारे बतौर मुख्य अतिथि गौशामहल विधायक टी. राजासिंह का महन्त श्री एवं कार्यकर्ताओं द्वारा विशेष सम्मान किया गया।

सम्बोधन भाषण ने विधायक राजासिंह ने बताया कि श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण के लिए जब भी उनकी जरूरत पडेगी वे तन-मन-धन से हमेशा सहयोग करेंगे। कार्यक्रम में पधारे भक्तों से निवेदन किया है कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रम में हमेशा सहयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में विनयकुमार यादव, पप्पुकुमार सिंह, आर.एन.सिंह, श्याम यादव, धनंजय राज सिंह, सचिनसिंह, शिवकुमार सिंह, पप्पुसिंह, हीरालाल यादव, रामहरण यादव, अमरनाथ यादव, संजीतसिंह, मूले महेश्वर, अभि भोला, सुमितसिंह, महिला मंडल की पूजा सोनी, सीमा रोड़ा, रिंकु अग्रवाल, मीनाक्षी परवाल, देवी सोनी, राधिका, दिपाली, बरखा अग्रवाल, चंचल सुगन्ध, राधिका दीदी, संगीता अग्रवाल व बहुत से कार्यकर्ता सपरिवार उपस्थित रहे। महंत श्री योगी प्रशांतदासजी महाराज ने कार्यक्रम मे पधारे भक्तों का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए बताया कि सभी भक्तों के सहयोग से यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। महा आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

विवाहेतर संबंध में बाधा बने पति की प्रेमी के साथ मिलकर हत्या

मदनूर, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डोंगली मंडल के सिरपुर में पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर विवाहेतर संबंध में बाधा बन रहे पति की हत्या कर दी। मदनूर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और रविवार को देर रात बांसवाड़ा के डीएसपी विट्ठल रेड्डी, बिचकुंडा के सीआई रवि और मदनूर एसआई विजय कोंडा ने मदनूर पुलिस स्टेशन में घटना का खुलासा करते किया। डोंगली मंडल के सिरपुर गांव के मगिरी रामुलू उम्र 35 की पत्नी मादाबाई के साथ कुछ समय पहिले विवाह हुआ था इन्हें तीन बेटे हैं।

वह मछली पकड़कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। रामुलु 23 अगस्त से दिखाई नहीं देने से रामलू की बहन लक्ष्मीबाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। रामुलु का शव 30 अगस्त को मंजीरा नदी में मिलने पर मदनूर पुलिस को इस की जानकारी मिली इस विषय में पुलिस ने जांच पड़ताल करते समय शिरपुर गांव का ही निवासी उष्कलवार शंकर और मृतक रामुलु की पत्नी मादाबाई को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब दोनों बाइक से मदनूर जा रहे थे। पूछताझ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने रामुलु की हत्या कर दी है। मादाबाई का शंकर के साथ विवाहेतर संबंध के बाद वह रामलू से छुटकारा पाना चाहती थी। इसी क्रम में, 22 अगस्त को शंकर ने रामुलु को शराब पिलाई और उसे सलुरा के मंजीरा पुल पर ले गया। वहा उसने रामुलु के शरीर पर चाकू से वार किया और उसे पुल से मंजीरा नदी में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि शंकर और मादाबाई दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

शिवाजी महाराज यूथ एसोसिएशन गवलीगुडा में आयोजित गणेश मंडप में पूजा अर्चना करते रुशिकेश्वर, चिन्ना शेट्टी एवं श्रीनू आदि।

हब्सीगुडा में झा फ्रेंड एसोसिएशन द्वारा आयोजित गणेश पूजा में पूजा करते रंजन झा एवं अन्य।

घर की ताकत प्रेम और मोहब्बत है, दौलत नहीं

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसी भी घर की ताकत दौलत और शोहरत नहीं, प्रेम और मोहब्बत हुआ करती है। प्रेम के बिना धन और यश व्यर्थ है। जिस घर में प्रेम है वहां धन और यश अपने आप आ जाता है। जहां सास-बहू प्रेम से रहते हैं, भाई-भाई सुबह उठकर आपस में गले लगते हैं और बेटे बड़े-बुजुर्गों को प्रणाम कर आशीर्वाद लेते हैं, वह घर धरती का जीता-जागता स्वर्ग होता है। अगर भाई-भाई साथ हैं तो इससे बढ़कर माँ-बाप का कोई पुण्य नहीं है, और माँ-बाप के जीते जी अगर भाई-भाई अलग हो गए तो इससे बढ़कर उस घर का कोई दोष नहीं है।

उक्त उपदेश राष्ट्र-संत ललितप्रभ महाराज के हैं। वे एग्जिबिशन ग्राउंड में घर को स्वर्ग बनाने के प्रभावित टिप्स विषय पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर आप संत नहीं बन सकते तो सद गृहस्थ बन कर घर को स्वर्ग बनाइए। जो अपने घर-परिवार में प्रेम नहीं घोल पाया वह भला समाज में क्या प्रेम रस घोल पाएगा? जो अपने सगे भाई को सहारा बनकर ऊपर उठा न पाया, वह समाज को क्या ऊपर उठा पाएगा? संतश्री ने कहा कि ईंट, चूने, पत्थर से मकान का निर्माण होता है, घर का नहीं। जहां केवल बीबी-बच्चे रहते हैं वह मकान घर है, पर जहां माता-पिता और भाई-बहिन भी प्रेम और आदरभाव के साथ रहते हैं वही घर परिवार कहलाता है। लोग सातों वारों को धन्य करने के लिए व्रत करते हैं, अच्छा होगा वे आठवां वार सपरिवार को धन्य करें।

राष्ट्र-संत ने कहा कि हम केवल मकान की इंटिरियर डेकोरेशन पर ही ध्यान न दें, अपितु मकान में रहने वाले लोगों के बोलचाल और बर्ताव सब कुछ सुन्दर हो। उन्होंने माता-पिता को बुढ़ापे में सम्हालने की सीख देते हुए कहा कि जीवन भर वे हमारा पालन पोषण करते हैं, हममें ही अपना भविष्य देखते हैं अपनी सारी शक्ति और औकात हमारे लिए लगाते हैं, अगर वे सरकारी कर्मचारी हैं, तो रिटायर्ड होने पर आने वाली एक मुश्त राशि भी हम पर खर्च करते हैं और मरने के बाद भी अपना सारा धन और जमीन जायजाद बच्चों के नाम करके जाते हैं और स्वर्ग चले जाएँ, तो भी वहां से आशीर्वाद का अमृत अपने बच्चों पर बरसाते हैं।

इस अवसर पर डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर महाराज ने मनुष्य जन्म अनमोल रे मिट्टी में मत रोल रे अब तो मिला है फिर ना मिलेगा कभी नहीं कभी नहीं कभी नहीं रे... भजन गुनगुनाते हुए सभी को नवकार महामंत्र गायत्री महामंत्र और शांति महामंत्र का सामूहिक संगायन करवाया।

हैदराबाद स्थित आंचलिक कार्यालय में एलआईसी स्थापना दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जीवन बीमा निगम के दक्षिण मध्य अंचल के आंचलिक प्रबंधक पुनीत कुमार ने निगम की 69वीं वर्षगांठ के पर सैफाबाद स्थित आंचलिक कार्यालय भवन में एलआईसी ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि निगम 1956 में केंद्र सरकार से 5 करोड़ रुपये की प्रारंभिक पूंजी के साथ अस्तित्व में आया और आज इसकी परिसंपत्ति 56,22,923 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

ब्रांड फाइनेंस इंश्योरेंस 2024 के अनुसार, निगम दुनिया का नंबर एक बीमा ब्रांड है। उन्होंने कहा कि आज एलआईसी व्यक्तिगत व्यवसाय के तहत बिक्री के लिए 35 योजनाओं का एक समूह प्रस्तुत करता है, जैसे एंडोमेंट, टर्म एश्योरेंस, चिल्ड्रन, पेंशन, माइक्रो इंश्योरेंस, यूनिट लिंक्ड उत्पाद आदि, जिनमें से प्रत्येक समाज के विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। एलआईसी अपने बीमा सखी कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करता है। बीमा सखी कार्यक्रम के माध्यम से, एलआईसी ने योजना की शुरूआत से अब तक 48,882 महिला एजेंटों की भर्ती की है। उन्होंने यह भी बताया कि बंद हो चुकी पॉलिसियों के पुनरुद्धार पर प्रीमियम पर ब्याज में 30 प्रतिशत तक की छूट के साथ पुनरुद्धार अभियान चल रहा है। उन्होंने तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया: 1. मेरा देश पहले। 2. मेरी धरती पहले, 3. मेरा एलआईसी पहले, और सभी एलआईसीकर्मियों से प्लास्टिक के उपयोग से बचने और पर्यावरण की रक्षा करने का भी आग्रह किया। उन्होंने 'मेक इन इंडिया' पहल की अवधारणा का प्रचार किया।

राजेश भारद्वाज, एम. रवि कुमार, सरवण रमेश, जी.एस. शास्त्री, पी.जी. कुमारवैद्यलिंगम, ए.ए.एम. हिलाली और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मिधानि में मासिक हिंदी प्रतियोगिता एवं हिंदी दिवस का शुभारंभ

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मिधानि के तत्वावधान में आज मासिक हिंदी प्रतियोगिताओं एवं हिंदी दिवस समारोह का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर शशि कुमार द्विवेदी, महाप्रबंधक (अनुरक्षण सेवाएं एवं एसबीडी) ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री द्विवेदी ने कहा कि हिंदी को राजभाषा के रूप में कार्यालयों में पूर्ण रूप से क्रियान्वित करने और उसके लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करने में हिंदी प्रतियोगिताएं प्रभावशाली भूमिका निभाती हैं।

गोलकोंडा जिला अध्यक्ष उमा महेंदर और जामबाग पार्षद राकेश जयसवाल ने पेटलाबुर्ज हैदराबाद में भगवान गणेश पंडाल पहुंच कर पूजा-अर्चना की। श्री शांति मंडली नव युवा संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अमर सिंह, स्वरूप जयसवाल, वेंकट रमना, सुरेंद्र, राम नेथिकर सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

तत्पश्चात एक दिन उन्होंने और उनके साथी अरुण कुमार शर्मा, जो वर्तमान में महाप्रबंधक (विपणन) हैं, ने निर्णय लिया कि आगे से प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेंगे, बल्कि अन्य कर्मचारियों को प्रोत्साहित करेंगे।

डॉ.बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार), मिधानि ने बताया कि हिंदी के प्रचार-प्रसार को गति प्रदान करने के उद्देश्य से मिधानि में सितंबर से जनवरी तक हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें हिंदी दिवस-2025 से जुड़े विशेष कार्यक्रम भी सम्मिलित होंगे।

आगामी दिनों में वाक् प्रतियोगिता, निबंध लेखन, शब्दावली, टिप्पणी एवं आलेखन, अविस्मरणीय

स्मृतियों के झरोखे से, एक भारत- श्रेष्ठ भारत प्रतियोगिता, प्रश्नमंच प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, कराओके गायन, अनुवाद आदि विविध प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभाग को मिधानि राजभाषा गरिमा पुरस्कार (रोलिंग ट्रॉफी) से सम्मानित किया जाएगा।

प्रतियोगिताओं का आयोजन हिंदी अनुभाग की देखरेख में किया जा रहा है। प्रबंधक (हिंदी प्रकोष्ठ एवं कॉरपोरेट संचार) डॉ.बी. बालाजी ने अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर हिंदी दिवस समारोह को सफल बनाने की अपील की है। उद्घाटन कार्यक्रम और कंप्यूटर पर हिंदी शब्द संसाधन (हिंदी टंकण) प्रतियोगिता के सफल आयोजन में श्रीमती डी.वी. रत्नकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालक (हिंदी अनुभाग), विकास कुमार आज़ाद, हिंदी अनुवादक, डाक अनुभाग के कर्मचारी नरेंद्र गांधी, प्रेम तथा जयपाल का सक्रिय योगदान रहा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

फैट से फिट हुए: बुची बाबू टूर्नामेंट में 2 सेंचुरी

कमबैक से पहले सरफराज खान की सारी मेहनत पर इंजरी ने पानी फेर दिया!

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। डॉमेस्टिक क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने वाले सरफराज खान पिछले साल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाद भारतीय टेस्ट टीम से ड्रॉप हो गए थे। उनको 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर नहीं ले जाया गया था। हालांकि, वह इंडिया ए का हिस्सा जरूर थे। लेकिन, खान ने हार नहीं मानी थी और उन्होंने अपनी फिटनेस पर काम करके 10 किलो से ज्यादा वजन घटा लिया था।

इसके बाद बुची बाबू टूर्नामेंट में उन्होंने बैक टू बैक सेंचुरी लगाई। लेकिन, टीम इंडिया में कमबैक से पहले आखिरी पड़ाव यानी दलीप ट्रॉफी से पहले ही सरफराज खान चोटिल हो गए।

सरफराज खान चोटिस होकर दलीप ट्रॉफी से हुए बाहर

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सरफराज खान क्वाडराइसप इंजरी के चलते दलीप ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। वह दलीप ट्रॉफी में 4 सितंबर को बेंगलुरु में वेस्ट जोन के लिए सेंट्रल जोन के खिलाफ सेमीफाइनल मैच खेलते। सूत्र ने बताया, 'सरफाज को क्वाडराइसप्स इंजरी हुई है, जो उन्हें हरियाणा के खिलाफ बुची बाबू टूर्नामेंट में शतक लगाने के दौरान 5 दिन पहले हुई थी। वो कम से कम तकरीबन 3 हफ्ते के लिए बाहर हो गए हैं और सेंटर ऑफ एक्सेलेंस में रिहैब कर रहे हैं।'

वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में मौके की तलाश में सरफाज खान

वेस्टइंडीज के खिलाफ अक्टूबर में भारत घर पर 2 मैच की टेस्ट सीरीज खेलने वाला है। सरफराज खान की नजर ऐसे में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जगह बनाने पर होगी। लेकिन, चोटिल होने की वजह से उनका अब कमबैक करना मुश्किल लग रहा है क्योंकि अब सरफराज के पास सीरीज से पहले खुद को साबित करने का समय नहीं होगा। 27 साल के सरफराज खान ने भारत के लिए अब तक 6 टेस्ट खेले हैं, जिसकी 6 पारियों में उन्होंने 1 शतक और 3 अर्धशतक के बूते 371 रन बनाए हैं।

डोमेस्टिक मैच क्यों नहीं खेलते टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी

बिजी शेड्यूल या इंजरी से बचना चाहते हैं? राहुल-जडेजा दलीप ट्रॉफी नहीं खेल रहे

बेंगलुरु, 1 सितंबर (एजेंसियां)। दलीप ट्रॉफी 2025 में केएल राहुल, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे बड़े नाम गायब हैं। यह पहली बार नहीं हुआ! विराट कोहली, रोहित शर्मा और यहां तक कि मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर भी अपने करियर के आखिरी दौर में घरेलू टूर्नामेंट्स से दूरी बना चुके थे।

तो आखिर वजह क्या है कि इंटरनेशनल क्रिकेट के स्टार्स घरेलू मैदान पर कम ही नज़र आते हैं?

इस बार कौन-कौन नहीं खेल रहे दलीप ट्रॉफी?

केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा, प्रसिद्ध कृष्णा और करुण नायर जैसे दिग्गज फिट होने के बावजूद बाहर हैं। ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, नीतीश रेड्डी जैसे कुछ खिलाड़ी इंजरी के कारण अनुपस्थित हैं। शुभमन गिल को नॉर्थ जोन का कप्तान बनाया गया, लेकिन बीमारी के चलते वे भी नहीं खेल सके।

बीसीसीआई का सख्त रुख

पिछले सीजन ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को घरेलू क्रिकेट से दूरी पर भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। दोनों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से

बाहर कर दिया गया। सबक के बाद दोनों रणजी और घरेलू टूर्नामेंट्स खेलने लौटे।

स्टार प्लेयर्स क्यों नहीं खेलते घरेलू मैच?

इंटरनेशनल क्रिकेट का ओवरलोडेड शेड्यूल। एशिया कप, वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका टूर – सालभर का कैलेंडर ठसाठस भरा। आईपीएल और लगातार बढ़ते टी20 मैचों ने खिलाड़ियों के रेस्ट का समय कम कर दिया। इंजरी से बचने और बड़े टूर्नामेंट्स के लिए फिट रहने के लिए प्लेयर्स को रेस्ट दिया जाता है।

घरेलू क्रिकेट में कॉम्पिटिशन का लेवल

इंटरनेशनल लेवल पर स्टार्क, रबाडा, शाहीन अफरीदी जैसे घातक गेंदबाजों का सामना करने वाले खिलाड़ी, घरेलू टूर्नामेंट्स को कई बार कम चुनौतीपूर्ण मानते हैं। ऐसे में वे खुद की प्रैक्टिस और फिटनेस पर ज्यादा ध्यान देते हैं।

नए चेहरों को मौका

साउथ जोन बोर्ड ने साफ कहाः "युवा खिलाड़ियों को बड़ा मंच दें, ताकि वे अपनी प्रतिभा दिखा सकें।" बड़े नामों को आराम देकर नए खिलाड़ियों को स्पॉटलाइट दी गई।

घरेलू क्रिकेट से स्टार बनने वाले प्लेयर्स

यशस्वी जायसवाल – रणजी, ईरानी कप और दलीप ट्रॉफी में डेब्यू सेंचुरी, सीधा टीम इंडिया में एंट्री। मयंक अग्रवाल – घरेलू क्रिकेट में रनों का पहाड़ खड़ा कर 21 टेस्ट खेले। वसीम जाफर और सरफराज खान – घरेलू क्रिकेट में लगातार परफॉर्म कर इंटरनेशनल डेब्यू तक पहुंचे।

टीम इंडिया के स्टार प्लेयर्स का घरेलू क्रिकेट से दूरी बनाना उनकी थकान, इंजरी प्रोटेक्शन और स्ट्रैटेजिक प्लानिंग का हिस्सा है। लेकिन घरेलू टूर्नामेंट्स अब भी यंग टैलेंट को इंटरनेशनल लेवल तक पहुंचाने का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म बने हुए हैं।

आर अश्विन ने इंटरनेशनल लीग टी-20 ऑक्शन में नाम दिया

यूएई में 30 सितंबर को नीलामी; इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपीएल से रिटायरमेंट ले चुके हैं

मुंबई, 1 सितंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) से संन्यास लेने वाले आर अश्विन ने संयुक्त अरब अमीरात की इंटरनेशनल लीग टी20 (ILT20) में रुचि दिखाई है। उन्होंने खुद इसकी जानकारी दी है। पूरी संभावना है कि वे नीलामी के लिए पंजीकरण कराएंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह यूएई की इस लीग के अगले सीजन में खेलते दिख सकते हैं। टूर्नामेंट अगले साल 2 दिसंबर से 4 जनवरी तक चलेगा।

आईएलटी20 से तीन भारतीय खिलाड़ी जुड़ चुके हैं, लेकिन डेब्यू सिर्फ एक ही कर चुका है। क्रिकबज के अनुसार आईएलटी20 के आयोजक इस दिग्गज स्पिनर के साथ बातचीत में लगे हुए हैं और नामांकन की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उनका नाम नीलामी सूची में शामिल हो सकता है। पंजीकरण प्रक्रिया अभी चल रही है और नीलामी में नामांकन की अंतिम तिथि 10 सितंबर है।

पहली बार आईएलटी20 में नीलामी

अश्विन ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, "हां, मैं आयोजकों से बातचीत कर रहा हूं। उम्मीद है कि अगर मैं नीलामी के लिए पंजीकरण कराऊंगा तो मुझे कोई खरीदार मिल जाएगा।" लीग में खिलाड़ियों की भर्ती के लिए ड्राफ्ट सिस्टम का इस्तेमाल होता था, लेकिन इस साल आयोजक नीलामी प्रणाली लेकर आए हैं। नीलामी 30 सितंबर को दुबई में होने वाली है।

रॉबिन उथप्पा और यूसुफ पठान ने नहीं किया डेब्यू

अगर अश्विन को नीलामी में चुना जाता है, तो वह यूएई की लीग में खेलने वाले भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े नाम बन जाएंगे, जिसके 3 सीजन हो गए हैं। रॉबिन उथप्पा और यूसुफ पठान को पहले ही चुना जा चुका है, लेकिन उन्होंने अभी तक डेब्यू नहीं किया है, जबकि अंबाती रायडू इस टूर्नामेंट में खेलने वाले एकमात्र अन्य भारतीय हैं। उन्होंने एमआई एमिरेट्स के लिए आठ मैच खेले हैं।

दुबई कैपिटल्स मौजूदा चैंपियन

आईएलटी20 में एमआई एमिरेट्स, गल्फ जायंट्स, अबू धाबी नाइट राइडर्स, शारजाह वॉरियर्स, दुबई कैपिटल्स और डेजर्ट वाइपर्स इस लीग की प्रतिस्पर्धी फ्रेंचाइजी हैं। दुबई कैपिटल्स मौजूदा चैंपियन है। माना जा रहा है कि अश्विन को लीग में हिस्सा लेने का फैसला करने से पहले टीमों से कुछ आश्वासन मिला होगा। 282 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले अश्विन सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक हैं और 2009 में आईपीएल के दूसरे सीजन से नियमित रूप से खेल रहे थे।

आईपीएल में पांच फ्रेंचाइजी से खेल चुके हैं अश्विन

38 वर्षीय ऑलराउंडर ने आईपीएल में पांच अलग-अलग फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए 221 मैच खेले हैं। इसके अलावा, उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने राज्य तमिलनाडु और अपनी टीएनपीएल टीमों के लिए भी खेला है। उन्होंने 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं।

आईसीसी महिला विश्व कप 2025 से पहले भारतीय टीम को पूर्व कोच की चेतावनी

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम अभी भी पहले वनडे विश्व कप का इंतजार कर रही है। आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 को भारत होस्ट कर रहा है। जिसके कारण ही टीम इंडिया पर जीत दर्ज करने का दबाव भी बढ़ गया है। टीम इंडिया ने हाल के समय में शानदार प्रदर्शन किया है। जिसके बाद भी पूर्व भारतीय हेड कोच ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने वनडे विश्व कप से पहले बड़ा खुलासा भी कर दिया है।

स्पिनर होंगे विश्व कप जीतने की कुंजी

भारतीय परिस्थितियों में स्पिनरों का बोलबाला देखने को मिलता है। ऐसे में टीम इंडिया फेवरेट नजर आ रही हैं। हालांकि पूर्व कोच डब्ल्यूवी रमन का मानना है कि अन्य टीमों के पास भी अच्छे स्पिनर हैं। ऐसे में टीम इंडिया को संभल कर खेलना होगा। टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत के दौरान रमन ने कहा, 'हमें यह सोचकर आराम से नहीं बैठना चाहिए कि चूँकि टूर्नामेंट भारत में है, और परिस्थितियाँ स्पिन के अनुकूल होंगी, इसलिए भारत बाकी सभी टीमों को आसानी से हरा देगा। नहीं, ऐसा नहीं होने वाला। उन्हें सचमुच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के पास भी बहुत अच्छे स्पिनर हैं, जिसका मतलब है कि भारत के लिए भी काफी चुनौतियां होंगी।'

टीम इंडिया पर होगा ज्यादा दबाव

घरेलू मैदान पर विश्व कप खेलने के कारण टीम इंडिया पर ज्यादा दबाव होने वाला है। जिसके बारे में बात करते हुए डब्ल्यूवी रमन ने कहा, 'हाल के दिनों में भी, अगर आपने टी20 या 50 ओवर के मैच देखे हों, तो सभी को हमेशा यही लगता था कि भारत चैंपियन बनने से बस एक मैच, या एक बड़े प्रदर्शन या किस्मत के एक झटके से दूर है। इसलिए, मुझे लगता है कि वे एक मजबूत दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। विश्व कप में घर पर खेलना हमेशा शानदार होता है, लेकिन यह दोधारी तलवार भी हो सकती है क्योंकि हर मैच जीतने का अतिरिक्त दबाव हो सकता है।'

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज

नई दिल्ली, 1 सितंबर (एजेंसियां)। अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक होगी जिसमें नीरज चोपड़ा की अगुआई में देश के चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह वैश्विक मंच पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के प्रदर्शन से आई गई क्रांति का उल्लेखनीय प्रतिबिंब है। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें भाला फेंक स्पर्धा में चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भाला फेंक में सबसे अधिक खिलाड़ी

36 खिलाड़ियों का समूह

टोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 खिलाड़ियों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालिफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में पिछली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था जबकि किशोर जेना और डीपी मनु क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे थे।

देश के इतिहास में पहली बार चार भारतीय विश्व चैंपियनशिप की किसी स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। गत चैंपियन होने के कारण 27 वर्षीय चोपड़ा ने वाइल्ड कार्ड से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया जिससे तीन अन्य भारतीयों के उनके साथ जुड़ने का रास्ता साफ हुआ। किसी भी देश को प्रतिस्पर्धा में अधिकतम तीन प्रतिभागियों को शामिल करने की अनुमति है लेकिन यदि कोई खिलाड़ी वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रतियोगिता में जगह बनाता है तो यह संख्या चार हो सकती है।

चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालिफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मुझे विशेष रूप से खुशी है कि हमारे चार पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी क्वालीफाई कर चुके हैं। हमें उम्मीद है कि इस बार भी वे सभी फाइनल में पहुंचेंगे। पिछली बार भी चार खिलाड़ी थे लेकिन रोहित यादव चोटिल हो गए थे और भाग नहीं ले पाए थे। और वे सभी फाइनल में शीर्ष छह में थे।'

सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन

एएफआई की सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन किया गया जिसमें पांच महिलाएं भी शामिल हैं। रोहित के अलावा पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे और पुरुषों की 35 किमी पैदल चाल के संदीप कुमार को अंतिम समय में शामिल किया गया। इन्हें भी अन्य प्रतिभागियों के हटने के कारण विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला। कोई भी एथलीट क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने विश्व चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर सकता है। शेष स्थान विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दिए जाते हैं जिससे कि विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रत्येक स्पर्धा के लिए पूर्व-निर्धारित आवश्यक प्रवेश संख्या पूरी की जा सके।

इसके बाद सदस्य देशों ने वैश्विक संस्था को अपने एथलीटों के नाम वापस लेने की सूचना दी और इस प्रकार खाली हुए स्थानों को विश्व रैंकिंग में अगले स्थान पर रहने वाले एथलीटों द्वारा भर दिया गया। भारत ने 2023 में हंगरी में हुए पिछले टूर्नामेंट में 28 एथलीट भेजे थे जिनमें सात रिले धावक शामिल थे। इस बार देश किसी भी रिले स्पर्धा के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया। चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीता था और इस बार भी उनके अलावा किसी अन्य भारतीय के पास पदक जीतने का कोई वास्तविक मौका नहीं है। पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल के एथलीट अक्षदीप सिंह का नाम विश्व रैंकिंग के माध्यम से क्वालीफाई करने के बावजूद शामिल नहीं है क्योंकि वह चिकित्सकीय रूप से फिट नहीं है।

यूएस ओपन : दर्द से जूझते हुए जीते नोवाक जोकोविच

38 साल की उम्र में वो कर दिया जो किसी ने नहीं किया था

न्यूयॉर्क, 1 सितंबर (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच यूएस ओपन के चौथे राउंड के मुकाबले में दमदार शुरुआत की। वह तेजी से आगे बढ़ रहे थे तभी उनकी गर्दन में दर्द होने लगा। इसके बावजूद सातवीं सीड के जोकोविच 144वीं रैंकिंग के क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने रिकॉर्ड 64वें ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जर्मनी के 35 साल के स्ट्रफ पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे थे।

पहले सेट में ही जोकोविच को हुई दिक्कत

नोवाक जोकोविच 4-0 से आगे चल रहे थे। अगले गेम में वह 15-लव से आगे थे। इसके बाद उन्होंने एक बेहतरीन एंगल वाली लगाकर 30-लव की बढ़त बना ली। इसके तुरंत बाद उन्होंने अपनी गर्दन पीछे से पकड़ी और अपना सिर घुमाना शुरू कर दिया। इसके बाद कुछ समय उन्हें परेशानी हो रही थी। 30-लव की बढ़त लेने के बाद भी

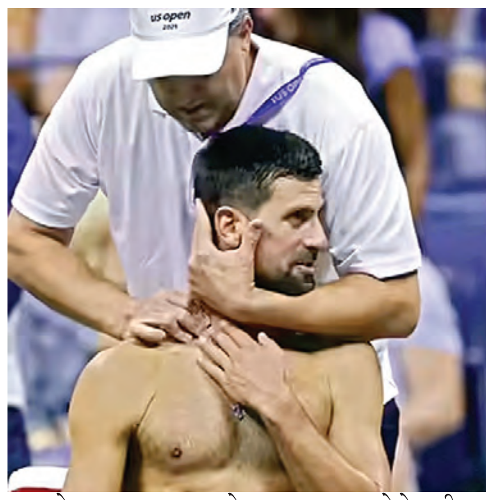

वह गेम हार गए। इसके बाद अगले गेम में भी जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने जीत हासिल की। लेकिन जोकोविच ने जल्द ही वापसी कर ली और फिर क्वालीफायर खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

जोकोविच ने नया इतिहास भी लिखा

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ इतिहास भी रच दिया है। वह इस साल खेले सभी चार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।38 साल के नोवाक जोकोविच एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। स्ट्रफ के खिलाफ जोकोविच का यह सिंगल्स में आठवां मुकाबला था। उन्हें सभी में जीत मिली है।

क्वार्टर फाइनल में फ्रिट्ज से मुकाबला

अब यूएस ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच का सामना अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से होगा। 27 साल के फ्रिट्ज ने क्वार्टर फाइनल में चेक रिपब्लिक के टॉमस माचैक को 6-4, 6-3, 6-3 से हराया। फ्रिट्ज और जोकोविच के बीच अभी तक 10 मुकाबले हुए हैं। सभी में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी को जीत मिली है। जोकोविच 2023 से एक भी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत पाए हैं। आखरी बार उन्होंने यूएस ओपन का ही खिताब जीता था।

डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में 28 साल के रेसलर की 5 सेकेंड में हुई शर्मनाक हार

डेब्यू मैच में बेईमानी करना पड़ा भारी

खेल डेस्क, 1 सितंबर (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई क्लैश इन पेरिस से पहले स्मैक डाउन का अंतिम एपिसोड जबरदस्त रहा. शो में जॉन सीना सहित बड़े रेसलर्स ने शिरकत की. सीना का फ्रांस की जनता ने जोरदार अंदाज में स्वागत किया. 28 साल की कियाना जेम्स के लिए शो बढ़िया नहीं रहा. उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा. आलम यह रहा है कि अपने डेब्यू ही मैच में वह 5 सेकेंड में हार गईं. यह चीज देखकर फैंस भी हैरान रह गए थे. जेम्स भी खुद सिर पकड़ कर बैठ गईं. उन्हें अपनी हार पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं हो रहा था. वैसे इससे डब्ल्यूडब्ल्यूई की बुकिंग पर भी

सवाल खड़े होते हैं. नए स्टार को इतनी जल्दी हराने का फैसला नहीं लेना चाहिए.

पिछले कुछ समय से कियाना जेम्स विमेंस यूएस चैंपियन जूलिया के साथ दिख रही हैं. वह जूलिया की एडवोकेट के रूप में काम कर रही हैं. जेम्स ने बैकस्टेज कई स्टार्स से तगडे.अंदाज में बात की. उन्होंने विमेंस चैंपियन टिफनी स्ट्रेटन को भी जवाब दिया. पिछले हफ्ते जेम्स की मीचीन से भी बात हुई थी. मीचीन ने जूलिया के खिलाफ मैच मांगा लेकिन कहा गया कि पहले उन्हें जेम्स का सामना करना पड़ेगा. शर्त यह थी कि अगर जेम्स को मीचीन हरा देंगी तो उन्हें जूलिया के खिलाफ टाइटल मैच मिल जाएगा. मेन रोस्टर में जेम्स ने अपना डेब्यू मैच स्मैक डाउन में मीचीन के खिलाफ लड़ा. सभी को उनसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ. मीचीन ने 5 सेकेंड में ही उन्हें मात देकर सभी को चौंका दिया. मीचीन ने जेम्स को रोलअप के जरिए हराया. यह डब्ल्यूडब्ल्यूई इतिहास में सबसे तेज जीतों में से एक थी. मीचीन ने अपने करियर में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है.

मीचीन के ऊपर हुआ हमला

मीचीन ने कियाना जेम्स को हराकर जूलिया के खिलाफ विमेंस यूएस टाइटल मैच हासिल कर लिया है. यह चीज जूलिया को बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगी. उन्होंने अपना आपा खो दिया. जूलिया ने मुकाबले के बाद मीचीन पर तगड़ा हमला किया. जेम्स ने भी उनका साथ दिया. रिंग के बाहर जूलिया ने मीचीन को स्टील स्टेप्स पर पटक कर उनकी हालत खराब कर दी. अब देखना होगा कि इनकी राइवलरी में आगे क्या होगा.

एबीडी ने किया टॉप 5 टेस्ट क्रिकेटर्स की लिस्ट से कोहली को बाहर

फिक्सिंग का आरोपी पाकिस्तानी क्रिकेटर भी शामिल

खेल डेस्क, 1 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स ने हाल में ही टेस्ट क्रिकेट के 5 सबसे बड़े खिलाड़ियों की लिस्ट बताई थी। जिसमें उन्होंने अपने दोस्त भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली को शामिल नहीं किया है। किंग कोहली एबी की लिस्ट में शामिल हैं। हालांकि एबी ने एक भारतीय दिग्गज को इसमें जगह दी है। सबसे हैरानी वाली बात ये हैं कि फिक्सिंग के आरोप में फंसे पाकिस्तानी क्रिकेटर को भी एबी ने अपने इस लिस्ट में जगह दी है। दक्षिण अफ्रीका से एक दिग्गज भी लिस्ट में शामिल है।

बियर्ड बिफोर क्रिकेट पॉडकास्ट पर टेस्ट क्रिकेट के 5 सबसे बड़े सुपरस्टार्स के बारे में बताया है। दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस और पाकिस्तान को मोहम्मद आसिफ को एबी ने टॉप 5 में जगह दी है। इंग्लिश सुपरस्टार के बारे में बात करते हुए एबी डिविलियर्स ने कहा, 'मैंने अपने करियर में उनके जैसे बेहतरीन तेज गेंदबाज नहीं खेला है। मेरे लिए एंड्रयू फ्लिंटॉफ नंबर 2 रहेंगे। फ्लिंटॉफ निश्चित रूप से मैच विनर थे। मुझे याद है एजबेस्टन में कैलिस को गेंदबाजी कर रहे थे. क्या शानदार यॉर्कर उन्होंने फेंकी थी. अविश्वसनीय! शायद मेरी ज़िंदगी का सबसे बेहतरीन यॉर्कर मैंने देखा था.'

ऑस्ट्रेलिया और भारत के दिग्गज को भी लिस्ट में दी जगह

महान स्पिनर शेन वॉर्न और दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बारे में बात करते हुए एबी डिविलियर्स ने कहा, 'मुझे उनके खिलाफ खेलना बहुत पसंद था, मुझे नहीं लगता कि वॉर्नी मेरे सामने आए सबसे बेहतरीन गेंदबाज़ थे, बल्कि वो तो पूरे पैकेज थे। जिस तरह से उन्होंने मेरी तरफ देखा करते थे, जिस तरह से वो अपने बाल को संवारते थे। जिस तरह से उनकी गेंद घूमती थी, सच कहूं तो वो बिलकुल कविता की जैसी थी. एक तरह से कवि की कविता। मैं कहूंगा, जिस तरह से सचिन को बल्लेबाजी के लिए बाहर जाते हुए देखा है, वह एक ठहराव जैसा था, मानो वाह, वो बहुत बड़े हैं, सचिन सबसे बड़े क्रिकेटर हैं और हां मैं विराट कोहली को कैसे भूल सकता हूं।'

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के नियम को सही ठहराया

तेलंगाना में एमबीबीएस और बीडीए कोर्स के लिए 4 साल तक राज्य में करनी होगी स्टडी

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना राज्य के उस नियम को बरकरार रखा है, जिसमें यह अनिवार्य किया गया है कि स्थानीय उम्मीदवार कोटे में एमबीबीएस और बीडीएस कोर्स में प्रवेश पाने के लिए उम्मीदवार को तेलंगाना राज्य में लगातार चार वर्ष पढ़ाई करनी होगी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना राज्य द्वारा दाखिल उस अपील को मंज़ूरी दे दी, जो तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि मेडिकल दाख़िलों में डोमिसाइल कोटे का लाभ पाने के लिए स्थायी निवासी को 4 साल लगातार तेलंगाना में पढ़ाई या निवास करना आवश्यक नहीं है।

ये नियम तेलंगाना के स्थायी निवासियों पर लागू नहीं होंगे :

बता दें कि पहले यह मामला हाई कोर्ट गया था। अपने निर्णय में, हाईकोर्ट ने नियम 3(ए) और 3(iii) को रीड डाउन करते हुए यह व्याख्या दी थी कि ये नियम तेलंगाना के स्थायी निवासियों पर लागू नहीं होंगे। हाईकोर्ट ने राज्य को यह भी निर्देश दिया था कि वह स्थायी निवासी की परिभाषा तय करने के लिए दिशा-निर्देश बनाए। सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना राज्य ने हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई की अगुवाई वाली बेंच ने कहा 2017 के नियमों को बरकरार रखा, जिनमें यह अनिवार्य था कि ऑल इंडिया सर्विसेज या पीएसयू में काम करने वाले उन अभिभावकों के बच्चों की कठिनाइयों को देखते हुए, जिन्हें राज्य से बाहर ट्रांसफर किया जाता है। राज्य सरकार ने संशोधन का प्रस्ताव रखा जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। इस संशोधन के साथ, अदालत ने 2017 के नियमों को, 2024 में किए गए संशोधन सहित, बरकरार रखा।

राज्य सरकार के संशोधन के मुताबिक यह प्रावधान किया गया है कि यदि कोई उम्मीदवार अनिवार्य चार लगातार शैक्षणिक वर्षों में से किसी अवधि के लिए तेलंगाना के बाहर पढ़ाई करता है (जो उस शैक्षणिक वर्ष पर समाप्त होते हैं जिसमें उसने पहली बार प्रासंगिक परीक्षा दी हो), तो वह अलग-अलग कैटागिरी में आने पर पात्र होगा जैसे कि तेलंगाना राज्य सरकार के कर्मचारियों के बच्चे, जिन्होंने उम्मीदवार के बाहर पढ़ाई करने वाले वर्षों में तेलंगाना से बाहर सेवा दी हो या दे रहे हों। ऑल इंडिया सर्विस (आईएएस/आईएफएस/आईपीएस) के तेलंगाना कैडर के सेवारत या सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बच्चे, जिन्होंने उम्मीदवार के बाहर पढ़ाई करने वाले वर्षों में तेलंगाना से बाहर सेवा दी हो या दे रहे हों। रक्षा कर्मियों/पूर्व सैनिकों/केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल सेवा कर्मियों के बच्चे, जिन्होंने सेवा में शामिल होते समय अपना गृहनगर तेलंगाना राज्य में घोषित किया हो। उम्मीदवार के बाहर पढ़ाई करने वाले वर्षों में तेलंगाना से बाहर सेवा दी हो या दे रहे हों।

तेलंगाना सरकार के अंतर्गत निगम/एजेंसी/संस्थान के उन कर्मचारियों के बच्चे, जिन्हें सेवा शर्तों के अनुसार पूरे भारत में कहीं भी स्थानांतरित किया जा सकता है, जिन्होंने उम्मीदवार के बाहर पढ़ाई करने वाले वर्षों में तेलंगाना से बाहर सेवा दी हो या दे रहे हों। यह इस शर्त पर निर्भर करेगा कि उम्मीदवार सक्षम प्राधिकारी से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे, जिससे यह साबित हो कि उसके माता/पिता ने उम्मीदवार के तेलंगाना से बाहर पढ़ाई करने वाले वर्षों में तेलंगाना से बाहर सेवा दी है। हाईकोर्ट में कई याचिकाओं ने तेलंगाना मेडिकल और डेंटल कॉलेज प्रवेश नियम, 2017 (एमबीबीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश) के नियम 3(ए) की वैधता को चुनौती दी थी, जिसे 19 जुलाई 2024 को संशोधित किया गया था।

15 प्रतिशत सीटें पहले ही दी जा चुकी :

हाईकोर्ट की राय से असहमत होते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया है कि हम पहले ही यह तय कर चुके हैं कि संशोधन से पहले का नियम, जिसमें स्थानीय उम्मीदवार की परिभाषा दी गई थी, पूरी तरह से सही था। वही तर्क संशोधित नियम पर भी समान रूप से लागू होता है। जब परिभाषा स्पष्ट है, राष्ट्रपति आदेश के अनुरूप है और समान नियमों को इस न्यायालय ने पहले भी बाध्यकारी मिसालों के रूप में मान्य किया है, तो 'रीड डाउन' करने का कोई औचित्य नहीं था। हमें संशोधित नियम पर भी अलग दृष्टिकोण अपनाने का कोई कारण नहीं दिखता। 15 प्रतिशत सीटें पहले ही अखिल भारतीय कोटे के लिए दी जा चुकी हैं।

सभी दलों के नेताओं ने राज्यपाल से आरक्षण विधेयक को मंजूरी देने का आग्रह किया

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की वकालत करने वाले विधेयक का समर्थन करने का आग्रह किया है।

सोमवार को राजभवन में एक बैठक के दौरान, उन्होंने इस विधेयक को तत्काल मंजूरी देने पर जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल में टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और सीतक्का, सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास और बिरला इलैया, साथ ही बीआरएस विधायक केपी विवेकानंद गौड़ और सीपीआई नेता नारायण और एमएलसी नेल्लिकंती सत्यम शामिल थे। उन्होंने राज्यपाल को विधानसभा में हाल ही में पारित पंचायती राज अधिनियम-2018 संशोधन विधेयक के बारे में जानकारी दी, जो तेलंगाना में पिछली 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को हटाता है और स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विधेयक को विधानसभा ने सर्वसम्मति से पारित किया है। बैठक के दौरान, राज्यपाल ने तेलंगाना में पिछड़े वर्गों की आबादी के बारे में जानकारी मांगी।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद, टीपीसीसी प्रमुख और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पिछली 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को हटा दिया गया है और संबंधित कानून में संशोधन किया गया है।

महेश कुमार गौड़ ने बताया कि पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का यह कानून जाति जनगणना सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर आधारित है, जो दर्शाता है कि तेलंगाना में पिछड़े वर्ग की आबादी 56.33 प्रतिशत है। उन्होंने आगे बताया कि सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने राज्यपाल से जाति जनगणना सर्वेक्षण रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए विधेयक का समर्थन करने का आग्रह किया।

सृष्टि फर्टिलिटी सरोगेसी घोटाले की जाँच में एसआईटी ने तेज़ी लाई

अब तक मुख्य आरोपी डॉ. नम्रता समेत कुल 27 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने सनसनीखेज सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर मामले की जाँच तेज़ कर दी है और इस घोटाले से जुड़े नौ मामले दर्ज कर चुका है।

आज एक याचिका दायर कर मुख्य आरोपी की आगे की पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत की माँग की है। पुलिस ने सरोगेसी की आड़ में बच्चे बेचने के आरोप में यूनिवर्सल सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर के खिलाफ नौ अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। अब तक मुख्य आरोपी डॉ. नम्रता समेत कुल 27 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसआईटी ने अब डॉ. नम्रता, उनके बेटे जयंत कृष्णा और सहयोगियों सदानंदम और चेन्ना राव की दो दिन की हिरासत की माँग की है। पुलिस के अनुसार, तेलुगु राज्यों में सनसनी मचाने वाले इस रैकेट को हाल ही में गहन जाँच के लिए एसआईटी को सौंप दिया गया था। अधिकारी नम्रता द्वारा कथित रूप से चलाए जा रहे अवैध सरोगेसी नेटवर्क से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की जाँच कर रहे हैं। जाँचकर्ताओं ने विशाखापत्तनम स्थित सृष्टि फर्टिलिटी सेंटर से अपनी जाँच शुरू की है, जहाँ यह पता लगाया जा रहा है कि कैसे दूसरे राज्यों में रहने वाले दम्पतियों से बच्चे खरीदे गए और कथित तौर पर एक सुसंगठित नेटवर्क के माध्यम से बेचे गए। अब तक लगभग 80 बच्चों की तस्करी हो चुकी होगी। एसआईटी के अधिकारी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में नम्रता के खिलाफ दर्ज 10 से अधिक अतिरिक्त मामलों का विवरण जुटाने के लिए अन्य राज्य एजेंसियों के साथ भी समन्वय कर रहे हैं। जाँच का उद्देश्य नेटवर्क की पूरी सीमा का पर्दाफाश करना और प्रभावित परिवारों को न्याय सुनिश्चित करना है।

सीपी ने गणेश विसर्जन को लेकर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिमी क्षेत्र की सीमा के अंतर्गत मधुरानगर पुलिस स्टेशन में गणेश विसर्जन की सुरक्षा व्यवस्था पर एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हैदराबाद के पुलिस महानिदेशक एवं आयुक्त श्री सी.वी. आनंद आईपीएस ने की। बैठक में पश्चिमी क्षेत्र के कानून-व्यवस्था, यातायात और अन्य पुलिस अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान, आयुक्त ने गणेश विसर्जन के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों के

बारे में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने जन सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने स्थानीय पुलिस, शी टीम्स और स्वयंसेवकों से असामाजिक तत्वों द्वारा जेबकतरी, छेड़छाड़ और चेन स्नैचिंग जैसे अपराधों को रोकने के लिए निरंतर सतर्कता बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी सलाह दी कि एहतियात के तौर पर आयोजकों या स्वयंसेवकों को रात में मूर्ति पंडालों में उपस्थित रहना चाहिए। बैठक में गणेश विसर्जन के दौरान होने वाली सामान्य चूक और कानून-व्यवस्था के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियों पर भी चर्चा की गई। गणेश प्रतिमाओं का शीघ्र विसर्जन सुनिश्चित करने के लिए कार्य योजना पर चर्चा की गई। अधिकारियों को पंडाल आयोजकों को विसर्जन जुलूस यथाशीघ्र शुरू करने और सुरक्षित घर लौटने की सलाह देने के लिए उचित निर्देश दिए गए।

विसर्जन जुलूस के सुचारू संचालन की व्यवस्था पूरी : आयुक्त आरवी कर्णन

हुसैन सागर में 9 नावें, डीआरएफ टीमें और 200 अनुभवी तैराक तैनात

तीन शिफ्टों में 14,486 सफाई कर्मचारी ड्यूटी पर

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद में गणेश विसर्जन कार्यक्रम को सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए सभी प्रबंध किए गए हैं। सोमवार को जीएचएमसी आयुक्त अपर आयुक्त रघु प्रसाद के साथ नेकलेस रोड स्थित पीपुल्स प्लाजा, सनराइज पॉइंट, लेक व्यू पार्क बतुकम्मा कुंटा और संजीवैया पार्क बेबी पॉन्ड में विसर्जन व्यवस्थाओं का मैदानी स्तर पर निरीक्षण किया गया। बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, क्रेन स्थापना और नियंत्रण कक्ष की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर कमिश्नर आरवी कर्णन ने विसर्जन की व्यवस्थाओं का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद शहर की 20 प्रमुख झीलों और जीएचएमसी के तत्वावधान में विशेष रूप से स्थापित 72 कृत्रिम कुंडों में विसर्जन की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी ने विसर्जन को सुचारू बनाने के लिए बुनियादी ढांचे के साथ-साथ धन भी आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि शहर की सभी प्रमुख झीलों में 134 स्थिर क्रेन और 259 मोबाइल क्रेन स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हाइड्रा और पर्यटन विभाग के समन्वय से हुसैन सागर में 9 नावें, डीआरएफ टीमें और 200 अनुभवी तैराक तैयार रखे गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की मदद से 13 नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 303.3 किलोमीटर मुख्य जुलूस मार्ग पर गणेश मूर्तियों के सुचारू विसर्जन को सुनिश्चित करने के लिए 160 गणेश एक्शन टीमों को तैनात किया गया है। आयुक्त ने बताया कि उत्सव के दौरान सफ़ाई सुनिश्चित करने के लिए 14,486 सफ़ाई कर्मचारी तीन पालियों में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विनायक चतुर्ती की शुरूआत से अब तक 3000 मीट्रिक टन कचरा इकट्ठा करने और उसे डंप यार्ड तक पहुंचाने के लिए 125 जीसीबी और 102 मिनी टिपर का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने बताया कि गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन स्थलों पर 39 मोबाइल शौचालय स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विसर्जन स्थलों और जुलूस के मार्ग पर कुल 56,187 अस्थायी प्रकाश व्यवस्थाएं स्थापित की गई हैं। उन्होंने बताया कि एम्बुलेंस सहित 7 चिकित्सा शिविर तीन पालियों में काम करने के लिए तैयार रखे गए हैं।

एसीबी ने छह महीनों में 179 मामले दर्ज किए

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने जनवरी से अगस्त 2025 के बीच कुल 179 मामले दर्ज किए। इन मामलों में 108 ट्रैप मामले, 11 आय से अधिक संपत्ति के मामले, 18 आपराधिक कदाचार के मामले, 18 नियमित पूछताछ, 21 औचक निरीक्षण और 3 गोपनीय पूछताछ शामिल हैं। लगभग 167 लोक सेवकों को ट्रैप/गिरफ्तार किया गया, जिनमें 14 आउटसोर्सिंग कर्मचारी और निजी व्यक्ति शामिल थे, और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसीबी ने ट्रैप मामलों में 33.12 लाख रुपये की राशि जब्त की और विभिन्न विभागों के आय से अधिक संपत्ति के मामलों में 44.30 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता लगाया।

अगस्त 2025 तक, एसीबी ने इस महीने कुल 31 मामले/जांच दर्ज कीं, जिनमें 15 ट्रैप मामले, 2 आय से अधिक संपत्ति के मामले, 3 आपराधिक कदाचार के मामले, 7 नियमित जांच और 4 औचक निरीक्षण शामिल थे। चार आउटसोर्सिंग कर्मचारियों/निजी व्यक्तियों सहित कुल 22 लोक सेवकों को ट्रैप किया गया, गिरफ्तार किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। विभिन्न विभागों में ट्रैप मामलों में 2.82 लाख रुपये की राशि जब्त की गई और आय से अधिक संपत्ति के मामलों में 5.14 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता चला। मामलों के अंतिम रूप देने के संबंध में, जनवरी-अगस्त 2025 की अवधि के लगभग 177 मामलों को अंतिम रूप दिया गया और अंतिम रिपोर्ट सरकार को कार्रवाई के लिए प्रस्तुत की गई। अगस्त तक, 25 मामलों को अंतिम रूप दिया गया और अंतिम रिपोर्ट आवश्यक कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को भेजी गई।

बीआर एओयू कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन नीति लागू करने की मांग की

हैदराबाद, 1 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने सोमवार को तेलंगाना संयुक्त कार्रवाई समिति के आह्वान पर "पेंशन विद्रोह दिवस" मनाया। डॉ.बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, शिक्षकों और गैर-शिक्षक संघ के सदस्यों ने दोपहर के भोजन के समय प्रशासनिक भवन के सामने काले बैज पहनकर विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। कर्मचारियों की मांग है कि राज्य सरकार पुरानी पेंशन नीति को तत्काल लागू करे, जैसा कि चुनाव से पहले वादा किया गया था और चुनाव घोषणापत्र में भी इसका उल्लेख किया गया है। प्रो. पल्लवी काबडे, प्रो.पी. वेंकटरमण, डॉ.के. कृष्णा रेड्डी, प्रो. चंद्रकला, के. प्रेम कुमार, डॉ. याकेश दैदा, डॉ. नारायण राव और अन्य ने अपने विचार और शंकाएं व्यक्त कीं। संयुक्त कार्रवाई समिति के सदस्य विश्वनाथ, मियाजानी, पांडु, अशोक के नेतृत्व में विभिन्न संघों और विश्वविद्यालय कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

|| श्री गणेशाय नमः || || श्री रामदेवाय नमः || || श्री राणी सती दादी प्रसन्नः ||

श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट
श्री रामदेवरा दरबार मंदिर शिवरामपल्ली, हैदराबाद
Endowment Department, Govt. of Telangana · A. RAMA DEVI (Executive Officer)

बाबा की बड़ी दशमी के उपलक्ष्य में
आज मंगलवार दि.2-9-2025
अभिषेक प्रातः 5:01 बजे
श्रृंगार आरती प्रातः 8:01 बजे
अनुपम विशेष श्रृंगार
छप्पन भोग
लंगर प्रसाद प्रातः 8 से रात्रि 12 बजे

भजन संध्या सायं 7:30 बजे से रात्रि 12:00 बजे तक
प्रमुख भजन गायक : वैभव तिवारी संदीप अग्रवाल एवं स्वाती दाहिमा
मंदिर भक्तों के दर्शनार्थ मंदिर प्रातः 7 से रात्रि 12 बजे तक खुला रहेगा।
सभी भक्तों से निवेदन है कि रामदेवरा दरबार में बाबा की बड़ी दशमी के अवसर पर आयोजित भजन संध्या एवं लंगर प्रसाद में सपरिवार, इष्ट-मित्रों सहित पधारकर दर्शन, भजन एवं प्रसाद का लाभ प्राप्त करें।
लंगर प्रसाद - दि.6-9-2025 तक - प्रातः 8 से 12 तथा सायं 5 से 9 बजे तक
चूरमा सहयोग : श्री बाबा रामदेव भक्त मण्डल, भाग्यनगर, हैदराबाद

मुख्य अतिथि: श्री टी. प्रकाश गौड़, विधायक, राजेन्द्रनगर
सम्माननीय अतिथि: श्रीमती अर्चना जयप्रकाश, पार्षद, राजेन्द्रनगर डिवीजन
सम्माननीय अतिथि: श्री गोपाल बल्दवा, समाज सेवी
मुख्य यजमान: श्री हीरालाल चौधरी, समाज सेवी

निवेदक : श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट कमेटी
श्यामसुन्दर गिलड़ा, कमेटी चेयरमैन
धरमचन्द भंसाली, कमलकिशोर जाजू, दिनेश सिंगनोदिया, जगदीश अग्रवाल, श्यामसुन्दर पराणी, कमलेश बाफणा, राजकुमार अग्रवाल, अभिमन्यु यादव
श्रीमती ए. रमा देवी, एक्जीक्यूटिव आफिसर, इंडोमेंट डिपार्टमेन्ट

मंदिर पुजारीगण
सुरेश महाराज, पं. बनवारी, पं. राकेश, पं. निरंजन, पं. कौशलेन्दर, पं. अनिल, पं. जनार्दनजी, जगन्नाथ, चिरंजीलाल शर्मा, अरविन्द शर्मा, पंकज शर्मा

सहयोगी
सुरेश ताजपुरिया, राजकुमार लड्डा, चन्द्रशेखर गड्डी, निलेश शर्मा

विशेष सहयोगी :
बाबा रामदेव भक्त मण्डल, काटेदान
राकेश जालान, काटेदान
बाबा के चरणों में समर्पित
8919967592, 9394517629, 9949501673, 9032292802, 9246521448

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.